पेज-06

आज की जनधारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

डाक पंजीयन 29/2010-2012

वेब संस्करण

www.aajkijandhara.com

www.jandhara.in

Jandhara24x7

@AJandhara/Jandhara24/7

AajkiJandhara & Jandhara24x7

6232949114, 8959444440

वर्ष : 01, अंक : 227, जगदलपुर, मंगलवार 19 मई 2026

रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित | epaper www.aajkijandhara.com | email:aajkijandhara@gmail.com | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-3, वि.सं. 2083 | पृष्ठ : 12 | मो. : 9425203900, 9425243430 | मूल्य: 2.00 रु.

गुंडाधुर की धरती बनेगी तीर्थस्थलः शाह

बस्तर में कहा- 50 सालों में जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई 4-5 साल में करेंगे

रायपुर/जगदलपुर। नक्सलवाद खात्मे के बाद पहली बार बस्तर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर के लोगों का 50 सालों में जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई हम 4-5 सालों में करेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक बस्तर विकसित न हो तब तक हमारा संकल्प अधूरा होगा। इससे पहले नेतानार में शाह ने कहा कि, आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पिछले 6 महीनों के काम के बाद अब यह पूरा क्षेत्र आदिवासियों से भरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी धरा से अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ने का काम अमर शहीद गुंडाधुर ने किया था।

शाह ने कहा कि एक दौर वह भी था जब यहां एक साथ 6 पुलिसवालों की हत्या कर दी जाती थी, स्कूल उजाड़ दिए जाते थे और गरीबों का राशन तक छीन लिया जाता था। नक्सलियों का खौफ ऐसा था कि वे मासूम बच्चों को उनके बचपन में ही जबरन उठा ले जाते थे। गृह मंत्री ने आगे कहा कि अब सरकार ने कड़े कदम उठाकर बस्तर से इस गनतंत्र को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही अब इस ऐतिहासिक धरती को एक तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का काम शुरू किया जा रहा है।

यहां के आदिवासी बच्चों को अब वे तमाम आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं, जो पहले केवल बड़े शहरों में ही मिलती थीं। अब हर गरीब परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंचाया जा रहा है, उनके राशन कार्ड और आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं और उन्हें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसमें सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पुलिस अधिकारियों का किया गया सम्मानः नेतानार के बाद अमित शाह जगदलपुर के आसना में स्थित बादल अकादमी पहुंचे। यहां बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एनआईए, एसएसबी और एनटीआरओ के अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ एडीजी विवेकानंद सिन्हा और बस्तर आईजी सुंदरराज पी का भी सम्मान किया गया।

पहले गांव जाना मुश्किल था, अब हालात बदले- जानकी कश्यपः बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले जवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बातचीत की। उन्होंने बसवाराजू समेत 38 नक्सलियों के एनकाउंटर के बारे में बताया। इस दौरान नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों ने भी अपना दर्द बयां किया। जगरगुंडा की रहने वाली जानकी कश्यप ने बताया कि उनकी आंखों के सामने नक्सलियों ने उनके देवर समेत 7-8 लोगों की हत्या कर दी थी। पीड़ित परिवारों ने कहा कि पहले गांव जाना मुश्किल था, लेकिन पुलिस की मौजूदगी और सड़कों के निर्माण से हालात बदले हैं। शहीद जवान की बहन पिंकी सेठिया ने कहा कि, अब बस्तर के जंगल में ड्यूटी कर रहे जवानों के परिवार वालों को डर नहीं रहेगा कि हमारे बेटे जंगलों में ड्यूटी कर रहे हैं।

112 के 400 हाईटैक वाहन को दिखाई हरी झंडीः इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर के माना स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में डायल 112 के 400 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब क्राइम, मेडिकल इमरजेंसी, आगजनी पर एक ही नंबर पर मदद मिलेगी।

रायपुर के इस कार्यक्रम के तुरंत बाद अमित शाह नेतानार से जगदलपुर रवाना हो गए हैं। यहां अमर वाटिका में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। दौरे के अंतिम चरण में वे जगदलपुर में ही मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री शामिल होकर विकास कार्यों पर चर्चा करेंगे।

क्राइम, मेडिकल और आगजनी के लिए एक नंबरः 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर शुरू की गई डायल-112 सेवा में पुलिस, फायर और मेडिकल इमरजेंसी को एक प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। इसके लिए 400 हाईटेक वाहन उतारे गए हैं, जिनमें जीपीएस, डैश कैम, पीटीजेड कैमरा, वायरलेस रेडियो और सोलर बैकअप जैसी सुविधाएं हैं। इससे घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल टाइम ट्रैकिंग और तेजी से रिस्पॉन्स संभव होगा।

डायल-112 सेवा का पूरे प्रदेश में विस्तारः डायल 112 सेवा का विस्तार राज्य सरकार की उन बड़ी योजनाओं में शामिल है, जिसके जरिए पुलिस रिस्पॉन्स सिस्टम को मजबूत किया जा रहा है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा के मुताबिक, अभी तक सिर्फ 16 जिलों तक सीमित रहने वाली इस सेवा को अब पूरे छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के सभी थानों को डायल-112 से जोड़ा जाएगा, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में आम जनता तक पुलिस सहायता पहले की तुलना में ज्यादा तेज और प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

हर जिले को फॉरेंसिक जांच की सुविधाः राज्य सरकार ने इस दौरे के दौरान अपराध जांच सिस्टम को तकनीकी रूप से मजबूत किया है। इसके तहत प्रदेश के सभी 33 जिलों के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट्स रवाना की गईं। इन विशेष वाहनों में लगे आधुनिक उपकरणों की मदद से घटनास्थल पर ही शुरुआती जांच हो सकेगी।

आज मध्य क्षेत्रीय परिषद की अहम बैठकः दौरे के तीसरे दिन यानी 19 मई मंगलवार को जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। इस बैठक में 4 राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में अंतरराज्यीय समन्वय, क्षेत्रीय विकास, सुरक्षा व्यवस्था, नक्सल प्रभावित इलाकों की स्थिति और प्रशासनिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें राज्यों के बीच समन्वय से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

सुरक्षा-विकास पर रहेगा फोकस

दौरे के दौरान उनका मुख्य फोकस सुरक्षा व्यवस्था, बस्तर में विकास कार्यों की समीक्षा, जनसुविधाओं के विस्तार और मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक पर रहेगा। इस दौरे में सुरक्षा और विकास के बीच संतुलन बनाने की कोशिश नजर आएगी। डायल-112 सेवा के विस्तार से लेकर बस्तर में जन सुविधा केंद्र के उद्घाटन, फॉरेंसिक यूनिट्स, और शहीद जवानों को श्रद्धांजलि तक, कार्यक्रमों की पूरी श्रृंखला इसी दिशा में तैयार की गई है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद दिल्ली रवाना होंगे

बैठक के बाद दोपहर भोजन का कार्यक्रम रखा गया है। इसके बाद अमित शाह दोपहर 2:50 बजे से 3:30 बजे तक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वे सुरक्षा, विकास और परिषद बैठक से जुड़े अहम फैसलों की जानकारी साझा कर सकते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद वे जगदलपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और शाम 3:45 बजे विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगे। उनका विमान शाम 6 बजे पालम स्थित एयरफोर्स स्टेशन पहुंचेगा, जहां से वे सड़क मार्ग से अपने आवास रवाना होंगे। अमित शाह के इस दौरे को छत्तीसगढ़, खासकर बस्तर क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सुरक्षा और विकास के एजेंडे के साथ हो रहे इस दौरे पर राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर नजर बनी हुई है।

गुप्त चैंबर बनाकर की जा रही थी तस्करी

गुजरात जा रही कार से नौ करोड़ के आभूषण जब्त

सरायपाली। सीमा स्थित सिंघोड़ा पुलिस को चेकिंग के दौरान रेहटीखोल नाके में ओडिशा से गुजरात जा रही एक वैक्सवैगन आर कार से 9 करोड़ 17 लाख रुपए मूल्य के अधिक राशि का रेडीमेड आभूषण जप्त किए जाने की बहुत बड़ी सफलता मिली है।

इस संबंध में सिंघोड़ा टीआई संतोष सिंहवाने जानकारी देते हुवे बताया कि महासमुंद जिले में अवैध गतिविधियों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों से हो रहे अवैध परिवहन पर रोक लगाने चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान सिंघोड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एनएच-353 स्थित रेहटीखोल नाका में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक वैक्सवैगन कार से करीब 9 करोड़ 17 लाख रुपए से अधिक मूल्य के सोने के आभूषण बरामद किए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 17 मई 2026 को उड़ीसा की ओर से आ रही

वोक्सवैगन कार क्रमांक जीजे 03 एनपी 4230 को रोककर जांच की गई। कार में सवार तीन व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को संदेह हुआ। तलाशी लेने पर कार की पिछली सीट में बनाए गए चेंबर में रखे दो पीठू बैग बरामद हुए, जिनमें छह प्लास्टिक बॉक्स में विभिन्न प्रकार के सोने के आभूषण रखे मिले। जांच में कुल 7512.488 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए, जिनकी कीमत 9 करोड़ 17 लाख 84 हजार शेष पृष्ठ 10 पर

सरगुजा में 95किलो चांदी और 760 पुराने फोन जब्त

सरगुजा। अंबिकापुर की गांधीनगर पुलिस ने ओमनी कार से 95 किलो से अधिक चांदी के पुराने पायल और 760 पुराने फोन जब्त किया है। पुलिस ने पश्चिम बंगाल के 5 युवकों को गिरफ्तार किया गया है। चांदी और पुराने फोन चोरी के होने के शक पर कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक, बनारस रोड पर थाने के सामने वाहनों की चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान ओमनी वाहन को रोककर जांच की गई, तो गाड़ी में बड़ी मात्रा में चांदी के पुराने पायल और पुराने फोन भरे मिले। पुलिस ने पुराने पायलों और मोबाइल के बारे में पूछताछ की, तो वे ज्यादा जानकारी नहीं दे सके।

दूसरे राज्यों में बेचते फोन, साइबर फ्रॉड में होता इस्तेमालः पुलिस ने बताया कि, कुछ लोग हाट बाजार से चोरी कर दूसरे राज्य में बेचते हैं। उन मोबाइलों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड और बाकी

असामाजिक गतिविधियों में किया जाता है। कार से जब्त पुराने चांदी के पायल का कुल वजन 95 किलो 500 ग्राम है।

बंगाल के 5 आरोपी गिरफ्तारः पुलिस ने बताया कि, जब्त चांदी की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। आरोपियों के कब्जे से 110 टच स्क्रीन और 650 कीपैड मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों में सेन्तु शेख (26), गफ्फार शेख (28), असिम शेख (23), इब्राहिम शेख (30) और माशदुल शेख (37) सभी निवासी हरिहरपाड़ा जिला मुर्शीदाबाद पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इस मामले में गांधीनगर थाना शेष पृष्ठ 10 पर

योगी बोले- सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देंगे

● प्यार से नहीं माने तो दूसरा तरीका अपनाएंगे

लखनऊ। यूपी में बकरीद से एक हफ्ते पहले सड़कों पर नमाज को लेकर सीएम योगी ने सख्त चेतावनी दी। सोमवार को लखनऊ में अमर उजाला के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ने दी जाएगी। प्यार से मानेंगे ठीक है, नहीं मानेंगे तो दूसरा तरीका अपनाएंगे। योगी ने कहा कि नमाज पढ़नी है तो तय जगह पर पढ़िए। संख्या ज्यादा है तो शिफ्ट में पढ़ लीजिए। हम नमाज नहीं रोकेंगे, लेकिन सड़क पर अराजकता नहीं होने देंगे। सड़कें नमाज पढ़ने या किसी तरह की भीड़ जुटाने के लिए नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि लोग मुझसे

पूछते हैं कि क्या यूपी में सड़कों पर नमाज होती है? मैं कहता हूं- कतई नहीं। सड़कें आम लोगों के चलने के लिए हैं। कोई भी आकर ट्रैफिक डिस्टर्ब करे, यह अधिकार किसी को नहीं है। योगी ने आगे कहा कि उन लोगों ने मुझसे कहा कि साहब कैसे होगा, हमारी संख्या ज्यादा है। हमने कहा कि तुम्हारे घर में रहने की जगह नहीं है, तो संख्या कंट्रोल कर लो। सामर्थ्य नहीं है, तो क्यों बेकार में संख्या बढ़ाई जा रही है? सभी को सिस्टम से रहना होगा। सभी को कानून का राज मानना होगा।

सीएम योगी ने बरेली में हुए बवाल का भी शेष पृष्ठ 10 पर

पीएम मोदी की नॉर्वे यात्राः 100 बिलियन का निवेश और 10 लाख नौकरियां

● अंतरिक्ष से लेकर आर्कटिक तक समझौते

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के अपने समकक्ष जोनास गहर स्टोर के साथ व्यापार और निवेश, हरित प्रौद्योगिकी, नीली अर्थव्यवस्था और अन्य प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत की। स्वीडन से दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर नॉर्वे के प्रधानमंत्री स्टोर और स्कैंडिनेवियाई देश के अन्य शीर्ष नेताओं ने स्वागत किया। यह पीएम मोदी की नॉर्वे की पहली यात्रा है और 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की भी इस देश की पहली यात्रा है। इस दौरान पीएम मोदी ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ

एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया।

पीएम मोदी ने नॉर्वे की जमकर की तारीफः इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, नॉर्वे की यात्रा करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह देश नेचर और ह्यूमन प्रोग्रेस के बीच हार्मनी का एक सुंदर उदाहरण है। सबसे पहले, मैं प्रधानमंत्री का इस आत्मीयता भरे स्वागत के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। और कल नॉर्वे के संविधान दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ओर से, नॉर्वे जैसे सुदृढ़ शेष पृष्ठ 10 पर

मोदी को मिला 'द ग्रैंड क्रॉस' से नवाजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक और वैश्विक सम्मान मिला है। नॉर्वे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द रॉयल नॉर्वेजियन ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया। यह नॉर्वे का टॉप सिविलियन सम्मान है। ग्रैंड क्रॉस नॉर्वेजियन रॉयल ऑर्डर ऑफ मेरिट की सर्वोच्च श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है। इसे सेवा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने में योगदान के सम्मान में दिया जाता है।

वीडी सतीशन केरलम सीएम बने

● 64 साल बाद राज्य में किसी मुख्यमंत्री ने पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन सोमवार को केरलम के 13वें मुख्यमंत्री बने। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उनके अलावा पूरी कैबिनेट (20 मंत्रियों) को शपथ दिलाई। ऐसा 64 साल के बाद हुआ। इससे पहले राज्य के तीसरे कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे आर शंकर ने 1962 में पूरी कैबिनेट के साथ शपथ ली थी, लेकिन 1964 में अविश्वास प्रस्ताव के बाद उनकी सरकार गिर गई थी।

कार्यक्रम में राहुल और प्रियंका गांधी के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री पी विजयन, बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर समेत सभी कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कैबिनेट में 14 नए चेहरेः केरलम की कैबिनेट में 14 विधायकों ने पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। इसमें सीपी जॉन और एन शमसुद्दीन, केएम शाजी, पीके बशीर और वीई अब्दुल गफूर, पीसी विष्णुनाथ, रोजी एम जॉन, बिंदु कृष्णा, टी सिद्दीकी, केए थुलसी और ओजे जनीश शामिल हैं। कांग्रेस ने स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद भी अपने पास रखे हैं। तिरुवनचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनिमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाया गया है। केरलम विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण के बाद 22 मई को विधानसभा शेष पृष्ठ 10 पर

धोनी ने ट्रेनिंग सेंटर में मशीनगन चलाई

चेन्नई। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच रविवार को चेन्नई में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स (एनएसजी) के रीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन (छोटी मशीनगन) चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया। 44 साल के धोनी ने यहां कमांडोज और उनके परिवारों के साथ समय बिताया। उनके साथ खाना खाया। उन्होंने कमांडोज से पूछा कि फिट लग रहा हूं न। इस पर जवानों ने सहमति देते हुए कहा कि पिछली बार जब आए थे, तब इससे भी फिट थे।

उमर खालिद को बेल मिल सकती थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगा साजिश मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले अपने पिछले फैसले पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने सोमवार को यह बयान सैयद इफ्तिखार अंद्राबी से जुड़े नार्को-टेररिज्म मामले पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने माना कि किसी आरोपी को बेल देना एक नियम है, उसे जेल भेजना अपवाद होना चाहिए।

दो हाथियों की लड़ाई में पर्यटक की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के कोडागु जिले स्थित डुबारे एलीफेंट कैंप में दो हाथियों की लड़ाई के दौरान एक महिला पर्यटक की मौत हो गई। घटना का दर्दनाक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक हाथी महिला के ऊपर गिर गया। एक पुरुष और उसकी गोद में एक बच्चा बाल-बाल बच गए। अधिकारियों के मुताबिक, तमिलनाडु की पर्यटक तुलसी (33) नदी किनारे खड़ी होकर हाथियों को नहलाते हुए देख रही थीं। नदी में 6 से 7 हाथी थे। उनके साथ महावत भी थे। तभी दो हाथी हिंसक होकर बेकाबू हो गए। इस दौरान वहां चीख-पुकार मच गई।

सीएसएमसीएल ओवरटाइम घोटाले में पहली चार्जशीट

182 करोड़ के खेल में अनवर ढेबर समेत 12 आरोपी कोर्ट में पेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) में मैनपावर ओवरटाइम भुगतान घोटाले को लेकर राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को विशेष न्यायालय में प्रथम अभियोग पत्र पेश कर दिया। करीब 182.98 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में अनवर ढेबर समेत 12 आरोपियों को आरोपी बनाया गया है।

एसीबी की विवेचना में खुलासा हुआ है कि वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच मैनपावर एजेंसियों को कर्मचारियों के नाम पर ओवरटाइम, बोनस, अतिरिक्त चार दिन कार्य भुगतान और सर्विस चार्ज के नाम पर भारी रकम जारी की गई। जांच में सामने आया कि यह राशि वास्तविक कर्मचारियों तक नहीं पहुंची, बल्कि कमीशनखोरी और सिंडिकेट के आर्थिक लाभ के लिए इस्तेमाल की गई।

इन 12 आरोपियों के खिलाफ पेश हुआ अभियोग पत्रः एजेंसी ने जिन 12 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है उनमें अनवर ढेबर, नवीन प्रताप सिंह तोमर, तिजऊराम निर्मलकर, अभिषेक सिंह, नीरज कुमार चौधरी, अजय लोहिया, अजीत दरंदले, अमित प्रभाकर सालुंके, अमित मित्तल, एन. उदय राव, राजीव द्विवेदी और संजीव जैन शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(बी), 8 तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 467, 468, 471 और 120-बी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ऐसे हुआ करोड़ों का अतिरिक्त भुगतानः जांच एजेंसी शेष पृष्ठ 10 पर

टेम्पो-कंटेनर की टक्कर में 11 लोगों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिल में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर एक टेम्पो और कंटेनर ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। धानीवरी क्षेत्र में बारातियों से भरे एक ट्रक और तेज रफ्तार टेम्पो कंटेनर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि सड़क पर लाशें बिछ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। तत्काल हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों का मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को नजदीकी उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरु कर दी है और मृतकों की जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक में 100 से अधिक बाराती सवार थे, जो शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा थे। इस हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

पेपर लीक मामले में 10वीं गिरफ्तारी

CBI ने लातूर में कोचिंग संचालक को पकड़ा, मोबाइल पर मिला प्रश्नपत्र

नई दिल्ली। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के लातूर शहर से एक कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर के रूप में हुई है, जो 'रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (RCC)' नाम से कोचिंग संस्थान चलाता है।

रविवार को एजेंसी द्वारा की गई तलाशी के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा का एक लीक हुआ प्रश्न पत्र मिला था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

मोबाइल में मिला नीट का लीक पेपरः सीबीआई ने रविवार को आरोपी के ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से कथित तौर पर नीट

यूजी परीक्षा का लीक प्रश्नपत्र बरामद हुआ। इसके बाद एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी का आरोप है कि शिवराज मोटेगांवकर उस संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य था, जो नीट यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करने और उसे फैलाने में शामिल था।

23 अप्रैल को ही मिल गया था प्रश्नपत्रः सीबीआई के अनुसार, आरोपी ने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर नीट यूजी परीक्षा से पहले ही 23 अप्रैल 2026 को प्रश्नपत्र और उसके उत्तर प्राप्त कर लिए थे। इसके बाद उसने यह पेपर कई लोगों तक पहुंचाया। फिलहाल सीबीआई मामले की जांच में जुटी हुई है और पेपर लीक नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। मामले में शेष पृष्ठ 10 पर

एनटीए चेयरमैन प्रदीप जोशी तलब

नीट यूजी पेपर लीक के मामले में संसदीय समिति ने ऐक्शन लिया है। स्थायी समिति ने एनटीए के चेयरमैन प्रदीप कुमार जोशी और अन्य अधिकारियों समेत शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को नीट पेपर लीक पर अब तक हुई जांच की जानकारी हासिल करने और नए सुधारों पर चर्चा करने लिए तलब किया है। नोटिस के मुताबिक यह समिति एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से पेपर लीक के मामले किए जा सकने वाले सुधारों पर अधिकारियों की राय लेगी।

जशपुर की नाशपाती से बढ़ रही किसानों की आमदनी, 3,500 से अधिक कृषक जुड़े फल उत्पादन से

3500 हेक्टेयर में हो रही नाशपाती की खेती, देश के कई राज्यों में है जशपुर की नाशपाती की मांग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। जशपुर जिले के किसान नाशपाती की खेती के माध्यम से उल्लेखनीय आय अर्जित कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। प्राकृतिक रूप से अनुकूल जलवायु और उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन के कारण जशपुर आज राज्य के प्रमुख नाशपाती उत्पादक जिलों में शामिल हो चुका है।

जशपुर जिले में लगभग 3,500 से अधिक किसान करीब 3,500 हेक्टेयर क्षेत्र में नाशपाती की खेती कर रहे हैं। जिले में प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 75 हजार क्विंटल नाशपाती का उत्पादन हो रहा है। इससे हजारों कृषक परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और जिले की पहचान फल उत्पादन के क्षेत्र में लगातार मजबूत हो रही है।

जशपुर की नाशपाती स्वाद, गुणवत्ता और आकर्षक आकार के कारण देश के विभिन्न राज्यों में विशेष रूप से पसंद की जाती है। जिले के सन्ना, पंडरापाठ, कंवई, महुआ, सोनक्यारी, मनोरा, धवईपाई और गीधा जैसे क्षेत्रों से नाशपाती की खेप दिल्ली, उत्तर प्रदेश, ओडिशा सहित अन्य राज्यों में भेजी जाती है। फल को सावधानीपूर्वक कैरेट में पैक कर बाजारों तक पहुंचाया जाता है।

नाशपाती की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। एक एकड़ क्षेत्र से किसानों को औसतन 1 लाख से 1.50 लाख रुपए तक की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और किसान आधुनिक उद्यानिकी की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं।

एक एकड़ से किसानों को हो रही 1 लाख से 1.50 लाख रुपए तक की वार्षिक आय

उद्यानिकी विभाग तथा नाबार्ड के सहयोग से किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण, पौधरोपण, बागवानी प्रबंधन और विपणन संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत नाशपाती क्षेत्र विस्तार योजना संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से किसानों को अनुदान एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर जिले में उद्यानिकी आधारित कृषि को नई दिशा मिली है। नाशपाती की खेती न केवल किसानों की आय बढ़ा रही है, बल्कि जशपुर को राज्य के एक उभरते हुए फल उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है।

'प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मंत्री राजेश अग्रवाल'

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी दिशा में पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम फुलचुही एवं डांड़गांव में विभिन्न धार्मिक विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने उदयपुर विकासखंड के ग्राम फुलचुही स्थित पंचमुखी पहाड़ी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीढ़ी निर्माण एवं मंदिर भवन पुनर्निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही ग्राम डांड़गांव में मंदिर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं को संरक्षित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, संस्कृति, सामाजिक समरसता और परंपराओं के जीवंत प्रतीक भी हैं। राज्य सरकार धार्मिक स्थलों का संरक्षण कर उन्हें सुविधायुक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंस उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार की मंशा है कि धार्मिक स्थलों का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन और रोजगार से भी जोड़ा जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में मंदिरों और धार्मिक स्थलों के विकास से स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा तथा युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार ÷विरासत के संरक्षण और विकास के समन्वय÷ की सोच के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए जनभावनाओं के अनुरूप योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराएं और धार्मिक आस्थाएं प्रदेश की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास से सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिलती है। राज्य सरकार गांव-गांव में सांस्कृतिक और धार्मिक अधोसंरचना के विकास के माध्यम से लोगों को अपनी परंपराओं और विरासत से जोड़ने का कार्य कर रही है। क्षेत्रवासियों ने मंदिर निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की धार्मिक पहचान को नई मजबूती मिलेगी तथा श्रद्धालुओं को सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

पंचकर्म चिकित्सा की मदद से 5 साल पुराने माइग्रेन से मुक्त हुई सीमा

सुकमा जिले में सेहत के साथ युवाओं को मिल रही मुख्यधारा की रोशनी

रायपुर। बीते पांच साल सुकमा निवासी 39 वर्षीय श्रीमती सीमा सिंह के लिए किसी दुःस्वप्न से कम नहीं थे। माइग्रेन के दर्द से तड़पती सीमा ने राहत की चाह में दूर-दूर के बड़े शहरों के चक्कर काटे, एलोपैथी की ढेरों दवाइयां खाईं, लेकिन बीमारी जस की तस रही। निराशा के इन बादलों के बीच उम्मीद की एक किरण तब जागी, जब वे बीते 4 मई को 'आयुष स्पेशलिटी क्लिनिक सुकमा' पहुँचीं। यहाँ अनुभवी चिकित्सक डॉ. मनोरंजन पात्रो की देखरेख में लगभग एक सप्ताह तक चले आयुर्वेदिक इलाज, सटीक दवाइयों और पंचकर्म की 'शिरोधारा' पद्धति के जादू ने कमाल कर दिया। वर्षों पुराना वह दर्द गायब हो गया जिसने उनकी रातों की नींद छीन रखी थी। दर्द से इस मुक्ती ने सीमा के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है, जिसके लिए उन्होंने दिल से शासन-प्रशासन का आभार जताया है।

बदलती स्वास्थ्य व्यवस्था की सुखद तस्वीर: सीमा सिंह की यह मुस्कान सुकमा जिला प्रशासन के उन संजीदा प्रयासों का नतीजा है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को आम लोगों तक पहुँचाने के लिए किए जा रहे हैं। अस्पताल में न केवल बुनियादी ढाँचे को मजबूत किया गया, बल्कि पारंपरिक और बेहद असरदार पंचकर्म चिकित्सा की भी शुरुआत की गई। प्रशासन की इसी विशेष पहल का असर है कि आज यह अस्पताल रविवार को छोड़कर सप्ताह के छह दिन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, जहाँ हर दिन औसतन 14 से 15 मरीज स्वस्थ जीवन की तरफ बढ़ रहे हैं।

बंदूकों के साए से बाहर, मुख्यधारा का सहारा: जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ-साथ सुकमा के युवाओं के पुनर्वास की भी एक अनूठी मिसाल पेश की है। कलेक्टर की विशेष पहल पर दो आत्मसमर्पित युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा गया और उन्हें इसी आयुष चिकित्सालय में 'कलेक्टर दर' पर सम्मानजनक रोजगार प्रदान किया गया। कभी गुमराह रहे इन युवाओं के हाथों को रोजगार देकर प्रशासन ने न सिर्फ उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा दी है, बल्कि जिले में शांति और विकास का एक नया अध्याय भी लिखा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का सुकमा मॉडल: सुकमा का आयुष चिकित्सालय आज सिर्फ एक अस्पताल नहीं, बल्कि उम्मीद और पुनर्वास का एक जीवंत केंद्र बन चुका है। एक तरफ जहाँ असाध्य बीमारियों से जूझ रहे आम नागरिकों को सुकमा की वादियों में ही विश्वस्तरीय आयुर्वेदिक और पंचकर्म उपचार मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ भटके हुए युवाओं को रोजगार देकर देश की मुख्यधारा में वापस लाया जा रहा है। स्वास्थ्य क्रांति और सामाजिक सुधार के इस बेजोड़ संगम ने साबित कर दिया है कि अगर प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो नक्सल प्रभावित माने जाने वाले सुकमा जैसे दूरस्थ अंचलों में भी संवेदनशीलता और सुशासन की नई इबारत लिखी जा सकती है।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने छोड़ा 'पायलट-फॉलो' वाहनों का काफिला

- **प्रधानमंत्री के ऊर्जा और संसाधन बचत के आह्वान से प्रेरित होकर लिया फैसला**

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने प्रशासनिक तामझाम और वीआईपी कल्चर को दरकिनार करते हुए एक बेहद सराहनीय और अनुकरणीय पहल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा बचत एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के आह्वान से प्रेरित होकर, मंत्री वर्मा ने अपने शासकीय दौरों और आवागमन के दौरान मिलने वाले 'पायलट' और 'फॉलो' वाहनों के उपयोग को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया है।

मंत्री वर्मा अपने पूरे स्टाफ के साथ बेहद सीमित और कम से कम गाड़ियों के काफिले में सफर करेंगे। राज्य स्तर पर उनके इस फैसले को सादगी और जनता के प्रति जवाबदेही के एक बड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

खुद से शुरुआत कर पेश की मिसाल

अपने इस बड़े फैसले पर बात करते हुए कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि देश इस समय चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ऐसे में देशहित से जुड़ी किसी भी पहल की शुरुआत हम जनप्रतिनिधियों को स्वयं से करनी चाहिए और समाज के सामने एक उदाहरण पेश करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस कदम से न केवल सरकारी और प्रशासनिक खर्चों में भारी कमी आएगी, बल्कि आम नागरिकों के बीच भी ईंधन संरक्षण (Fuel Conservation) और ऊर्जा बचत के प्रति एक सकारात्मक जागरूकता पैदा होगी।

जनता और प्रबुद्धजनों ने की सराहना

मंत्री वर्मा के इस फैसले की विभिन्न सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों और आम नागरिकों ने स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि राजनेताओं द्वारा फिजूलखर्ची रोकने और संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग करने की यह पहल वाकई प्रेरणादायी है, जो जमीन से जुड़े नेता की पहचान को और मजबूत करती है।

गृह ग्राम बायंग में श्रीरामनाम सप्ताह यज्ञ में शामिल हुए वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

- **'पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की'**

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी अपने गृह ग्राम बायंग में 17 मई से 24 मई तक आयोजित श्रीरामनाम सप्ताह यज्ञ में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि श्रीरामनाम सप्ताह जैसे धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों को आध्यात्मिक प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने आयोजन समिति और ग्रामवासियों को इस धार्मिक अनुष्ठान के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन, ग्रामवासी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। श्रीरामनाम सप्ताह यज्ञ के दौरान प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और प्रवचन का आयोजन किया जा रहा है।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ की प्रमुख विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

- **गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निर्माण कार्य सुनिश्चित करने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश**

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ शहर में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीन ड्राइव, नए बस स्टैंड, किसान राइस मिल परिसर में विकसित किए जा रहे ऑक्सीजोन तथा दूध डेयरी ऑक्सीजोन के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। चौधरी ने अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से रायगढ़ शहर को आधुनिक और सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी। मरीन ड्राइव शहरवासियों के लिए आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा, नया बस स्टैंड यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा, जबकि ऑक्सीजोन परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण के साथ नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराएंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। इसके लिए सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जा रही है ताकि जनता को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अमेरिका से भारत लाई जा रही दुर्लभ प्रतिमा'

'छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर 'अवलोकितेश्वर' कांस्य प्रतिमा फिर सजेगी प्रदेश के संग्रहालय में'

रायपुर। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी एक बड़ी और गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। रायपुर स्थित महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय से चोरी हुई भगवान अवलोकितेश्वर की दुर्लभ कांस्य प्रतिमा छत्तीसगढ़ लौटने की तैयारी में है। लगभग 19 करोड़ रुपये मूल्य की यह ऐतिहासिक प्रतिमा अमेरिका से भारत लाई जा रही है और राज्य सरकार इसे फिर से रायपुर स्थित संग्रहालय में स्थापित करने की दिशा में सक्रिय पहल कर रही है।

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर प्रतिमा को छत्तीसगढ़ वापस भेजने का आग्रह किया है। जानकारी के अनुसार प्रतिमा अभी भारत नहीं पहुंची है, लेकिन उसके भारत आगमन के बाद राज्य शासन उसे रायपुर लाने और पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाएगा। संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल प्रतिमा की रिसीविंग के लिए दिल्ली जाने की तैयारी में हैं।

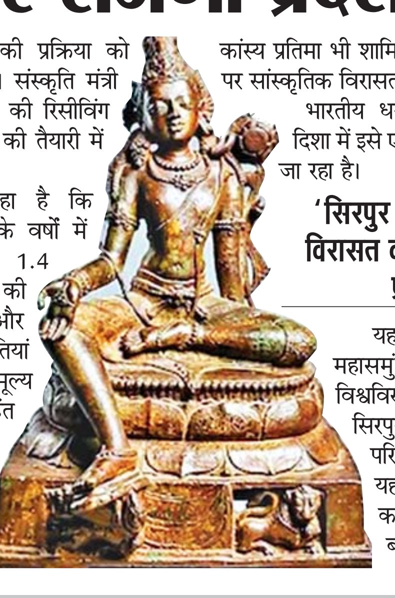

बताया जा रहा है कि अमेरिका ने हाल के वर्षों में भारत को करीब 1.4 करोड़ डॉलर मूल्य की 657 प्राचीन और ऐतिहासिक कलाकृतियां लौटाई हैं। इन्हीं बहुमूल्य धरोहरों में महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय से चोरी हुई 'अवलोकितेश्वर' की यह दुर्लभ कांस्य प्रतिमा भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और चोरी हुई भारतीय धरोहरों की वापसी की दिशा में इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

'सिरपुर की गौरवशाली विरासत की प्रतीक है यह प्रतिमा'

यह प्रतिमा वर्ष 1939 में महासमुंद जिले के विश्वविख्यात पुरातात्विक स्थल सिरपुर स्थित लक्ष्मण मंदिर परिसर के पास मिली थी। यह उस क्षेत्र में प्राप्त कांस्य प्रतिमाओं के एक बड़े भंडार का हिस्सा थी। बाद में इसे सुरक्षित संरक्षण के लिए रायपुर स्थित महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय में रखा गया था, लेकिन प्रतिमा चोरी हो गई और बाद में यह प्रतिमा अमेरिका पहुंच गई। इतिहासकारों के अनुसार प्रतिमा पर अंकित शिलालेख में 'द्रौणग्रिदत्त' नाम का उल्लेख मिलता है, जो प्राचीन श्रीपुर, वर्तमान सिरपुर, का निवासी था। इससे इस प्रतिमा का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

अवलोकितेश्वर की यह कांस्य प्रतिमा छत्तीसगढ़ की समृद्ध बौद्ध परंपरा, प्राचीन शिल्पकला और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत प्रतीक है। सिरपुर, जो प्राचीन काल में बौद्ध संस्कृति, स्थापत्य और कला का प्रमुख केंद्र रहा है, वहां से प्राप्त यह प्रतिमा प्रदेश की ऐतिहासिक समृद्धि का महत्वपूर्ण प्रमाण मानी जाती है।

अवैध रेत भंडारण और परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 1740 घनमीटर रेत जप्त

- **प्रशासन की सक्रियता से अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को मिल रहा कड़ा संदेश**

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कड़े निर्देशों के तहत प्रदेश में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। राज्य शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत विभागीय अमला दिन-रात सक्रिय रहकर अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कर रहा है। इसके लिए रात्रिकालीन गश्त, सघन निगरानी, औचक निरीक्षण और छापेमार कार्रवाई के साथ-साथ ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जा रहा है।

सचिव खनिज साधन विभाग तथा संचालक के निर्देशानुसार केंद्रीय खनि उड़नदस्ता एवं जिला स्तरीय संयुक्त टीम ने जिले के आरंग तहसील अंतर्गत ग्राम कागदेही में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान समोदा-कागदेही मार्ग तथा आर्या पेट्रोल पंप के दक्षिण दिशा में फॉरेस्ट नर्सरी के पास बिना वैध अनुमति के गौण खनिज साधारण रेत का अवैध भंडारण पाया गया। जांच में छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम 2009 के उल्लंघन की पुष्टि होने पर खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई करते हुए लगभग 1740 घनमीटर रेत जप्त की गई।

जप्त रेत को नगर पंचायत समोदा के पार्षद देवेंद्र कुमार साहू के सुपुर्द किया गया। वहीं सघन जांच के दौरान ग्राम समोदा के पास अवैध रेत परिवहन में संलग्न दो हाईवा वाहनों को भी जप्त कर आरंग थाना परिसर में खड़ा कराया गया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चखा बस्तर की इमली का स्वाद

बोले यहां की इमली का स्वाद खट्टा नहीं बल्कि मीठा

जनधारा समाचार

जगदलपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को बस्तर जिले के नेतानार ग्राम में सीआरपीएफ कैम्प पहुँचे। यहाँ उन्होंने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का उद्घाटन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इमली प्रसंस्करण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही स्व सहायता समूह की महिलाओं से जाना कि कैसे वे इमली बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखा और कहा कि यहां की इमली में बहुत मिठास है। समूह की श्रीमती लंबी नाग ने बताया कि इस समूह से जुड़कर वे सालाना एक लाख रु तक आय अर्जित कर सकेंगी।गुंडाधूर महिला स्व सहायता समूह में महिलाएं इमली का प्रसंस्करण करके उच्च गुणवत्ता युक्त इमली पल्प तैयार कर रही हैं। वे सेवा सेतु केंद्र पहुँचे। यहां वे ग्राम नेतानार निवासी श्रीमती सुखदेवी से मिले। सुखदेवी ने बताया कि उन्होंने अभी अपनी पांच माह की बेटी पद्मा का आधार कार्ड बनवाया है। आधार सेवा केंद्र खुलने से पहले उन्हें 10 किलोमीटर पैदल चलकर नानगुर तक जाना पड़ता था । अब यहां पर ग्रामीणों को नया आधार, आधार अपडेट, केवायसी, मोबाइल नम्बर अपडेट, ई-आधार जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी । सेवा सेतु केंद्र में श्रीमती सोनामनी ने बताया कि वे बहुत दिन महतारी वंदन योजना का ई के वाय सी कराना चाहती थीं लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वे जा नहीं पा रहीं थीं। गांव में ही केंद्र खुल जाने के कारण आज ही उन्होंने ई के वाय सी करा लिया है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण यहां पर विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन प्रमाण पत्र का लाभ ले सकेंगे। इस केंद्र में जन्म, आय , जाति आदि प्रमाण पत्र आसानी से एक ही जगह बनाये जा सकेंगे। इस केंद्र में महिलाओं को बैंक सखी का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बैंक सखी के माध्यम से महिलाएं गांव में ही पैसा जमा करना, पैसा निकालना, स्व सहायता समूह के लिए खाता खोलना, के वाय सी, बैंक खाते में मोबाईल नम्बर अपडेट, एसएचजी क्रेडिट लिंकेज जैसी सुविधाएं पा सकेंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही महिलाओं से भी मुलाकात की। यहाँ पर महिलाओं को बेसिक एवं एडवांस सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुविजय कुमारी ने बताया कि यहां से सिलाई सीखने के बाद वे अच्छे से अपने परिवार का पालन पोषण कर पाएंगी। गृह मंत्री अमित शाह ने धान डेकी प्रशिक्षण केंद्र में ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की। इसके माध्यम से चावल बिक्री से ग्रामीणों महिलाओं की आय वृद्धि तो होगी साथ ही निकलने वाली धान की भूसी से पशुओं को पौष्टिक आहार भी मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा , मुख्य सचिव विकासशील एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अमर वाटिका में शहीदों को दी श्रद्धांजलि, परिजनों से की आत्मीय मुलाकात

बस्तर की शांति, सुरक्षा और विकास के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को किया नमन

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जवानों के अदम्य साहस को किया नमन

जगदलपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान आज जगदलपुर स्थित अमर वाटिका पहुंचकर माओवाद के विरुद्ध संघर्ष में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले एक हजार से अधिक अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की धरती पर शांति, सुरक्षा और विकास स्थापित करने में हमारे जवानों का बलिदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों का त्याग कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकार बस्तर में स्थायी शांति स्थापित करने, विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और माओवाद के समूल उन्मूलन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीजापुर नक्सली हमले में शहीद हुए जवान कालेन्द्र प्रसाद नायक एवं पवन कुमार मंडावी के परिजनों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने परिवारजनों के बीच बैठकर उनका दुख साझा किया, ढांढस बंधाया तथा सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों के जवानों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साहस एवं समर्पण की सराहना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसमें सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर में बदलाव की नई बयार

जगदलपुर। बस्तर का वह सुदूर वनांचल, जहाँ कभी सन्नाटा और दहशत का पहरा हुआ करता था, आज खुशहाली की एक नई इबारत लिख रहा है। जिले के दरभा विकासखंड का कोलेंग क्षेत्र, जो दशकों तक माओवादी गतिविधियों के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, अब अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है। कभी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता यह इलाका अब सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से लैस होकर विकास की मुख्यधारा में मजबूती से कदम रख चुका है। जो ग्रामीण कभी बुनियादी सुविधाओं और शासकीय योजनाओं से पूरी तरह महरूम थे, वे अब सीधे शासन-प्रशासन के संपर्क में हैं और विकास में अपनी सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं। एक समय था जब बारिश के दिनों में कोलेंग और उसके आसपास के गाँव पूरी तरह टापू बन जाते थे और ग्रामीणों को आवागमन के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन आज यहाँ की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जगदलपुर से लेकर कोलेंग, चांदामेटा, छिंदगुर, काचीरास, सरगीपाल और कान्दानार जैसे दुर्गम गांवों तक बारहमासी पक्की सड़कों का जाल बिछ जाने से न केवल आवाजाही सुगम हुई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आपातकालीन सेवाएं भी अब ग्रामीणों की चौखट तक पहुँच चुकी हैं। कोलेंग के सरपंच लालूराम नाग इस बदलाव को ऐतिहासिक मानते हुए कहते हैं कि पहले यह क्षेत्र बाहरी दुनिया से पूरी तरह कटा हुआ था, लेकिन माओवाद की समस्या कम होने और शासन की सक्रियता से ग्रामीणों के जीवन स्तर में एक क्रांतिकारी सुधार आया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आत्मीय स्वागत

जगदलपुर। देश के गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को दो दिवसीय बस्तर प्रवास पर माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट जगदलपुर पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा भी साथ में पहुंचे। इस मौके पर सांसद बस्तर महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव और अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधियों के साथ ही राज्य शासन के वरिष्ठ उच्चाधिकारियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

लाल आतंक का अंत, ककनार घाटी के सुदूर गाँवों तक पहुँची 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा' की सौगात

जगदलपुर। बस्तर की जिन दुर्गम पहाड़ियों, संकरी पगडंडियों और चुनौतीपूर्ण रास्तों पर कभी बारूद की गंध और लाल आतंक का खौफ हुआ करता था, आज वहाँ विकास की एक ऐसी नई इबारत लिखी गई है जिसकी कल्पना कुछ साल पहले तक नामुमकिन मानी जाती थी। बस्तर की कठिन भौगोलिक विषमताओं और माओवाद के साये को पीछे छोड़ते हुए ककनार घाटी के नीचे बसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र आज विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह जुड़ चुके हैं। कभी वामपंथी आतंक का गढ़ माने जाने वाले कुधूर, धरमाबेड़ा, चंदेला, ककनार और पालम जैसे गाँवों के निवासियों के लिए पक्की सड़क का निर्माण एक ऐसा सपना था जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था, क्योंकि घाटी की दुर्गम ढलान ने विकास के हर रास्ते को अवरुद्ध कर रखा था। लेकिन आज उन्हीं संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों की मुस्तैदी और वामपंथी समस्या के कमजोर पड़ने से सड़कों का जाल बिछाना संभव हो पाया है, और इन चमचमाती सड़कों पर बस का दौड़ना बदलते बस्तर की सबसे सशक्त तस्वीर पेश कर रहा है। बस्तर जिले में विकास की इस रफ्तार को बढ़ाने के लिए बीते 04 अक्टूबर 2025 को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना' की शुरूआत की गई थी, जिसके तहत वर्तमान में जिले के चार चयनित मार्गों पर निरंतर बस सेवा का संचालन किया जा रहा है। इसी योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार रायपुर द्वारा स्वीकृत समय-सारणी के अनुसार यह बस प्रतिदिन कोण्डागांव जिले के मर्दापाल से अपनी यात्रा शुरू करती है और ककनार घाटी के नीचे बसे उन गाँवों को आपस में जोड़ती है जहाँ कभी पैदल चलना भी जोखिम भरा काम था। घाटी के इन दुर्गम अंचलों से होते हुए यह बस धरमाबेड़ा और ककनार जैसे पड़ावों को पार कर सीधे संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचती है, जिससे उन ग्रामीणों का सफर अब बेहद सुगम हो गया है जिन्होंने दशकों तक केवल सड़क और बस का इंतजार किया था। यह निरंतर बस सेवा केवल एक वाहन नहीं है, बल्कि शासन के प्रति ग्रामीणों के विश्वास और खुशहाली की एक अटूट कड़ी बन चुकी है। इस पक्की सड़क और नियमित बस सेवा ने न केवल परिवहन को आसान बनाया है, बल्कि ककनार घाटी के नीचे बसे ग्रामीणों के मन से बरसों पुराने अलगाव के डर को भी हमेशा के लिए खत्म कर दिया है। अब शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए ग्रामीणों को मीलों का सफर तय नहीं करना पड़ता। विकास की इस बदलती बयार को लेकर चंदेला के सरपंच तुलाराम नाग बताते हैं कि करीब दो साल पहले तक इस इलाके में माओवादी समस्या के कारण विकास पूरी तरह थम सा गया था, लेकिन आज सड़क बन जाने के साथ ही इसे एक नई दिशा मिल चुकी है। अब इस पूरे क्षेत्र में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं के साथ-साथ उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न एवं अन्य जरूरी सामग्रियां बेहद आसानी से सुलभ हो रही हैं, वहीं समीपस्थ ग्राम ककनार में लगने वाले साप्ताहिक बाजार की रौनक भी अब देखते ही बनती है। इसी तरह ककनार के सरपंच बलीराम बघेल भी अपनी खुशी साझा करते हुए कहते हैं कि पहले उन्हें अपने तहसील मुख्यालय लोहण्डीगुड़ा और जिला मुख्यालय तक जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस बारहमासी सड़क के बन जाने से आवागमन की बेहतरीन सुविधा मिल रही है। घाटी की ऊंचाइयों से उतरकर हर ग्रामीण के घर तक शासन की योजनाओं का संदेश पहुँचाने वाली यह बस सेवा इस बात का जीवंत प्रतीक है कि बस्तर का जो हिस्सा कभी अंधेरे में खोया हुआ माना जाता था, वह अब पूरी रफ्तार के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है।

पेट्रोल-डीजल संकट और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

- दुर्गुकोदल में पेट्रोल पंप के सामने हल्लाबोल, भाजपा सरकार पर लगाए जनविरोधी नीतियों के आरोप

कांकेर। पेट्रोल-डीजल की किल्लत और लगातार बढ़ती महंगाई के विरोध में दुर्गुकोदल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं युवा कांग्रेस ने सोमवार को स्थानीय पेट्रोल पंप के सामने धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आम जनता को हो रही परेशानियों को मुद्दा बनाया।

प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धनेश नरेटी और युवा कांग्रेस पदाधिकारियों ने किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की भारी कमी बनी हुई है, जिससे आम लोगों के साथ किसान, व्यापारी और वाहन चालक भी परेशान हैं।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनेश नरेटी ने कहा कि सरकार एक ओर ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर कई पेट्रोल पंपों में पेट्रोल-डीजल खत्म होने की स्थिति बनी हुई है। लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर हो गई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम जनता की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और खाद्य सामग्री के दाम लगातार बढ़े हैं। इससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का बजट बिगड़ गया है। नेताओं ने कहा कि सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान के बजाय ध्यान भटकाने की राजनीति कर रही है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की कि क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

दुर्गूकोंदल में भारतीय भाषा समर कैम्प शुरू

कांकेर। दुर्गूकोंदल के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में भारतीय भाषा संकुल स्तरीय समर कैम्प का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में भाजपा मंडल महामंत्री रामचंद्र कल्लो मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य अजय नेताम ने की।

कार्यक्रम में जनपद सभापति विकास राजू नायक, एसएमडीसी अध्यक्ष अशोक जैन, एबीईओ अंजनी मंडावी सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्य अजय नेताम ने समर कैम्प के उद्देश्य बताए। मुख्य अतिथि रामचंद्र कल्लो ने कहा कि भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति और पहचान की आधार हैं। जनपद सभापति विकास राजू नायक ने कहा कि समर कैम्प बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास बढ़ाने का माध्यम है।

समर कैम्प में बच्चों को ड्राइंग, नृत्य, गायन, अभिनय और कला गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। शिविर प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 10:30 बजे तक संचालित होगा। कार्यक्रम में शिक्षक, पालक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मछली पालन विभाग द्वारा मछुआरा समिति को वितरित किया गया मछली पकड़ने का जाल

जनधारा समाचार

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सुशासन तिहार 2026 के माध्यम से आम नागरिकों तक शासन की योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है। शासन की मंशानुसार गांव-गांव में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों के जरिए नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए जरूरतमंद हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

इसी क्रम में विकासखंड केशकाल अंतर्गत ग्राम अड़ेंगा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, आबकारी तथा श्रम विभाग मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद भोजराज नाग, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इसी कड़ी में मछली पालन विभाग, जिला कोण्डागांव द्वारा आदिवासी मछली पालन सहकारी समिति मर्यादित निराछिंदली, विकासखंड केशकाल के सदस्य कृष्णा नाग को मछली पकड़ने हेतु आधुनिक मछली जाल वितरित किया गया। इस सहायता से समिति के सदस्यों को मत्स्य पालन कार्य में सुविधा मिलने के साथ-साथ उनकी आजीविका को भी मजबूती मिलेगी।

दुर्गूकोंदल में जनगणना कार्य ने पकड़ी रफ्तार

कांकेर। ग्रामीण क्षेत्र में जनगणना कार्य अब तेज गति से आगे बढ़ रहा है। नवपदस्थ तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी सुरेंद्र कुमार उर्वशा ने पदभार संभालते ही जनगणना कार्यों की समीक्षा शुरू कर दी है। सोमवार सुबह तहसील कार्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने सुपरवाइजरों से अब तक की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में बताया गया कि दुर्गूकोंदल ग्रामीण क्षेत्र के कुल 154 गणना ब्लॉकों में से 130 ब्लॉकों का कार्य पूरा किया जा चुका है, जबकि शेष 24 ब्लॉकों में कार्य जारी है। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि बचा हुआ कार्य भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

चार्ज अधिकारी सुरेंद्र कुमार उर्वशा ने कहा कि जनगणना शासन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी सुपरवाइजरों को फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में विशेष रूप से नजरी नक्शों को सही प्रारूप में तैयार करने और समय पर जमा करने पर जोर दिया गया।

आज की जनधारा रायपुर द्वारा प्रकाशित 'हमारा विरसा हमारी विरासत' का विमोचन जगदलपुर के साहित्यकारों द्वारा

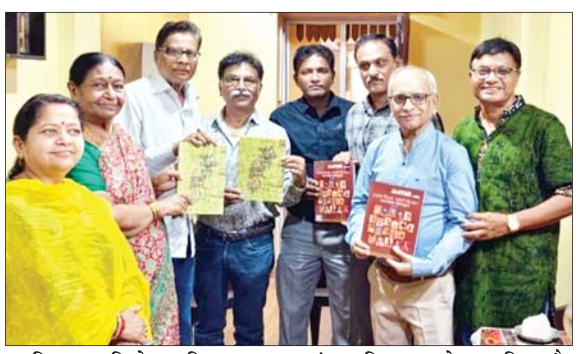

जगदलपुर। आज की जनधारा रायपुर द्वारा प्रकाशित हमारा विरसा हमारी विरासत (छत्तीसगढ़ के अमर बलिदानी और और स्वतंत्रता सेनानी) खंड 1 और 2 स्मारिका 2026 का विमोचन 17मई को शाम 5.30बजे जनधारा कार्यालय में जगदलपुर के वरिष्ठ साहित्यकारों के हाथों सम्पन्न हुआ। विमोचन के पूर्व आज की जनधारा जगदलपुर के स्थानीय संपादक विजय सिंह ने हमारा विरसा हमारी विरासत स्मारिका के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। तत्पश्चात जगदलपुर के रचनाकार हिमांशु शेखर झा, शरदचंद्र गौड़, अनीता राज, सरिता सिंह,नरेंद्र पाढ़ी,विनय श्रीवास्तव, डा प्रकाश मूर्ति, विजय सिंह के द्वारा हमारा विरसा हमारी विरासत स्मारिका का विमोचन किया गया। विमोचन के पश्चात नगर के वरिष्ठ रचनाकार शरद चंद्र गौड़ ने विमोचित दोनों किताबों के बारे में अपने विचार रखें। उन्होंने कहा यह महत्वपूर्ण काम है इसमें शामिल विभूतियां के काम से सभी परिचित होंगे खासकर नई पीढ़ी। जो हमारी परंपरा विरासत से अनभिज्ञ है। बहुत फायदा होगा यह किताब सब दूर पहुंचनी चाहिए। उन्होंने इस महत्वपूर्ण काम के लिए जनधारा संपादक मंडल को बधाई दी। हमारा विरसा हमारी विरासत पर बोलते हुए नगर के वरिष्ठ रचनाकार कवि हिमांशु शेखर झा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा को इस तरह से आगे लाना सचमुच महत्वपूर्ण है।

इस स्मारिका में ज्ञात अज्ञात लोगों के महत्वपूर्ण काम समाज-सुधार,संत परंपरा के साथ छत्तीसगढ़ के अमर बलिदानी और स्वतंत्रता सेनानियों पर शोध पूर्ण ढंग से प्रकाश डालना अपने जड़ों से जुड़ना है। इसके लिए उन्होंने जनधारा के प्रधान संपादक और उनकी टीम को बधाई दी। इस महत्वपूर्ण गोष्ठी में नरेंद्र पाढ़ी, अनीता राज, विनय कुमार श्रीवास्तव, डॉ प्रकाश मूर्ति मैं भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम के अंत में कवयित्री सरिता सिंह के द्वारा आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

डीजल रिजर्व आदेश पर उठे सवाल

सरकार की मंशा पर कांग्रेस ने जताई चिंता

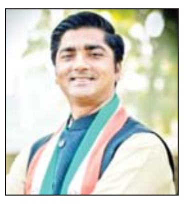

भानुप्रतापपुर। प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर भाजपा सरकार के दावों के बीच कलेक्टर कार्यालय द्वारा पेट्रोल पंप संचालकों को 5000 लीटर डीजल रिजर्व रखने के निर्देश जारी किए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इस आदेश को लेकर सरकार की तैयारियों और वास्तविक स्थिति पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

भानुप्रतापपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील पाढ़ी ने बयान जारी कर कहा कि यदि प्रदेश में ईंधन की कोई कमी नहीं है, तो रिजर्व स्टॉक रखने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या यह व्यवस्था किसी वीआईपी दौरे को ध्यान में रखकर की गई है या फिर प्रशासन को सप्लाई प्रभावित होने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे के बीच जारी इस आदेश ने लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ सरकार लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रही है, वहीं दूसरी ओर ऐसे आदेश जारी कर खुद भ्रम और असमंजस की स्थिति पैदा कर रही है।

सुनील पाढ़ी ने कहा कि प्रशासन की ओर से अब तक इस आदेश के पीछे की स्पष्ट वजह सार्वजनिक नहीं की गई है, जिससे आम लोगों के बीच ईंधन आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ रही है।

तेज आंधी और बारिश से उजड़ा गरीब का आशियाना

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे मकान की छत उड़ी, हितग्राही ने प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

जनधारा समाचार

नारायणपुर। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के दूरस्थ गारपा गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बन रहे एक मकान को पिछले सप्ताह आई तेज आंधी और बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया। अचानक बदले मौसम और तेज हवाओं के कारण निर्माणाधीन मकान की सीमेंट सीट की छत उड़ गई, जिससे गरीब हितग्राही हड़वे राम को लगभग 50 हजार रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। इस घटना के बाद उसका मकान अधूरा रह गया है और अब उसे अपने सपनों का घर पूरा करने की चिंता सताने लगी है।

पक्के मकान का सपना अधूरा

हड़वे राम लंबे समय से अपने परिवार के लिए एक पक्का मकान बनाने का सपना देख रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति मिलने के बाद उन्होंने बड़ी उम्मीदों के साथ मकान निर्माण कार्य शुरू कराया था। गांव के मजदूरों और सीमित संसाधनों के सहारे धीरे-धीरे मकान तैयार हो रहा था। परिवार भी इस बात से खुश था कि अब उन्हें बारिश और गर्मी के मौसम में कच्चे घर की परेशानियों से राहत मिल जाएगी। लेकिन पिछले सप्ताह आई तेज आंधी और झमाझम बारिश ने उनकी मेहनत और उम्मीदों को बड़ा झटका दे दिया।

तेज हवाओं में उड़ गई छत

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में अचानक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश शुरू हुई। आंधी इतनी तेज थी कि निर्माणाधीन मकान की सीमेंट सीट की छत उड़ गई। छत के साथ निर्माण सामग्री को भी नुकसान पहुंचा है। हड़वे राम ने बताया कि मकान निर्माण में उन्होंने अपनी जमा पूंजी भी लगा दी थी। अब दोबारा छत बनवाना उनके लिए आसान नहीं है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार चिंता में डूबा हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मदद की अपील करते हुए कहा कि यदि शासन से आर्थिक सहायता मिल जाए तो उनका अधूरा मकान फिर से तैयार हो सकता है।

सरपंच ने भी की मदद की मांग

गांव के सरपंच सन्नू राम ने भी घटना की पुष्टि करते हुए प्रशासन से तत्काल सहायता देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह आई तेज आंधी में हड़वे राम के प्रधानमंत्री आवास की छत उड़ गई, जिससे उसे भारी नुकसान हुआ है। सरपंच ने बताया कि गरीब परिवार होने के कारण हड़वे राम के लिए दोबारा निर्माण कार्य कराना बेहद मुश्किल है। ऐसे में शासन-प्रशासन को संवेदनशीलता दिखाते हुए नुकसान का आकलन कर राहत राशि उपलब्ध करानी चाहिए ताकि हितग्राही का मकान जल्द पूरा हो सके।

प्रशासन से राहत की उम्मीद

अबूझमाड़ जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए पक्का मकान किसी बड़े सपने से कम नहीं होता। यहां अधिकांश परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और सरकारी योजनाओं के सहारे ही अपने जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन समय रहते मदद करता है तो हड़वे राम का अधूरा मकान फिर से तैयार हो सकेगा और उसका परिवार सुरक्षित जीवन जी पाएगा। फिलहाल पीड़ित परिवार प्रशासन की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है।

जिले के सुदूर गांवों तक पक्की सड़कों का होगा विस्तार

माओवाद से मुक्ति के बाद कोंडागांव में विकास को मिल रही नई रफ्तार

कोण्डागांव। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की संयुक्त नीति से बस्तर संभाग में माओवाद मुक्त होने के बाद अब विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। वर्षों तक दहशत और असुरक्षा के कारण जहां बुनियादी सुविधाओं का विस्तार बाधित रहा, वहीं अब दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों तक सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। केन्द्र और राज्य शासन द्वारा बस्तर संभाग के सभी जिलों में विशेष प्राथमिकता के साथ विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है।

इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कोण्डागांव जिले के दूरस्थ गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का कार्य तेजी से जारी है। जिसमें विशेष रूप से केशकाल और मर्दापाल क्षेत्र के वे गांव शामिल है, जहां कभी माओवादी गतिविधियों के कारण शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्य की पहुँच नही थी, अब वहाँ निर्माण गतिविधियों से विकास के द्वार खुल रहे हैं। जिले के दुरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने तथा गांवों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत लगभग 103.60 किलोमीटर की 29 महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिसकी कुल लागत 78 करोड़ 24 लाख रुपए है। इसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना परियोजना क्रियान्वयन इकाई कोण्डागांव अंतर्गत 19 सड़क कुल लंबाई 68.37 कि.मी. कुल लागत 50 करोड़ 27 लाख रूपये है।

कार्यपालन अभियंता, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से प्राप्त जानकारी के अनुसार केशकाल क्षेत्र में पीएमजीएसवाई-4 वर्ष 2025-26 अंतर्गत स्वीकृत 11 सड़कों की कुल लंबाई 39.23 किलोमीटर है। इनमें बावनमारी से बेडमामारी मार्ग, बटराली होनहेड़ आरडी से उपरचंदेली, होनहेड़ से घोडाझर, बिंझे से चिखलाडीही, कलेपाल से पराली, तोडासी से गादड़, रावबेड़ा से गिरगोली, कुवेमारी से भण्डारपाल, कुएंमारी से कुदारवाही तथा भण्डारपाल से मडगांव तक के सड़क मार्ग के अलावा फरसगांव क्षेत्र के पतोड़ा से कुम्हारपारा लंबाई 04 किलोमीटर शामिल हैं।

चारामा में चुनावी सरगर्मी तेज

वार्ड 13 के उपचुनाव हेतु भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी ने दलबल के साथ किया नामांकन

त्रिकोणीय मुकाबले से रोचक हुआ चुनाव

जनधारा समाचार

चारामा। नगर पंचायत चारामा के वार्ड क्रमांक 13 में पार्षद पद हेतु होने वाले उपचुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन सोमवार को सियासी पारा चरम पर रहा। भाजपा, कांग्रेस सहित एक निर्दलीय प्रत्याशी ने अपने-अपने समर्थकों के हुजूम के साथ गाजे-बाजे और डीजे की धुन पर भव्य रैली निकाली। दोपहर 3:00 बजे तक नामांकन कार्यालय पहुंचकर प्रत्याशियों ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

भाजपा प्रत्याशी अनूप सोनकर के समर्थन में कार्यकर्ताओं ने नगर के रंगमंच से पार्टी का झंडा थामे जोरदार रैली निकाली। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी मोहित नायक ने भी भारी लाव-लश्कर के साथ अपना पर्चा भरा। दोनों ही प्रमुख दलों के दिग्गज नेताओं ने रैली में शामिल होकर अपनी-अपनी जीत का दावा किया।

निर्दलीय प्रत्याशी ने बिगाड़ा समीकरण, दोनों खेमों में बढ़ी चिंता: इस उपचुनाव में सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब वार्ड के ही होनहार और सक्रिय युवा नारंतक सिन्हा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन दाखिल कर दिया। नारंतक सिन्हा लगातार वार्ड की समस्याओं को लेकर जनता के बीच बने रहते हैं और हर सुख-दुख में लोगों के साथ खड़े रहते हैं। उनके चुनावी मैदान में उतरने से भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रत्याशियों के चेहरों पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा रही हैं। स्थानीय राजनीतिक पंडितों का मानना है कि नारंतक सिन्हा की जमीनी पकड़ के कारण इस बार दोनों ही प्रमुख पार्टियों के जीत का समीकरण पूरी तरह बिगड़ सकता है और मुकाबला बेहद त्रिकोणीय व दिलचस्प हो गया है।

रैली में उमड़ा दिग्गजों का हुजूम: कांग्रेस खेमे से ये रहे शामिलः कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी, जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के अध्यक्ष बसंत यादव,कौशल्या शोरी ब्लॉक प्रभारी कांग्रेस,गौ सेवा आयोग छत्तीसगढ़ के पूर्व सदस्य नरेन्द्र यादव, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हिरवेन्द्र साहू, रानू कामलेश सेन, देवेन्द्र सोनी, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भाजपा खेमे से ये रहे मौजूद: भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में पार्टी के शीर्ष नेता आलोक ठाकुर, मंडल प्रभारी राजा देवनानी, मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, नंद कुमार ओझा, हेमेंद्र बंटी ठाकुर, संतोष नाहर, खुशी जोतवानी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अंजू सोनकर और पार्षद संतोष ओझा प्रियेश सेन, रूपेश देवांगन, करण सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए।

जानिए क्या है आगामी चुनावी कार्यक्रम: 18 मई को नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 19 मई को जमा किए गए नामांकन पत्रों और दस्तावेजों की स्क्रूटनी (जांच) की जाएगी।

बस्तर में सड़कों और पुलों के काम में आएगी तेजी

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने अधिकारियों व ठेकेदारों की ली बैठक

कोंडागांव। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज कोंडागांव में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक लेकर बीजापुर, दंतेवाड़ा और कोंडागांव में सड़कों और पुलों के निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन कार्यों में तेजी लाते हुए दी गई समय-सीमा में काम पूरा करने को कहा। उन्होंने बरसात में सड़क संपर्क से कट जाने वाले गांवों के लिए बारहमासी सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए प्राथमिकता से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिए। कोंडागांव की कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना, वन मंडलाधिकारी श्रीमती दिव्या गौतम, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, मुख्य अभियंता भी एम.एल. उरांव और ज्ञानेश्वर कश्यप तथा अधीक्षण अभियंता संजय सूर्यवंशी सहित तीनों जिलों के कार्यपालन अभियंता, अनुविभागीय अधिकारी और उप अभियंता भी बैठक में मौजूद थे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने तीनों जिलों के विभागीय अधिकारियों को किसी भी ठेकेदार का भुगतान लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर हर महीने भुगतान करने को कहा। श्री बंसल ने ठेकेदारों से कार्यस्थलों पर आ रही समस्याओं की जानकारी अधिकारियों से साझा करने को कहा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इन समस्याओं का त्वरित समाधान कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश ठेकेदारों को दिए।

विभागीय सचिव ने बैठक में लोगों की जरूरतों और उपयोगिता के आधार पर नई सड़कों और पुलों के निर्माण के प्रस्ताव प्राथमिकता से भेजने के निर्देश दिए। बस्तर के नक्सलमुक्त होने के बाद दूरस्थ और पहुंच विहीन गांवों में सड़कों व पुल-पुलियों के निर्माण तेजी से होने चाहिए। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के बजट में शामिल द्रुतगामी सड़कों के निर्माण के लिए 15 अगस्त तक इस्टीमेट भेजने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सभी अधिकारियों को भवन, सड़क एवं पुल के कार्यों और उनकी प्रगति की पूरी जानकारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए भवनों में अच्छी गुणवत्ता के खिड़की, दरवाजे, टाइल्स, सेनेटरी, नल और पेंट्स का उपयोग करने को कहा। उन्होंने केशकाल घाटी बायपास सड़क के कार्यों में तेजी लाने वन मंडलाधिकारी को जल्द से जल्द पेड़ों की कटाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बंसल ने काम में ढिलाई बरतने वाले तथा गुणवत्ताहीन काम करने वाले ठेकेदारों के प्रति सख्ती करने को कहा। उन्होंने ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने, डिग्रेड करने तथा टर्मिनेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने मुख्यालयों में रहने, फील्ड का नियमित दौरा कर कार्यों का बारीकी से निरीक्षण करने तथा न्यायालयीन प्रकरणों में समय पर शासन का जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए।

दिव्यांग बुद्ध सिंह को मिला मोटराइज्ड ट्रायसायकल

जनधारा समाचार

कोण्डागांव। शासन के मंशानुरूप दिव्यांगजनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार राहत पहुंचाई जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर जिला कार्यालय में ग्राम पंचायत बड़े राजपुर निवासी बुध सिंह सेठिया को मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदान किया गया। यह ट्रायसायकल समाज कल्याण विभाग, कोण्डागांव के माध्यम प्रदान की गई।

श्री सेठिया ने बताया कि बीमारी के कारण उनके दोनों पैर से दिव्यांग हो गए हैं। जिसके कारण उन्हें आवागमन नहीं कर पाता था। मोटराइज्ड ट्रायसायकल मिलने से अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों एवं आवश्यक गतिविधियों के लिए आने-जाने में सहूलियत होगी। ट्रायसायकल प्रदान करने के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

विधायक ने केंद्र पर साधा निशाना

जानधारा समाचार

चारामा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के आह्वान पर पूरे प्रदेश में केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और कमरतोड़ महंगाई के खिलाफ चार-दिवसीय चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत हो चुकी है। इसी कड़ी में आज प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चारामा द्वारा स्थानीय पेट्रोल पंपों पर जाकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

कच्चे तेल के आंकड़ों के साथ विधायक सावित्री मंडावी का बड़ा हमला

आंदोलन का नेतृत्व कर रही क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने केंद्र की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतों का पूरा गणित सामने रखा। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को जनता की जेब पर डाका बताते हुए कहा कि एक समय था जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें 140 से 148 प्रति बैरल के ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने अपनी जनता पर बोझ नहीं बढ़ने दिया और देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत 55 से 60 रुपये प्रति लीटर के आसपास बनाए रखी। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत भी तब 55 रुपये के आसपास थी।

विधायक मंडावी ने भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए आगे कहा कि आज भाजपा राज में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 के आसपास है, तब देश में पेट्रोल-डीजल 100 रुपये के पार बिक रहा है। हद तो तब हो गई जब बीच के वर्षों में क्रूड ऑयल की कीमत गिरकर 50 प्रति बैरल से भी कम हो गई थी, लेकिन उस मंदी के दौर में भी केंद्र सरकार ने आम जनता को कोई राहत नहीं दी और न ही पेट्रोल की कीमतें कम कीं।

निजी पेट्रोलियम कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप: श्रीमती मंडावी ने केंद्र सरकार और निजी कंपनियों की साठगांठ का पर्दाफाश करते हुए कहा कि कच्चे तेल के दाम कम होने का पूरा फायदा भारत सरकार अपनी चहेती प्राइवेट पेट्रोलियम कंपनियों की झोली भरने के लिए देती रही। और आज जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम थोड़े भी बढ़ते हैं, तो उसका पूरा बोझ तुरंत आम जनता पर डाल दिया जाता है। सीधे तौर पर पेट्रोल के दाम बढ़ाकर केवल और केवल पेट्रोलियम कंपनियों को बेतहाशा मुनाफा और लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी जनता महंगाई और बेरोजगारी जैसे बुनियादी मुद्दों पर जवाब मांगती है।

ग्राम कानापोड़ में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बढ़ाया हौसला

चारामा। ग्राम कानापोड़ विकास समिति एवं शक्ति किसान कल्याण समिति के तत्वावधान में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम श्रेणी और छत्तीसगढ़ की टॉप-टेन सूची में स्थान बनाने वाली होनहार छात्रा कु. माहेश्वरी कोर्राम सहित अन्य प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए ग्राम स्तर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र पर पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन कर की गई।

मेधावी छात्रों को मिले गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र: आयोजक समिति द्वारा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मान स्वरूप गोल्ड मेडल, शील्ड, प्रशस्ति पत्र, पेन और डायरी प्रदान की गई।

कक्षा 12वीं (विंडो) के उत्कृष्ट छात्रः कु. माहेश्वरी कोर्रामः 96.40फीसदी (कॉमर्स ग्रुप - शाला में प्रथम एवं छत्तीसगढ़ टॉप-टेन) कुशाल दुबेः 86फीसदी (प्रथम) शाहिल यादवः 77फीसदी (आर्ट्स) गेंदलाल साहूः 75फीसदी कक्षा 10वीं के उत्कृष्ट छात्रः कु. तेजस्वी दुबेः 94फीसदी (प्रथम) कु. रूपाली साहूः 77.66फीसदी कु. नव्या साहूः 76फीसदी। इन सभी छात्र-छात्राओं ने अपनी कड़ी मेहनत से शाला, ग्राम और अपने माता-पिता का नाम पूरे क्षेत्र में रोशन किया है।

जनपद सदस्य समीर कुरैशी ने की 1000-1000 की प्रोत्साहन राशि की घोषणा: समारोह में पहुंचे अतिथियों ने बच्चों के मंगलमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य समीर कुरैशी ने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से 1000-1000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

बड़े भाई ने देहदान कर की देश की सेवा

छोटे भाई ने 17 वर्ष भारतीय सेना में रहकर की देश की सेवा

जनधारा समाचार

चारामा। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहने वाले ग्राम गोलकुम्हड़ा निवासी ओमप्रकाश साहू ने मानवता और देश हित में एक अनुकरणीय और ऐतिहासिक फैसला लिया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश संगठन सचिव ओमप्रकाश साहू ने शासकीय जिला चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) कांकेर पहुंचकर सपरिवार देहदान (अंगदान) की घोषणा की और इससे संबंधित सभी वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कीं। उनके इस बड़े कदम से समाज में देहदान के प्रति एक नई जागरूकता का संचार हुआ है।

मेरे जाने के बाद भी किसी के जीवन में खुशहाली आए, इससे बड़ा सौभाग्य क्या होगा— ओमप्रकाश साहूः इस पुनीत कार्य को पूरा करने के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए ओमप्रकाश साहू ने भावुक और प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने समाज से अपील करते हुए कहा कि आज मेडिकल कॉलेज में देहदान का संकल्प पत्र भरकर मुझे आत्मिक शांति और बेहद खुशी हो रही है। दुनिया में कई ऐसे लोग हैं जो किसी न किसी अंग की कमी के कारण कष्टमय जीवन जीने को मजबूर हैं। अगर हमारे जाने के बाद हमारे शरीर का कोई भी अंग किसी जरूरतमंद के काम आ जाए और उसके जीवन में खुशहाली ला सके, तो एक इंसान के रूप में हमारा जीवन धन्य हो जाएगा। मैं समस्त आम जनमानस और समाज के लोगों से अपील करना चाहूंगा कि वे भी देहदान और अंगदान के लिए आगे आएं, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को चिकित्सा अनुसंधान में मदद मिले और अनगिनत लोगों को नया जीवन मिल सके।

परिवार की मौजूदगी में पूरी हुई प्रक्रिया, छोटे भाई पूर्व सैनिक रवि साहू बने गवाहः देहदान की इस प्रक्रिया के दौरान ओमप्रकाश साहू के साथ उनकी पत्नी श्रीमती ज्योति साहू, सुपुत्र प्रवीण साहू और सुपुत्री जानवी साहू उपस्थित रहे। इस दौरान उनके छोटे भाई और भारतीय थल सेना में 17 वर्षों तक देश की सेवा करने वाले पूर्व सैनिक व पूर्व जिला अध्यक्ष (सैनिक संगठन कांकेर) रवि कुमार साहू भी मौजूद रहे।

सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर गवाह बनने के बाद गर्व महसूस करते हुए पूर्व सैनिक रवि साहू ने कहाः आज के समय में देहदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। मेरे बड़े भाई ने समाज और देश हित में यह बहुत बड़ा फैसला लिया है। एक भाई होने के नाते मुझे गर्व है कि हमारे परिवार में एक तरफ जहां सैनिक के रूप में देश सेवा का संघर्ष है, वहीं दूसरी तरफ समाज हित में देह का संपूर्ण समर्पण है। भैया के इस फैसले से भविष्य में कई डॉक्टर रिसर्च कर चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और अनगिनत लोगों की जिंदगी अंधेरे से उजाले की ओर तब्दील होगी।

चिकित्सा अनुसंधान और जीवन बचाने में मददगार होगा फैसलाः डॉक्टरों के अनुसार, देहदान के माध्यम से प्राप्त शरीर और अंग (जैसे आंखें, किडनी, लिवर आदि) भविष्य में जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन देने के काम आते हैं। साथ ही, मेडिकल कॉलेज के छात्र इन पर रिसर्च करके चिकित्सा विज्ञान की बारीकियां सीखते हैं, जिससे देश को बेहतर और कुशल डॉक्टर मिलते हैं। ओमप्रकाश साहू का यह समर्पण सीधे तौर पर देश के चिकित्सा क्षेत्र और मानव कल्याण को समर्पित है।

भाजपा प्रत्याशी मनोहर दत्त तिवारी ने गाजे-बाजे के साथ विशाल रैली निकाल भरा नामांकन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव विशेष रूप रूप से नामांकन रैली में हुये शामिल

जगदलपुर। शहर के इंदिरा वार्ड में होने जा रहे पार्षद पद उपचुनाव में आज सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मनोहर दत्त तिवारी ने जोरदार गाजे-बाजे के साथ सैकड़ों समर्थकों व भाजपा पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं के संग विशाल रैली निकाल कलेक्ट्रेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन रैली में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव भी विशेष रूप से शामिल थे।

आज नामांकन पत्र दाखिले के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशी मनोहर दत्त तिवारी ने कलेक्ट्रेट में निर्वाचन अधिकारी सीपी बघेल के समक्ष अपना दो नामांकन जमा किया। जिसमें प्रस्तावक महेन्द्र कुमार सोनी व राजकुमार तिवारी है। भाजपा की विशाल नामांकन रैली महावीर भवन के समक्ष से आरंभ होकर इंदिरा वार्ड का भ्रमण करते हुये मुख्य मार्गों से होकर कलेक्ट्रेट पहुंची। नामांकन दाखिले के पूर्व भाजपा प्रत्याशी मनोहर दत्त तिवारी ने मांईजी श्री दंतेश्वरी मंदिर में शीश नवां कर पूजा अर्चना की व विजयी होने का आशीर्वाद पाया। भाजपा प्रत्याशी श्री तिवारी ने कहा कि इंदिरा वार्ड का योजनाबद्ध बेहतर विकास हो और वार्ड वासियों की प्रत्येक छोटी-बड़ी समस्याओं का अविलंब निदान हो सके, यह सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। श्री तिवारी ने इंदिरा वार्ड के सभी सम्माननीय निवासियों का विजयी आशीर्वाद उन्हें मिलने का भरोसा जताया और भाजपा संगठन के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में 10 दिवसीय तकनीकी उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ

विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, ड्रोन एवं एआई की दी जा रही जानकारी

बलौदाबाजार। जिला प्रशासन के तत्वाधान एवं जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखंडों में 10 दिवसीय तकनीकी उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अभिनव कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों जैसे रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से परिचित कराया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी कौशल एवं नवाचार की भावना विकसित करना है।

यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम जिले के विभिन्न विकासखंडों के चयनित विद्यालयों में 16 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के लिए चयनित विद्यालयों में

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नयापारा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, गुड़ेलिया, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोटियाडीह तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भटभेरा शामिल हैं।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस जिलेभर से लगभग 400 विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता दर्ज की गई। विद्यार्थियों में आधुनिक तकनीकों को सीखने एवं समझने के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को ड्रोन संचालन, रोबोटिक्स मॉडल निर्माण, 3डी प्रिंटिंग की प्रक्रिया, बेसिक कोडिंग एवं ढ्व आधारित तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है।

इस अवसर पर कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान समय तकनीक एवं नवाचार का युग है। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से पूरे मनोयोग एवं लगन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा सीखने की प्रक्रिया को निरंतर बनाए रखने का आह्वान किया।

इसके पश्चात जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं रोजगार के नए अवसरों के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय ने अपने संबोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं तकनीकी शिक्षा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से परिचित कराने के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता एवं नवाचार की सोच विकसित करेगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने तथा सीखने की निरंतरता बनाए रखने का आग्रह किया। सहायक संचालक परियोजना के.एस. मरावी ने अपने वक्तव्य में कहा कि रोबोटिक्स, ढ्व एवं ड्रोन जैसी तकनीकें आने वाले समय में शिक्षा, कृषि, चिकित्सा एवं उद्योग सहित प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीक के सकारात्मक उपयोग एवं नवाचार की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

इसके बाद नरेंद्र वर्मा ,जिला मिशन समन्वयक, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा ने कहा कि यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यवहारिक ज्ञान एवं तकनीकी दक्षता भी विकसित करनी चाहिए। कार्यक्रम में जिला विज्ञान क्लब अध्यक्ष

कौशिक मुनि त्रिपाठी ने ड्रोन तकनीक, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि ढ्व एवं रोबोटिक्स भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में शामिल हैं तथा आने वाले समय में इनका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा एवं औद्योगिक क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों को सीखकर आत्मनिर्भर बनने तथा नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु प्रत्येक विकासखंड में दो-दो प्रशिक्षकों (ट्रेनर्स) की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही विज्ञान गतिविधियों के सुचारु संचालन एवं विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए प्रत्येक विकासखंड में जिला विज्ञान क्लब के दो-दो सदस्यों की भी ड्यूटी लगाई गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके विज्ञान शिक्षक भी सक्रिय रूप से सम्मिलित हो रहे हैं, जिससे विद्यार्थियों को सतत मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त हो सके।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न तकनीकी मॉडल, ड्रोन प्रदर्शन एवं कोडिंग आधारित गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की जा रही है। कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इस पहल को विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण एवं तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एसपी कार्यालय में विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल, प्रदेश मीडिया प्रभारी संतोष वेद एवं सांसद विजय बघेल के मार्गदर्शन में प्रदेश कार्य समिति सदस्य अरुण बेरी तथा रूद्र सेवा समिति की रूद्र सेना द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से दुर्ग एसपी कार्यालय में विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में हाल ही में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित एवं मार्गदर्शित किया गया। इस अवसर पर दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें आईएएस, आईपीएस सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के लिए एकाग्रता, अनुशासन और निरंतर मेहनत को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों ने एसपी द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को प्रेरणादायी बताते हुए भविष्य में उसे अपनाने की बात कही। आयोजकों ने पुलिस विभाग, एसपी विजय अग्रवाल, एडिशनल एसपी सुखनंदन राठौर एवं पूरे पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश कार्य समिति सदस्य अरुण बेरी, राजेश गुप्ता, विष्णु मिश्रा, रजनीकांत पांडे सहित रूद्र सेवा समिति की ओर से प्रशांत क्षीरसागर, ज्ञानेंद्र पांडे, विनय भेलोटकर, राजेश बजाज, विमलेश पांडे, रश्मि सागर, पिंकी सिन्हा आदि उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय निशुल्क योग शिविर 20 से

भिलाई। अंचल वासियों के उत्तम स्वास्थ्य और सुखद जीवन को समर्पित पतंजलि योग समिति, जिला-दुर्ग के तत्वावधान में पांच दिवसीय निःशुल्क योग शिविर 20 मई से 24 मई तक महर्षि दयानंद स्कूल प्रांगण, कुरूद रोड, कोहका, भिलाई में किया जा रहा है। योगः कर्मसु कौशलम् के ध्येय वाक्य के साथ रोजाना सुबह 5:30 से 7:00 बजे तक आयोजित यह शिविर आमजन को मानसिक शांति और शारीरिक आरोग्य प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया रहा है। इस शिविर में अनुभवी योग शिक्षकों द्वारा विशेष मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिसमें प्राणायाम और योगाभ्यास बीमारियों से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि के लिए, मानसिक स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए तनाव मुक्ति और मानसिक शांति के सरल एवं प्रभावी उपाय और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के अंतर्गत अनुभवी योग प्रशिक्षकों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श और सही तकनीक का प्रदर्शन होगा।

पतंजलि योग समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे सपरिवार इस शिविर में सम्मिलित होकर योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। स्वस्थ रहें, मस्त रहें के संकल्प के साथ इस आयोजन में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी नरेंद्र पटेल, योग शिक्षक द्वय तिजऊ राम साहू और अनामिका पुरी से संपर्क किया जा सकता है।

आयुक्त ने रिटर्निंग वॉल एवं अवैध अतिक्रमण का निरीक्षण किया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र में चल रहे नाला रिटर्निंग वॉल एवं अवैध अतिक्रमण की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा अवैध अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त जोन टीम के साथ साइकिल से प्रातः मॉडल टाऊन विनोबा नगर एवं जुनवानी स्थित एमजे कॉलेज के बगल में चल रहे नाला रिटर्निंग वॉल कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान अधिक वर्षा होने पर क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए नाले का वॉल निर्माण कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान एमजे कॉलेज के सामने प्रधानमंत्री आवास के पास अवैध अतिक्रमण कर बाउंड्रीवाल निर्माण एवं गेट लगाए जाने का मामला सामने आया। नाला का सीमांकन करवाने पश्चात् कार्य करने कहा गया है । अतिक्रमण पर निगम आयुक्त ने सख्ती दिखाते हुये तत्काल कार्रवाई करने कहा है। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर, स्वच्छता निरीक्षक अंकित सक्सेना, क्रिस्टोफर सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोबाइल फोन को लेकर विवाद, मां पर हंसिये से हमला

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र की कुरूद बस्ती में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। मोबाइल फोन को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपनी ही मां पर हंसिये से हमला कर दिया। मां को बचाने पहुंचे पिता पर भी आरोपी ने हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मोबाइल नहीं मिला तो हुआ आक्रोशित : स्थानीय लोगों के मुताबिक युवक राकेश साहू ने अपनी मां से मोबाइल फोन मांगा था। मां द्वारा मोबाइल देने से इंकार करने पर वह अचानक गुस्से में आ गया। देखते ही देखते उसने घर में रखा हंसिया उठाया और मां पर हमला कर दिया।

पिता आए बचाने, खुद भी हुए घायल : मां की चीख सुनकर पिता बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घर से चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे।

पड़ोसियों ने संभाला मोर्चा : घटना के बाद मोहल्ले वालों ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी युवक को काबू में किया। बताया जा रहा है कि युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए लोगों ने एहतियात के तौर पर उसे रस्सी से बांध दिया। इसके बाद गांव वालों ने घायल माता खिलेश्वरी साहू पिता लिलेश्वर साहू और आरोपी युवक राकेश साहू को साथ लेकर सुपेला अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों में जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

पुलिस ने दक्षिण कौशल क्रिकेट कप का जीता खिताब

बिलासपुर में आयोजित दक्षिण कोशल कप क्रिकेट प्रतियोगिता

बलौदा बाजार। सरकंडा बिलासपुर के मैदान में छत्तीसगढ़ प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के तत्वाधान में आयोजित छ.ग. राज्य स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट टूर्नामेंट दक्षिण कोशल कप 2026 का खिताब बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने जीत लिया है।

रात्रि में खेले गए फाइनल मैच में बलौदाबाजार-भाटापारा की पुलिस टीम ने बिलासपुर पुलिस टीम को शानदार एवं रोमांचक मैच में 05 रन से पराजित करते हुए फाइनल मैच जीतकर विजेता का खिताब जीता। यह टूर्नामेंट बिलासपुर के सरकंडा मैदान में दिनांक 27.04.2026 से आयोजित किया गया था, जिसमें 20 जिलों के विभिन्न शासकीय विभागों, प्राइवेट एवं संविदा अधि./कर्मचारियों की कुल 48 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने लीग मैंचो में बिलासपुर पुलिस टीम बी, सी, शिक्षा विभाग मस्तूरी, बलरामपुर की टीम तथा सेमी फाइनल मैच में जल संसाधन विभाग बिलासपुर की टीम को परास्त करते हुए शानदार तरीके से फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मैच में टॉस जीत कर बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 80 रन का चैलेंजिंग स्कोर खड़ा किया, जिसमें कमलेश मरावी, भूपेन्द्र वर्मा, त्रिलोक चंद्र साहू ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। तत्पश्चात बिलासपुर की टीम बैटिंग करने मैदान में आई। इस बीच द्वारिका साहू, प्रीतम पाटले एवं नंद किशोर वर्मा ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पूरी बिलासपुर पुलिस टीम को मैच की अंतिम गेंद तक बांधे रखा, जिसमें अंतिम गेंद पर जीत के लिए 05 रन बिलासपुर टीम नहीं बना सकी और इस प्रकार बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम ने शानदार तरीके से फाइनल मैच जीत कर दक्षिण कोशल कप का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के रूप में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम को 1,00,000 नगद एवं कप से सम्मानित किया गया। संपूर्ण प्रतियोगिता में शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करने वाले आरक्षक त्रिलोकचंद साहू को बेस्ट बालर के रूप में रेंजर सायकल और कप तथा फाइनल मैच में मैन ऑफ द मैच आरक्षक द्वारिका साहू को एलसीडी टीव्ही प्रदान किया गया।

पुलिस कार्यालय सभा कक्ष बलौदाबाजार में टीम के समस्त खिलाड़ियों से पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा द्वारा भेंटकर उन्हें शुभकामनाएं दिया गया। इस दौरान श्री शर्मा ने कहा कि पूरे राज्य से आए हुए विभिन्न विभागों की सशक्त टीमों को पराजित कर फाइनल मैच का खिताब अपने नाम करना बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

भावुक कर्मी ने कहा-100 रूपए का ऋण लेने सदस्य बना, फिर कभी बाहर से उधार नहीं लेना पड़ा

- अप्रैल माह के रिटायर कर्मियों को दी विदाई

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने एक गरिमामय समारोह में माह अप्रैल 2026 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। विदाई समारोह में रिटायर कर्मीगण अपना सेवाकाल याद करते हुए भावुक हो गए और अपनी स्वरचित कविता भी सुनाई।

समारोह में स्वागत उपरांत सोसाइटी के अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर रिटायर कर्मियों को भविष्य की शुभकामनाएं दी। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष देवांगन ने कहा कि रिटायर कर्मियों ने सोसाइटी को अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ दिया है और अब सेवानिवृत्ति के उपरांत जीवन के नए पड़ाव पर भी सोसाइटी उनके साथ है।

इस दौरान रिटायर हुए कर्मियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। हिंदुस्तान स्टील एम्पलाइज यूनियन (सीटू) यूनियन के अध्यक्ष और कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से सेवानिवृत्त शिबोत्पल डे ने कहा- वह सेक्टर 4 सोसाइटी में दूसरी पीढ़ी के सदस्य हैं। उनका कहना था कि सीपीएफ लोन और सोसाइटी का लोन ऐसी सुविधा है, जो यहां बीएसपी कर्मियों को आसानी से मिल जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि नए कर्मियों को इंडक्शन कार्यक्रम के माध्यम से सोसाइटी से जोड़ने प्रयास किया जाए।

ब्लास्ट फर्नेस से रिटायर संतोष कुमार ने बताया कि फरवरी 1993 में नियमित होने के बाद उनका वेतन 525/- रुपए था और 100/- की आकस्मिक जरूरत पड़ी तो किसी भी करीबी ने उधार नहीं दिया। ऐसे में सोसाइटी का सदस्य बना और ससम्मान ऋण मिला, उसके बाद मुझे किसी से 1/- रुपए भी उधार लेना नहीं पड़ा। उन्होंने कविता पढ़ी- जिंदगी को संवारने में वक्त लगता है, अपनों को पहचानने में वक्त लगता है, यूं ही शोहरत रातों-रात नहीं मिलती, मंजिल तक पहुंचने में वक्त लगता है।

मेडिकल से रिटायर मीना सावलकर ने कहा कि यहां के कर्मचारी, पदाधिकारी सभी का व्यवहार बहुत अच्छा है और पूरा पारिवारिक माहौल है।

प्रगतिशील सतनामी समाज की बैठक संपन्न

धर्मांतरण रोकने सहित सामाजिक रीति नीति में परिवर्तन का प्रस्ताव पारित

बलौदा बाजार। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला बलौदाबाजार के पदाधिकारियों का आवश्यक बैठक महंत नयन दास महिलांग स्मृति स्थल बलौदाबाजार रखा गया था। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोसले,डॉ सनम जांगड़े पूर्व विधायक, प्रदेश महासचिव मोहन बंजारे ,प्रदेश सहसचिव दिनेश बंजारे ,कोषाध्यक्ष श्याम जी टांडे एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यगण गुलाब टंडन,यादराम हिरवानी,श्यामलाल सितारे, गणेश प्रसाद बघेल,सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अध्यक्ष गिरवर निराला, बलौदाबाजार जिला अध्यक्ष दीपक घृतलहरे के गरिमा मय उपस्थिति में बाबा जी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पूर्व विधायक डॉ सनम जांगडे ने सभा को संबोधित करते हुए प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा प्रदेश में समाज हित में किए जा रहे रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य काफ़ी सराहनीय है। प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोसले जी के मार्गदर्शन में समाज में बेहतर कार्य हो रहे हैं। समाज में रीति नीति में समय के साथ परिवर्तन किया जाना जरूरी है। आज प्रदेश में धर्म परिवर्तन प्रमुख समस्या है सभी जाति के लोगों धर्मांतरित हो रहे। सतनामी समाज में धर्मांतरण को रोकने एवं धर्मांतरित लोगों को घर वापसी कराकर समाज को संगठित एवं एकजुट करने की आवश्यकता है। समाज में 18 दिसम्बर को ही गुरु घासीदास जयंती सादगीपूर्ण मनाने का निर्णय सहित कफ़न, मृत्यु भोज में प्रतिबंध का सहित 15 बिंदुओं पर पारित प्रस्ताव को गांव-गांव में अमल कराने का सार्थक प्रयास किया जाए।

वहीं प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोसले ने अपने उद्बोधन में जानकारी देते कहां कि प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज निरंतर समाज हित में कार्य कर रही है। समाज को संगठित करना हमारा लक्ष्य है। सतनामी समाज बाहुल्य 10से अधिक जिलों सामाजिक पदाधिकारी का निर्वाचन मनोनयन किया जा चुका हैं। लगभग 20जिलों में हमारे संस्था काम कर रहे हैं। बस्तर से लेकर सरगुजा तक संगठन विस्तार का काम चल रहा है। हमारे महिला प्रकोष्ठ ,युवा प्रकोष्ठ ,विधि प्रकोष्ठ , एवं साहित्य प्रकोष्ठ भी सामाजिक एकीकरण समन्वय स्थापित करने प्रयास कर रहे हैं। राजधानी रायपुर में आयोजित सामाजिक एकीकरण समन्वय सम्मेलन में सामाजिक रीति नीति में परिवर्तन करने वाले प्रस्ताव जो सर्वसम्मति से पारित किया गया है उसको गांव गांव में अमल कराने की जरूरत है। हमारे संस्था के जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक पदाधिकारीयो की प्रमुख जिम्मेदारी है कि ग्रामीण कमेटी का गठन कर सामाजिक रीति नीति में परिवर्तन को पूरा करने का संकल्प ले। जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक अध्यक्षों ने अपने ब्लॉक में किए जा रहे सामाजिक गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अतिथियों सहित प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष देवेन्द्र चतुर्वेदी, जिला महासचिव सुशील बंजारे उपाध्यक्ष बी एल दीवाकर, कोषाध्यक्ष लेखराम गनहरे, मीडिया प्रभारी सहदेव जोशी अशोक मंडले, पलारी ब्लॉक अध्यक्ष महेश ढीढी, लवन ब्लॉक अध्यक्ष नरेन्द्र डहरिया, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष लता सोनवानी, कुमार भारद्वाज युवा प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारी सदस्य,शहर अध्यक्ष देवेन्द्र बंजारे,युवा प्रकोष्ठ कार्यकारी जिला अध्यक्ष अजय सांडे सचिव मनेजर डहरिया, विजय बांधे, नरोत्तम बघेल, श्रीमती ज्योति रात्रे , प्रिंशी रात्रे, आत्मा बांधे, कमलेश रात्रे, राजेश कोसले, आदि लोग उपस्थित रहे।

विकासखण्ड साजा के ग्राम पंचायत बिरनपुर में समाधान शिविर आज

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 19 मई को जनपद पंचायत साजा के ग्राम पंचायत बिरनपुर के शासकीय माध्य. शाला केहका में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम केहका कलस्टर में ग्राम पिपरिया, बिरनपुर, ढाप, खैरी, बीजागोड नवागाव गहिरा, केवतरा, भरदालोधी, बोरतरा, कोगिया कला, मासुलगोदी, मोहतरा, देउरगाँव एवं नवागांव खुर्द ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा।

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

बस्तर की मिठास: क्या इस बार वनवासियों तक पहुंचेगा लाभ?

संपादकीय

बस्तर की पहचान लंबे समय तक नक्सल हिंसा, भय और उपेक्षा से जुड़ी रही, लेकिन अब वही बस्तर विकास, आत्मनिर्भरता और उम्मीद की नई कहानी लिखने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बस्तर दौरे ने इसी बदलते दौर की तस्वीर सामने रखी, जहां सुरक्षा के साथ-साथ वनवासियों के आर्थिक अधिकार, महिलाओं की भागीदारी और स्थानीय संसाधनों के न्यायपूर्ण लाभ की बात केंद्र में दिखाई दी। बस्तर की इमली को 'मीठी' बताने वाली टिप्पणी केवल स्वाद का जिक्र नहीं, बल्कि उस बदलाव का प्रतीक है जिसमें जंगल की संपदा का असली लाभ आदिवासी समाज तक पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अब सवाल यही है कि क्या यह बदलाव केवल घोषणाओं तक सीमित रहेगा या सचमुच बस्तर के वनवासियों के जीवन में मिठास घोल पाएगा।

बस्तर की इमली अब खट्टी नहीं, मीठी होगी—बस शर्त इतनी कि उसका असली स्वाद वनवासियों को मिले। केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का बस्तर दौरा केवल एक सरकारी कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि यह उस बदलते बस्तर की तस्वीर भी था जो कभी नक्सल हिंसा, भय और उपेक्षा की पहचान बन गया था। नेतानार में शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) के उद्घाटन, महिला स्व सहायता समूहों से संवाद, इमली प्रसंस्करण केंद्र के निरीक्षण और शहीद जवानों के परिवारों से मुलाकात के जरिए एक संदेश देने की कोशिश हुई कि अब बस्तर केवल सुरक्षा अभियान का विषय नहीं, बल्कि विकास, सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई कहानी बनने जा रहा है। जब अमित शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखते हुए कहा कि 'यहां की इमली खट्टी नहीं, मीठी है', तो यह सिर्फ स्वाद की टिप्पणी नहीं थी, बल्कि उस उम्मीद का प्रतीक थी कि अब बस्तर की वन उपज का असली लाभ यहां के वनवासियों और आदिवासी परिवारों तक पहुँचे। दरअसल, दशकों तक बस्तर की पहचान उसकी प्राकृतिक संपदा रही, लेकिन इसका सबसे कम लाभ उन्हीं लोगों को मिला जिनकी जिंदगी जल, जंगल और जमीन पर टिकी हुई थी। इमली, तेंदूपत्ता, चिरौंजी, हर्रा, महुआ और कई औषधीय वन उत्पादों का बड़ा बाजार बना, मगर बीच में मौजूद बिचौलियों ने आदिवासियों की मेहनत का अधिकांश हिस्सा हड़प लिया। गांवों में रहने वाला संग्रहकर्ता बेहद कम कीमत पर अपनी उपज बेचने को मजबूर रहा, जबकि वही उत्पाद शहरों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कई गुना दाम पर बिकते रहे। ऐसे में यदि सहकारिता मॉडल, स्व सहायता समूह और स्थानीय प्रसंस्करण केंद्र वास्तव में मजबूत किए जाते हैं, तो बस्तर की 'मीठी इमली' का स्वाद पहली बार वनवासियों की जिंदगी में भी मिठास ला सकता है। शर्त यही है कि व्यवस्था ऐसी बने जिसमें बाजार तक सीधी पहुंच हो, न्यूनतम समर्थन मूल्य मजबूत हो और लाभ की सबसे बड़ी हिस्सेदारी स्थानीय समुदायों को मिले, न कि बिचौलियों को।

दूसरी ओर, बस्तर को नक्सल हिंसा से बाहर निकालने की प्रक्रिया में जिन जवानों और स्थानीय परिवारों ने बलिदान दिया, उन्हें सम्मान और भरोसा देना भी उतना ही जरूरी है। जगदलपुर की अमर वाटिका में शहीदों को श्रद्धांजलि और उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात केवल संवेदना का प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह स्वीकार करना भी था कि बस्तर की शांति बहुत बड़ी कीमत देकर हासिल हुई है। हालांकि चुनौतियां अब भी खत्म नहीं हुई हैं कई इलाकों में लैंडमाइन का खतरा, नक्सली नेटवर्क के अवशेष और विकास को लेकर अविश्वास अभी भी मौजूद हैं। इसलिए बस्तर में स्थायी शांति तभी संभव होगी जब विकास केवल सड़कों और भवनों तक सीमित न रहे, बल्कि आदिवासी समाज की भागीदारी, सम्मान और आर्थिक अधिकारों के साथ आगे बढ़े। यदि ऐसा हुआ, तो सचमुच बस्तर की इमली केवल स्वाद में नहीं, बल्कि वहां के लोगों के जीवन में भी मीठी साबित होगी।

इसके साथ ही यह भी समझना होगा कि बस्तर का बदलाव केवल सुरक्षा अभियानों से स्थायी नहीं बनेगा। लंबे समय तक यहां के दूरस्थ गांव शासन और व्यवस्था से कटे रहे, जिसके कारण नक्सली संगठनों ने खुद को 'वैकल्पिक व्यवस्था' के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। अब जब नेतानार जैसे गांवों में आधार कार्ड, बैंकिंग सुविधा, ई-केवाईसी, प्रमाण पत्र, सिलाई प्रशिक्षण और महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से सरकार सीधे लोगों के दरवाजे तक पहुंच रही है, तो यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक भी है। ग्रामीणों को पहली बार यह महसूस होना जरूरी है कि सरकार केवल सुरक्षा बलों के कैंप तक सीमित नहीं, बल्कि उनके जीवन को आसान बनाने वाली व्यवस्था भी है। डिजिटल सेवाओं और स्थानीय रोजगार के जरिए यदि गांव आत्मनिर्भर बनते हैं, तो यह नक्सलवाद की उस जमीन को कमजोर करेगा जो वर्षों तक उपेक्षा और अलगाव की भावना पर खड़ी रही।

बस्तर के भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी वहां की युवा पीढ़ी और महिलाएं हैं। यदि स्व सहायता समूहों, वन उपज प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग और स्थानीय उद्यमों को मजबूत बाजार उपलब्ध कराया गया, तो बस्तर देश के सबसे बड़े आदिवासी आर्थिक मॉडल के रूप में उभर सकता है। आज जरूरत केवल योजनाओं की घोषणा की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि हर योजना का लाभ अंतिम गांव और अंतिम परिवार तक पारदर्शिता के साथ पहुंचे। बस्तर को 'रेड कॉरिडोर' से 'ग्रोथ कॉरिडोर' बनाने की चर्चा वर्षों से होती रही है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ तभी होगा जब वहां का युवा रोजगार के लिए बंदूक नहीं, बल्कि कौशल और बाजार पर भरोसा करे। तभी बस्तर की इमली का स्वाद सचमुच मीठा कहलाएगा, क्योंकि उसकी मिठास दिल्ली या बड़े कारोबारियों तक नहीं, बल्कि सीधे उन वनवासियों के जीवन में दिखाई देगी जिनकी मेहनत से यह धरती समृद्ध है।

दीवार पर लिखी इबारत पढ़कर विचलित है विपक्ष

-डॉ. हरिकृष्ण बड़ोदिया

बंगाल चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में ऊपर की ओर है। अमेरिकी डाटा एनालिस्ट फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के मार्च अप्रैल के सर्वे के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 68 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ ग्लोबल लिस्ट में पहले पायदान पर हैं। अगर दुनिया के देशों से मिलने वाले सर्वोच्च सम्मानों को लोकप्रियता का आधार मानें तो शायद मोदी दुनिया के ऐसे पहले राजनेता होंगे जिन्हें अब तक 31 देशों के सर्वोच्च सम्मान मिले हैं। अभी अभी स्वीडन सरकार ने अपने देश का सर्वोच्च सम्मान रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार दिया है। 16 मई को उन्होंने प्रधानमंत्री के अपने कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे किए हैं। वह भाजपा के ऐसे एकमात्र राजनेता हैं जिन्होंने किसी लोकल राजनीति से प्रादेशिक या राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश नहीं किया बल्कि 13 वर्ष तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के बाद 12 वर्ष का प्रधानमंत्री के रूप में शानदार कार्यकाल पूरा किया है जो विपक्ष को डरा रहा है। वह विपक्ष जिसमें देश की सत्ता पर सबसे अधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस शीर्ष पर है आज देश भर के राज्यों से समाप्त प्राय है। अगर उसका तीन राज्यों में अस्तित्व है और अन्य तीन राज्यों में है भी तो वह भी दूसरे दलों की बैसाखियों के सहारे है। 2026 का केरल का चुनाव थोड़ी सी खुशी लेकर आया लेकिन यह खुशी अन्य राज्यों में पराजय के आंसुओं को सुखा नहीं सकती। बंगाल का चुनाव यद्यपि दल के रूप में भाजपा और टीएमसी के बीच में था लेकिन मूल रूप में यह मोदी और ममता के बीच ही था। जहां एक ओर टीएमसी ममता के नाम पर चुनाव लड़ रही थी तो वहीं बंगाल की जनता मोदी को जिताने की बात कर रही थी। जिसने भी लगातार इस चुनाव पर नजर रखी है वे जानते हैं कि मतदाता भाजपा को जिताना है या शुभेंदु अधिकारी को लाना है नहीं कह रही थी बल्कि मोदी को वोट देना है कह रही थी। इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी समूची भाजपा

और हिंदुत्व के पर्याय बन गए हैं। बंगाल के चुनाव ने जो एक महत्वपूर्ण तथ्य स्थापित किया वह यह कि अब देश में कोई भी दल केवल मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति कर जीवित नहीं रह सकता। 60 साल तक राज करने वाली कांग्रेस हो या निखालिस मुसलमानों की राजनीति करने वाले दल हों उनकी जीत का आधार व्यक्तिगत सीटों पर तो हो सकता है किंतु सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने या पहुंचाने का नहीं हो सकता। बंगाल के चुनाव ने एक नया आयाम सेट कर दिया है कि हिंदू यदि एकजुट हो जाएगा तो देश की राजनीति से वर्तमान विपक्ष का सफाया होना तय है। आज यही निष्कर्ष विपक्ष की चिंता सबसे बड़ा कारण बन गया है। देश की 78 प्रतिशत हिंदू आबादी को कांग्रेस, सपा, बसपा जैसे कई राजनीतिक दलों ने जातियों में बांटकर अपना उल्लू सीधा किया। आने वाले चुनावों में यह ध्वस्त हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। 2024 में सपा ने उत्तर प्रदेश में इसी फार्मूले के आधार पर (पीडीए) पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक को अपने पाले में कर लोकसभा की 37 सीटें अपने पक्ष में की थीं किंतु आगे इसकी संभावना तो आने वाले समय में बिल्कुल नहीं दिखती। यही नहीं अभी तो 2027 और 2028 के चुनाव होना है और बंगाल के हिंदुओं ने अपनी एकता का जो उदाहरण सेट किया है वह न केवल उत्तर प्रदेश के हिंदुओं को प्रभावित करेगा बल्कि उन राज्यों को भी प्रभावित करेगा जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही नहीं 2029 तक होने वाले चुनावों का पैटर्न यदि बंगाल जैसा ही रहे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। यही कारण है कि विपक्ष ना केवल सहमा हुआ है बल्कि दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ पढ़ कर विचलित है। वह ऐसा कोई मौका नहीं चूकना चाहता जिससे उसकी प्रासंगिकता स्थापित न हो सके। बंगाल चुनाव के तुरंत बाद जहां एक ओर ममता बनर्जी ने वोट चोरी का आरोप लगाया वहीं राहुल गांधी ने भी इसी घिसेपिटे रिकॉर्ड का बजाना शुरू किया जबकि भारत का एक-एक नागरिक इस बात को अच्छी तरह जान रहा है कि ममता का कट्टर मुस्लिम प्रेम, मुस्लिम तुष्टिकरण और मुस्लिम टीएमसी कार्यकर्ताओं के विगत 5 साल के आतंक ने बंगाल के हिंदुओं को एक कर दिया। हिंदुओं के वोटों का ऐसा ध्रुवीकरण भाजपा के प्रयत्नों से कम हुआ बल्कि उस खूनी आतंक, भ्रष्टाचार, कट मनी, टोलेवाजी और नेतृत्व की धमकियों से हुआ जिसे बंगाल के हिंदू झेल रहे थे। राज्य में महिलाओं की इज्जत तार तार हो रही थी, आम विरोधी विचारधारा वाले भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या से जिस तरह हिंदू महिलाएं विधवा हुईं जिस तरह लड़कियों और महिलाओं के रेप हुए जिस तरह हिंदुओं को उनके आराध्य और मंदिरों में पूजा पाठ से रोका गया और जिस तरह थोक में बांग्लादेशी घुसपैठियों ने मूल बंगालियों के हकों को छीना उन सब घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि एक और बार यदि ममता सत्ता में आतीं तो बंगाल को बांग्लादेश बनने से कोई रोक नहीं सकता था। इन सब घटनाओं की चर्चा चुनाव संपन्न होने या बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की भाजपा सरकार बनने के बाद खत्म हो जाएगी ऐसा सूचना बेवकूफी होगी। इन सब घटनाओं और परिस्थितियों तथा अन्यायों की चर्चा अगले 2 साल लोकसभा चुनाव के होने तथा उसके बाद भी होगी इससे इनकार नहीं किया जा सकता। वस्तुतः यह सब इसलिए याद किया जाएगा क्योंकि बंगाल की जनता ने वोटो की क्रांति से अन्याय पर विजय प्राप्त कर ममता को उखाड़ फेंका है। बंगाल के चुनाव में भाजपा की जीत का सेहरा हर बार की तरह मोदी के सिर पर बंधा जिसने उनकी लोकप्रियता को एक बार फिर उच्चता के शिखर पर स्थापित किया है। विगत लगभग एक दशक से मोदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पायदान पर खड़े हैं। यह न केवल भारत के लिए गौरव की बात है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनेताओं के लिए भी आश्चर्य की बात है। मोदी आज ऐसी शख्सियत बन गए हैं जिन्हें न केवल सुना जाता है बल्कि उनकी कही बातों पर अमल भी किया जाता है। विगत सप्ताह जब मोदी ने देश की जनता का आह्वान करते हुए सोना ना खरीदने, तेल की बचत करने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से परहेज करने, जहां संभव हो कार्यस्थलों पर वर्क फ्रॉम होम करने, अपने दैनिक जीवन में खाद्य तेल का उपयोग कम करने, रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम करने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की तो विपक्ष के कान खड़े हो गए। उसे लगा कि यदि वास्तव में मोदी की इन बातों पर अमल हुआ तो उसकी तुलनात्मक रूप से स्थिति और कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में विपक्ष के कई सारे नेता राहुल गांधी अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह चिल्लाने लगे कि मोदी से देश संभल नहीं रहा। राहुल गांधी ने कहा देश चलाना कंप्रोमाइज प्रधानमंत्री के बस की बात नहीं रही। अखिलेश ने कहा चुनाव खत्म होते ही संकट याद आया। केजरीवाल बोले प्रधानमंत्री की अपील कहीं आर्थिक इमरजेंसी की आहट तो नहीं। संजय सिंह ने तो इस्तीफा भी मांग लिया। जो भी हो इन नेताओं के विरोध के बावजूद देश की जनता के साथ-साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने जो कदम उठाए वह मोदी की अपील की महत्ता को रेखांकित करते हैं। देश में पेट्रोल डीजल के दामों में वृद्धि हुई है। इस वृद्धि पर भी आम जनता की प्रतिक्रिया सकारात्मक है जो मोदी के विजन को सही मानती है। आम लोगों का यह कहना है कि ईरान अमेरिकी युद्ध के परिणाम दुनिया भर के देशों को प्रभावित कर रहे हैं तब भारत भी इससे अछूता नहीं रह सकता ऐसे में मात्र तीन प्रतिशत की वृद्धि स्वीकार्य है। कई लोगों ने कहा जब विश्व के कई देशों में पेट्रोल उत्पादों की कीमतों में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है तब भारत में यह वृद्धि तो न्यूनतम ही है। वस्तुत- पेट्रो उत्पादों में मूल्य वृद्धि इतना बड़ा मुद्दा नहीं है बल्कि मुद्दा तो मोदी की साख का है जिसके प्रति भारत के नागरिक समर्पित हैं भले ही विपक्ष अपने लाभ के लिए विरोध ही क्यों न करता रहे।

व्यंग्य

आत्म चिंतन पर चिंतन

संजय जोशी 'सजग'

किसी भी विषय पर चिंतन करना समाज और देश के लिए बहुत जरूरी है पर देश में चिंतन का वातावरण ही नहीं है। सब के सब चिंता में ही लगे हुए है चिंता और चिता में एक बिंदी का ही अंतर है जो हर मनुष्य के लिए घातक है। चिंता की बजाय चिंतन को बढ़ाने के प्रयास बहुत जरूरी हैं। एक न्यूज की कटिंग लेकर भटकते हुए एक चिंतक आए और कहने लगे कि थोड़े दिन में देश में चिंता को छोड़ कर चिंतन करने वाले बढ़ जाएँगे तो मैंने कौतूहलवश पूछ लिया कि ऐसा क्या चमत्कार होने वाला है तो वे कहने लगे सब को आत्म चिंतन केंद्र की सुविधा जो मिलेगी, मैंने फिर पूछा – यह क्या होता है?

वे बोले आपको नहीं मालूम कि शौचालय को हिंदी में 'आत्म चिंतन केंद्र' कहते हैं। वे सबके लिए बनाए जाएँगे जिससे चिंतन को नई गति मिलेगी, अभी जिनके पास है वे अपने आप को अच्छा और विकसित मानते है और जिनके पास नही है उन्हें तुच्छ और पिछड़ा माना जाता है। वे कहने लगे अधिकतर मनुष्य नाम के प्राणी अपने आप को ज्यादा तनावमुक्त वहीं पाते होंगे। देश की हर समस्या का चिंतन उसी आत्म चिंतन केंद्र में करते होंगे शायद तभी विवादित बयानों की इतनी बौछार होती है। बेचारा वह क्या चिंतन करेगा जिसके पास चिंतन केंद्र ही नही है उसके लिए तो यह अभिशाप है वैसे यह चिंतन केंद्र आजकल बहुतायत में पाए जाते हैं पर सबका स्वरूप भिन्न-भिन्न होता है जैसे वीआईपी लोगों का पाँच सितारा, जन सामान्य का साधारण, गरीबों का सार्वजनिक, और बाकी बचे हुए लोग खुले स्थान की और रुख करने को मजबूर है। खुले में चिंतन करने में प्रकृति के दृश्य विघ्न पैदा करते है, और जीव जंतु का भय सताता है सो अलग।

अत: चिंतन का दायरा भी अलग अलग होता है। एक मंत्री, नेता, कवि, लेखक, पत्रकार, व्यापारी, अधिकारी और सबका अपने चिंतन का विषय अपने कार्यानुसार होता है। मैंने कहा बेचारा गरीब आदमी... तो अपनी रोजी-रोटी और बढ़ती महँगाई का चिंतन कर दुखी होता है और चारा ही क्या है, आजादी की बाद से ही यह मुख्य मुद्दा रहा है। सबने भुनाया और बाद में भुलाया, फिर भी ढाक के तीन पात। लगातर उनका चिंतन का बखान जारी था। उनका कहना थी कि सरकारें केवल चिंता करती हैं और ठोस योजना का अभाव ही रहता है, इस समाचार के मुताबिक सबको यह सुविधा मिलेगी ऐसी आशा अधिक व विश्वास तो कम ही है कि ऐसा हो पाएगा। बायचांस अगर हमारे देशवासियों के पास सौ प्रतिशत ऐसे केंद्र हो तो सब चिंतनशील हो जाएँगे और सरकार के हर कदम का चिंतन करेंगे ओर जिससे कर्णधारों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा वे इस दर्द को समझते हैं लेकिन इसके प्रति चिंता को दर्शाना उनका कर्तव्य है और चिंता की रस्म अदायगी कर अपने कर्तव्य की इति श्री कर लेते हैं। ऐसे केंद्र समाज और देश के विकास का आईना होते है।

मैंने उन्हें कहा कि आपने जो अपना चिंतन बताया है उससे लगता है कि निंदक नियरे राखिए की बजाय चिंतक नियरे राखिए जिससे कुछ नया ज्ञान प्राप्त होता रहे। और आत्म चिंतन पर चिंतन की प्रेरणा का प्रादुर्भाव होता रहे।

कविता संसार

संकट हरण

नरेश कुमार दुबे

देश का हाल बेहाल है,
महंगाई से बुराहाल है।
बढ़ते दाम के चाल ढाल से,
जिंदगी बन गई कंगाल है।
बढ़ती वस्तुएं के दाम से,
रोजमर्रा की चली लड़ाई है।
छू रही दाम आसमान से,
बढ़ती कारण महंगाई है।
दो देशों की लड़ाई से,
भुगत रहा महंगाई की मार है।
घरेलू गैस की देखी थी कमी,
पेट्रोल डीजल की अब लंबी कतार है।
देश की जनता को मिला आश्वासन,
देख कर खरीदें देख कर चलें,
दीजिए देश के जनता साथ,
बचत में ही देश का आर्थिक शक्ति,
एकता की बचत में करेंगे विकास है।
धीरज संयम एकजुकता का परिचय दो,
वर्क फॉर्म होम से बचाए ईंधन है।
देश का सच्चा नागरिक कहलाए,
घबराए नहीं संकट हरण से
करके देश का सम्मान है।

समीकरणों से लेकर एल्गोरिदम तक: एआई युग में गणित

-डॉ विजय गर्ग

मानव सभ्यता के विकास में गणित की भूमिका हमेशा केंद्रीय रही है। प्राचीन काल में गणित का उपयोग केवल गिनती, व्यापार और खगोलीय गणनाओं तक सीमित था, लेकिन समय के साथ यह विज्ञान, इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र और आधुनिक तकनीक की नींव बन गया। आज जब दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब गणित का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अब गणित केवल किताबों में लिखे सूत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मशीनों को 'सोचना' और 'सीखना' सिखाने वाली शक्ति बन चुका है।

आज की डिजिटल दुनिया में हर जगह गणित मौजूद है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन बैंकिंग, नेविगेशन सिस्टम, मेडिकल रिसर्च और यहां तक कि मनोरंजन के प्लेटफॉर्म भी गणितीय एल्गोरिदम पर आधारित हैं। एआई के उदय ने गणित को केवल एक शैक्षणिक विषय नहीं रहने दिया, बल्कि इसे भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण कौशलों में बदल दिया है।

गणित को अक्सर 'विज्ञान की भाषा' कहा जाता है। जिस प्रकार भाषा विचारों को व्यक्त करती है, उसी प्रकार गणित प्रकृति और तकनीक के नियमों को समझाने का माध्यम है। कंप्यूटर केवल संख्याओं और तर्क को समझते हैं, और यही कारण है कि हर डिजिटल प्रणाली के पीछे गणित कार्य कर रहा होता है।

जब कोई व्यक्ति इंटरनेट पर कुछ खोजता है, तो सर्च इंजन लाखों पन्नों का विश्लेषण करके सबसे उपयुक्त परिणाम दिखाते हैं। यह प्रक्रिया एल्गोरिदम और सांख्यिकीय गणनाओं के माध्यम से होती है। इसी तरह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यह अनुमान लगाते हैं कि उपयोगकर्ता किस प्रकार की सामग्री देखना पसंद करेगा। यह सब गणितीय मॉडल और डेटा विश्लेषण के कारण संभव हो पाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तव में गणित का ही एक उन्नत रूप है। मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसी तकनीकें गणितीय सिद्धांतों पर आधारित हैं। एआई के विकास में मुख्य रूप से तीन गणितीय क्षेत्रों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है–

एआई सिस्टम डेटा को मैट्रिक्स और वेक्टर के रूप में समझते हैं। चेहरे की पहचान, भाषा अनुवाद और इमेज प्रोसेसिंग जैसे कार्यों में रेखीय बीजगणित का व्यापक उपयोग होता है। एआई भविष्यवाणी करता है और निर्णय लेता है। यह प्रक्रिया संभावनाओं और सांख्यिकीय विश्लेषण पर आधारित होती है। उदाहरण के लिए, मौसम की भविष्यवाणी, शेयर बाजार विश्लेषण और मेडिकल डायग्नोसिस में सांख्यिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मशीन लर्निंग मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए कलन का उपयोग किया जाता है। 'ग्रेडिएंट डिसेंट' जैसी तकनीकें मॉडल की त्रुटियों को कम करके उसे बेहतर बनाती हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह गणितीय सिद्धांतों पर आधारित है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में सेल्फी का दुरुपयोग भी संभव

- महेन्द्र तिवारी

आधुनिक युग में विभिन्न सामाजिक मंचों पर अपने जीवन के विशेष क्षणों को साझा करना मानवीय व्यवहार का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। जब कोई व्यक्ति किसी मनोरम स्थान की यात्रा पर जाता है, मित्रों के साथ आनंदमय समय बिताता है, या प्रतिदिन अपनी नई तस्वीरें अपलोड करता है, तो उसका उद्देश्य अपनी खुशियों और अनुभवों को दुनिया के साथ साझा करना होता है। इन चित्रों के माध्यम से लोग अपनी भावनाएं, जीवनशैली और व्यक्तिगत उपलब्धियां समाज तक पहुंचाते हैं। परंतु, तकनीक की तीव्र गति ने अब इन चित्रों को केवल सुंदर स्मृतियों तक सीमित नहीं रखा है। आज यही तस्वीरें हमारी व्यक्तिगत पहचान और वित्तीय सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा बनती जा रही हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निरंतर बढ़ते प्रभाव ने अंतरजाल आधारित अपराधों को एक सर्वथा नया और चिंताजनक मोड़ दे दिया है।

वर्तमान समय में सुरक्षा विशेषज्ञ यह चेतावनी दे रहे हैं कि हमारे दूरभाष या चित्र-यंत्र से ली गई एक सामान्य सी तस्वीर से भी किसी व्यक्ति की उंगलियों के निशान चोरी किए जा सकते हैं और भविष्य में उनका अवांछित दुरुपयोग पूरी तरह संभव है। वर्तमान समय में अत्याधुनिक साधन किसी भी धुंधली तस्वीर को अत्यधिक स्पष्ट और सघन बनाने में सक्षम हैं। तस्वीरों की बारीक रेखाओं को साफ करना, उनके विस्तार को बढ़ाना और उनमें छिपे अत्यंत सूक्ष्म स्वरूपों को पहचानना अब इन प्रणालियों के लिए बहुत सरल हो चुका है। यही कारण है कि मानवीय उंगलियों के पोरों पर पाई जाने वाली अद्वितीय और अत्यंत बारीक रेखाएं भी अब इलेक्ट्रॉनिक विश्लेषण के माध्यम से आसानी से निकाली जा सकती हैं। अंतरजाल सुरक्षा विशेषज्ञ ली चांग ने अपने हालिया प्रदर्शनों में यह प्रमाणित करके दिखाया है कि उच्च गुणवत्ता वाली साधारण तस्वीरों से भी पूरी तरह उपयोग में लाए जा सकने वाले उंगलियों के निशान प्राप्त किए जा सकते हैं।

इस सुरक्षा संकट से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों और आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो यह स्थिति और भी भयावह प्रतीत होती है। सुरक्षा विशेषज्ञों के विश्लेषण के अनुसार, यदि कोई तस्वीर लगभग 1.5 मीटर की दूरी से ली गई हो और उपकरण के चित्र-यंत्र की गुणवत्ता उत्तम स्तर की हो, तो उस चित्र से उंगलियों के निशान शत-प्रतिशत स्पष्टता के साथ प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यदि तस्वीर 1.5 से 3 मीटर की दूरी से भी ली गई हो, तब भी आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों की सहायता से उंगलियों के लगभग 50 प्रतिशत तक के रेखा-स्वरूप को सफलतापूर्वक निकाला जा सकता है। यद्यपि सामान्य जन के लिए यह एक साधारण सा आंकड़ा लग सकता है, परंतु अंतरजाल अपराध और पहचान की चोरी करने वाले अपराधियों के लिए इतनी आंशिक जानकारी भी अत्यंत विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। आज के समय में प्रयुक्त होने वाले कई अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण उंगलियों के केवल आंशिक या आधे निशानों के मिलान से भी पहचान सत्यापित करने की क्षमता रखते हैं, जिससे अपराधियों का काम और अधिक सुगम हो जाता है।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक संवेदनशील और खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब लोग कैमरे के सम्मुख अपनी उंगलियों को सीधा करके विजय सूचक या शांति सूचक चिह्न बनाते हैं। युवाओं और बच्चों के बीच यह मुद्रा अत्यधिक लोकप्रिय है और सामाजिक माध्यमों पर ऐसी करोड़ों तस्वीरें उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट मुद्रा में व्यक्ति की उंगलियों के पोर सीधे उपकरण के सामने केंद्रित होते हैं, जिसके कारण तस्वीर में उंगलियों की रेखाएं सबसे अधिक स्पष्ट और प्रकाशमान दिखाई देती हैं। जापान के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने कई वर्ष पूर्व ही इस विषय पर गहन शोध करके दुनिया को सचेत किया था कि इस प्रकार की मुद्राओं वाली तस्वीरों से उंगलियों के निशानों को बहुत सुगमता से पढ़ा जा सकता है। अब जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति कई गुना बढ़ चुकी है, तब इस तकनीकी खतरे की गंभीरता पहले की तुलना में कहीं अधिक व्यापक हो चुकी है।

उंगलियों के निशानों के लीक होने का यह संकट किसी भी सामान्य कूटशब्द की चोरी से अत्यधिक गंभीर माना जाता है। यदि किसी उपयोगकर्ता का कोई कूटशब्द या गोपनीय संख्या चोरी हो जाती है, तो वह तत्काल उसे बदलकर एक नया और सुदृढ़ कूटशब्द निर्मित कर सकता है। इसके विपरीत, मनुष्य की उंगलियों के निशान उसके संपूर्ण जीवनकाल में अपरिवर्तनीय रहते हैं। कोई भी व्यक्ति अपनी उंगलियों के प्राकृतिक निशानों को बदल नहीं सकता है। यही मुख्य कारण है कि इस प्रकार के जैव-पहचान संबंधी आंकड़ों का दुरुपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए दीर्घकालिक समस्या उत्पन्न कर सकता है। एक बार यदि किसी अपराधी समूह या अवांछित प्रणाली के पास किसी नागरिक की उंगलियों के निशानों का सटीक रेखा-स्वरूप पहुंच जाता है, तो वह अपराधी भविष्य में कई वर्षों तक उस व्यक्ति के नाम पर विभिन्न प्रकार के वित्तीय अपराध करने का प्रयास कर सकता है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस के तेवर तीखे जिले में फूटा गुस्सा, केंद्र सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

- **पेट्रोल पंप पर जोरदार प्रदर्शन**

सूरजपुर। देश में लगातार बढ़ती महंगाई, आर्थिक मंदी और पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी के खिलाफ आज सूरजपुर में सियासी पारा चढ़ गया। शहर कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उग्र विरोध प्रदर्शन किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर के संयुक्त नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सुभाष चौक के समीप स्थित पेट्रोल पंप पर एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और बढ़े हुए दामों को तत्काल वापस लेने की मांग की।

जनता पर दोहरी मार, बिगड़ गया घर का बजट

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ नेताओं ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज देश की आम जनता महंगाई की दोहरी मार झेलने को मजबूर है। एक तरफ जहां आर्थिक मंदी के कारण रोजगार के अवसर लगातार खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस जैसी आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। इससे आम आदमी की कमर टूट गई है और घर का बजट पूरी तरह से बिगड़ चुका है।

अच्छे दिन का वादा कर खजाना भर रही सरकार

कांग्रेस पदाधिकारियों ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अच्छे दिन का सब्जबाग दिखाकर सत्ता में आई मोदी सरकार आज पूरी तरह जनविरोधी नीतियां अपना रही है। सरकार को आम जनता को राहत देने की कोई फिक्र नहीं है, वह सिर्फ अपना खजाना भरने में लगी है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंप पर आने वाले आम नागरिकों से भी बात की और उन्हें केंद्र सरकार की गलत नीतियों से अवगत कराया।

मांग पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार को दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही बढ़ती महंगाई पर लगाम नहीं लगाई गई और तेल के दाम कम नहीं किए गए, तो कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। इस बड़े विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह, मनोज अग्रवाल, हेमेंद्र गुप्ता, गैबीनाथ साहू, विष्णु कसेरा, वीरेन्द्र बंसल, अनुपम फिलीप, धर्मेन्द्र सिंह, नरेन्द्र यादव, अविनाश यादव, आकाश साहू, भावना सिंह नेताम, मधु साहू, सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत दर्रीपारा में जागरूकता शिविर संपन्न

सूरजपुर। भैयाथान विकासखंड अंतर्गत दर्रीपारा आंगनबाड़ी केंद्र में आज बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिला सशक्तिकरण सेंटर से जेंडर विशेषज्ञ सलोनी कुजूर एवं वित्तीय साक्षरता समन्वयक फरजाना उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं महिलाओं को भ्रूण हत्या रोकथाम, गुड टच-बैड टच, घरेलू हिंसा, सखी वन स्टॉप सेंटर, बालिकाओं में लैंगिक समानता, बाल संरक्षण, महिला उत्पीड़न, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, महतारी वंदन ई-केवाईसी, बाल विवाह एवं साइबर अपराध के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही हेल्पलाइन नंबर 112, 1098, 181 एवं 1930 के उपयोग और महत्व के बारे में भी ग्रामीण जनों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित ब्रोशर वितरित कर प्रचार-प्रसार किया गया।

वीणापाणि संगीत विद्यालय में संगीत संगोष्ठी का आयोजन हुआ

- **कलाकारों ने साझा किए संगीत के अनुभव**
- **देर शाम तक संगीत की स्वर लहरियां गूंजती रही**

सरायपाली। वीणा वीणापाणि संगीत विद्यालय बस्ती सरायपाली में संगीत प्रेमियों, गायकों और वादकों को एक मंच पर लाने,कला के आदान-प्रदानऔर चर्चा के साथ संगीत की समृद्ध परंपरा को संरक्षित करने एवं लोगों को संगीत से जोड़ने के लिए संगीत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में अंचल के प्रसिद्ध संगीत कलाकार शामिल हुए।कलाकारों की संगीतमय प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।आयोजन स्थल पर देर शाम तक संगीत की स्वर लहरियां गूंजती रही।इस अवसर पर संगीत विद्यालय संचालक जन्मजय नायक ने कहा संगीत संस्कृति के दर्पण होते हैं। संगीत से जुड़ा व्यक्ति संस्कार के नजदीक होता है।नायक ने संगीत शिक्षण के संबंध में कहा संगीत की प्रतिभा वाले बच्चों को उत्तम शिक्षकों से इसका विधिवत् प्रशिक्षण प्राप्त हो इसका विशेष प्रयास किया जाएगा।डा.बीरेंद्र कर ने कहा श्री नायक द्वारा संगीत विद्यालय प्रारंभ करना संगीत प्रेमियों के लिए बहुत सुंदर प्रयास है।इसकी सराहना करते हुए इसे सरायपाली की सांस्कृतिक पहचान को नई दिशा देने वाला प्रयास बताया।ज्योति कुमार ठेठवार ने कहा संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है,बल्कि आत्मा की शांति और समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने सब मिलकर वीणापाणि संगीत विद्यालय के माध्यम से संगीत परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।उन्होंने मोबाइल के गिरफ्त में आकर तनाव और अवसाद से ग्रसित हो रहे हर वर्ग के व्यक्तियों को संगीत से जुड़ने की अपील की।इस अवसर पर संकल्प लिया गया कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की श्रृंखला जारी रखी जाएगी।ताकि स्थानीय स्तर पर छुपी हुई प्रतिभाओं को एक उचित मंच मिल सके।संगोष्ठी केअंत में संचालक जन्मजय नायक ने सभी कलाकारों और उपस्थित संगीत प्रेमियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर विशेष कलाकारों में अक्षय कुमार पटेल,अदालत पटेल, आनंद कुमार तांडी,शिक्षक जलंधर वर्गे,शिक्षक प्रदीप कुमार छत्रे, डा.कैलाश कुमार जोशी,शिक्षक शैलेंद्र नायक सहित अनेक संगीत प्रेमी उपस्थित थे।

जनसमस्या निवारण शिविर में पहुंचे कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल

बेमेतरा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कुरा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें मंत्री बघेल के समक्ष रखीं। मंत्री बघेल ने सभी आवेदनों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए मौके पर उपस्थित जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए। शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जन समस्या निवारण शिविर केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास एवं संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आवेदनों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंत्री दयालदास बघेल का तीन दिवसीय तूफानी दौरा

- **सूरजपुर में सुशासन तिहार में होंगे शामिल**

सूरजपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयालदास बघेल अपने तीन दिवसीय सघन दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे सूरजपुर जिले में स्थानीय कार्यक्रमों के साथ-साथ राज्य सरकार के महत्वपूर्ण सुशासन तिहार कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिरकत करेंगे। मंत्री कार्यालय द्वारा उनका आधिकारिक दौरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

बिलासपुर-रतनपुर के रास्ते पहुंचें सूरजपुर : जारी कार्यक्रम के अनुसार, मंत्री बघेल आज सोमवार शाम 5:00 बजे बेमतरा जिले के कूरा (नांदघाट) से कार द्वारा सूरजपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका काफिला बिलासपुर, रतनपुर, कटघोरा और लखनपुर होते हुए देर रात 11:00 बजे सूरजपुर सर्किट हाउस पहुंचेगा, जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे।

19 और 20 मई को च्सुशासन तिहार की धूम : मंत्री बघेल 19 मई मंगलवार आज और 20 मई को बुधवार सूरजपुर जिले में ही रहेंगे। वे वहां आयोजित विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दौरे का मुख्य आकर्षण जिले में आयोजित होने वाला सुशासन तिहार कार्यक्रम है, जिसमें वे शामिल होकर जनता को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की उपलब्धियों से रूबरू कराएंगे।

20 मई की रात को होगी गृह ग्राम वापसी : सूरजपुर के कार्यक्रमों को संपन्न करने के बाद, मंत्री बघेल 20 मई बुधवार शाम 5:00 बजे वापस कूरा नांदघाट जिला बेमतरा के लिए रवाना होंगे। वापसी का सफर भी लखनपुर, कटघोरा, रतनपुर और बिलासपुर के रास्ते तय होगा। उनका रात 10:00 बजे अपने गंतव्य पर आगमन और गृह निवास हेतु प्रस्थान आरक्षित है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम वाय+श्रेणी की सुरक्षा में रहेंगे मंत्री : हाई-प्रोफाइल दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है। मंत्री जी को वाय+ श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है। उनके इस पूरे दौरे के दौरान उनके साथ निज सचिव संतोष कुमार अग्रवाल और सुरक्षा अधिकारी घनश्याम डहरिया मुख्य रूप से तैनात रहेंगे। प्रशासन द्वारा रूट और कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यकर्ता निर्माण और संगठन सशक्तिकरण का आधार है : रंजना साहू

भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यकर्ता निर्माण और संगठन सशक्तिकरण का आधार है : रंजना साहू

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी रायपुर जिला ग्रामीण द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के अंतर्गत ग्राम चंपारण में प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू बतौर वक्ता शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। प्रशिक्षण वर्ग में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर रंजना साहू ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहर विषय पर विस्तारपूर्वक अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, लोककला, लोकगीत, तीज-त्योहार एवं सामाजिक मूल्य हमारी पहचान और गौरव हैं, प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है, हमारी सांस्कृतिक विरासत समाज को जोड़ने और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने का कार्य करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण किसी भी संगठन की मजबूती का आधार होता है, प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और जनसेवा के मूल उद्देश्यों से जोड़ता है, इसके माध्यम से कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक कौशल एवं समाज के प्रति दायित्वबोध का विकास होता है। एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की नीतियों और योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचाने में सक्षम होता है। रंजना साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित और समाजसेवा की भावना से कार्य करने वाला परिवार है, पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे समाज में सकारात्मक सोच, सेवा भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएं, साथ ही उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा की कार्यप्रणाली अंत्योदय की भावना पर आधारित है, जिसमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और योजनाओं का लाभ पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान संगठनात्मक विषयों, पार्टी की रीति-नीति, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई।

हमारी जनगणना, हमारा विकास, जनगणना 2027 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सोनहत, कोरिया। जिले के सोनहत जनपद पंचायत में आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों को जनगणना की प्रक्रिया और इसके महत्व से अवगत कराना था। मकानों की होगी गणना कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जनगणना 2027 का पहला चरण मुख्य रूप से मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना पर केंद्रित होगा। इस चरण में क्षेत्र के हर मकान का विवरण दर्ज किया जाएगा, जो भविष्य में सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आधार बनेगा।

मकानसूचीकरण, 1 मई से 30 मई, 2026 तक। इस अवधि में प्रगणक घर-घर जाकर मकानों का विवरण एकत्र करेंगे। जनपद पंचायत में आयोजित इस कार्यक्रम में नाटककार के द्वारा कल के माध्यम से बताया गया कि सटीक जनगणना ही सही विकास की कुंजी है। यदि हमारे पास क्षेत्र की जनसंख्या और मकानों की सही जानकारी होगी, तभी स्कूलों, अस्पतालों और सड़कों जैसी सुविधाओं का सही नियोजन हो पाएगा।अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि जब जनगणना कर्मी उनके क्षेत्र में आएं, तो उन्हें सही और सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। इस जागरूकता कार्यक्रम में तहसीलदार संजय राठौर,नायाब सोनहत पटवारी निरंजन तिग्गा एवं अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

मनरेगा की मदद से बदली किसान मंगलसाय की तकदीर, डेयरी व्यवसाय से बढ़ी आमदनी

कोरिया। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर से लगे ग्राम कंचनपुर निवासी किसान मंगलसाय के लिए कभी पशुपालन और दुग्ध उत्पादन का कार्य घाटे का सौदा साबित हो रहा था, लेकिन मनरेगा योजना के तहत मिले पक्के पशु शेड ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया। अब यही व्यवसाय उनके लिए अच्छी आय का जरिया बन गया है।

मंगलसाय लंबे समय से दुधारू पशुओं के माध्यम से दूध उत्पादन का कार्य कर रहे थे, लेकिन पक्के शेड के अभाव में बारिश और ठंड के मौसम में पशु लगातार बीमार पड़ जाते थे। साफ-सफाई और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था नहीं होने से दूध उत्पादन भी प्रभावित होता था। परिणामस्वरूप उन्हें व्यवसाय में कोई विशेष लाभ नहीं मिल पा रहा था। ग्राम पंचायत के माध्यम से मनरेगा योजना के तहत लगभग सवा लाख रुपये की लागत से मंगलसाय के लिए पक्का पशु शेड तैयार कराया गया। शेड बनने के बाद पशुओं की देखभाल आसान हो गई और बीमारियां भी कम हो गईं। इसका सीधा असर दूध उत्पादन पर पड़ा।

मंगलसाय ने बताया कि अब प्रतिदिन लगभग 25 से 30 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। पहले जहां आमदनी केवल खर्च निकालने तक सीमित थी, वहीं अब उन्हें अच्छा मुनाफा मिलने लगा है। बढ़ती आय से उत्साहित होकर वह अपने डेयरी व्यवसाय का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। मनरेगा योजना के तहत मिली यह सहायता ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और पशुपालकों के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का बेहतर उदाहरण बनकर सामने आई है।

गायत्री परिवार ने स्वर्ण पदक विजेता डॉ. अशोक कुमार नाग का किया सम्मान

चारामा। गायत्री परिवार द्वारा स्वास्थ्य विभाग के उप स्वास्थ्य केंद्र कंकालीनपारा में पदस्थ ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक डॉ. अशोक कुमार नाग का सम्मान किया गया। यह सम्मान उन्हें राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई द्वारा आयोजित विभागीय प्रशिक्षण में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक अर्जित करने पर प्रदान किया गया।

डॉ. अशोक कुमार नाग वर्तमान में गायत्री परिवार के जिला युवा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। जिले में युवाओं से संबंधित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों, धर्म एवं संस्कृति आधारित कार्यक्रमों में उनका विशेष योगदान रहा है। अध्ययन एवं अनुसंधान कार्यों में विशेष रुचि रखने वाले डॉ. नाग ने शासकीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए पी-एच.डी. की उपाधि भी प्राप्त की है। वे पिछले एक वर्ष से राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई में डिप्लोमा इन हेल्थ प्रमोशन एजुकेशन का विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। इस राष्ट्रीय संस्थान में देश के विभिन्न राज्यों से कर्मचारी एवं छात्र प्रशिक्षण हेतु आते हैं। ऐसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान में उत्तर बस्तर एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए सर्वोच्च अंक प्राप्त करना जिले एवं प्रदेश के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय माना जा रहा है।

उद्योग संचालनालय, छत्तीसगढ़
उद्योग भवन रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा, रायपुर
फोन नं. (0771) 2583652-54 Email : dtic-directorate.cg@gmial.com

(छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ 20-13/2018/11 दिनांक 28.04.2018)

मेसर्स श्री सोमनाथ इण्डस्ट्रीज, ग्राम खोखली, तहसील भाटापारा, जिला बलौदाबाजार (छत्तीसगढ़) के स्वामित्व परिवर्तन की अनुमति हेतु

//आम सूचना//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि -

1. मेसर्स श्री सोमनाथ इण्डस्ट्रीज, ग्राम खोखली, तहसील भाटापारा, जिला बलौदाबाजार (छ.ग.) में स्थापित है एवं लघु श्रेणी की (एकल स्वामित्व) इकाई है, जिसे इकाई के मूल स्वामी श्री अनिकेत माधवानी द्वारा व्यवसाय चलाने में पर्याप्त पूंजी न होना व पारिवारिक कारण से इकाई को श्रीमती भाव्या मंधान, पति श्री महेश कुमार मंधान, निवासी हेमू कॉलोनी वार्ड भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (मेसर्स मंधाना फूड्स) को विक्रय करने हेतु विक्रय इकरारनामा निष्पादित किया गया है ।
2. शाखा प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा तरेंगा रोड, जिला बलौदाबाजार की ओर से मेसर्स श्री सोमनाथ इण्डस्ट्रीज, ग्राम खोखली, तहसील भाटापारा, जिला बलौदाबाजार वित्त पोषित है तथा बैंक द्वारा इकाई के पक्ष में नो-ड्यूस प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है ।
3. राज्य शासन की औद्योगिक नीति 2019-24 के तहत् प्रदान किये गये अनुदान एवं छूट के संदर्भ में उद्योग संचालनालय के पत्र क्रमांक PROJ-41011/237/2026 दिनांक 14.05.2026 द्वारा मेसर्स श्री सोमनाथ इण्डस्ट्रीज, ग्राम खोखली तहसील भाटापारा, जिला बलौदाबाजार के स्वामित्व परिवर्तन की अनंतिम स्वीकृति दी गई है ।

अतः मेसर्स श्री सोमनाथ इण्डस्ट्रीज, ग्राम खोखली, तहसील भाटापारा, जिला बलौदाबाजार (छत्तीसगढ़) के उद्योग के स्वामित्व परिवर्तन की अंतिम अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, कंपनी, वित्तीय संस्था/बैंक या अन्य किसी को कोई आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह सूचना प्रकाशन तिथि से 10 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है । नियत तिथि के पश्चात् किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

रायपुर, दिनांक 14.05.2026

संचालक

मुख्यमंत्री ने फिर खोला विकास का खजाना

महापौर की मांग पर रुद्री तक फोरलेन सड़क, इंटेकवेल और गौरव पथ निर्माण पर मुख्यमंत्री की मिली सहमति

धमतरी। विकास को नई रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक बार फिर बड़ी सौगात देने के संकेत दिए हैं। महापौर रामू रोहरा की प्रमुख मांगों पर मंच से सहमति जताते हुए मुख्यमंत्री ने धमतरी के लिए लगभग 60 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को हरी झंडी दे दी है। माना जा रहा है कि इन योजनाओं को जल्द ही प्रशासकीय स्वीकृति मिल जाएगी।

पिछले वर्ष सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री द्वारा धमतरी को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई थी, जिनका भूमिपूजन भी हो चुका है। इस बार भी मुख्यमंत्री के सामने महापौर रामू रोहरा ने शहर की दीर्घकालिक जरूरतों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण मांगें रखीं, जिन पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक सहमति दी।

महापौर ने अपने संबोधन में कहा कि गंगरेल बांध क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अंबेडकर चौक से रुद्री तक 30 करोड़ रुपये की लागत से फोरलेन सड़क निर्माण की मांग रखी गई है। यह सड़क बनने से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी बल्कि गंगरेल क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। आने वाले समय में यह मार्ग धमतरी की पहचान बन सकता है।

इसके अलावा शहर में भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं को देखते हुए रूद्री बैराज से वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तक 15 करोड़ रुपये की लागत से इंटेकवेल निर्माण की मांग रखी गई। महापौर ने कहा कि धमतरी तेजी से विस्तार कर रहा है और बढ़ती आबादी के साथ पानी की आवश्यकता भी बढ़ रही है। ऐसे में यह परियोजना आने वाले वर्षों में शहर के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी।

तीसरी प्रमुख मांग गोकुलपुर लक्ष्मी निवास चौक से बिलाई माता मंदिर होते हुए पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मूर्ति नहर चौक तक 15 करोड़ रुपये की लागत से गौरव पथ निर्माण की रही। इस सड़क के बनने से शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इन तीनों मांगों को जनता के हित से जुड़ा बताते हुए मंच से अपनी सहमति दे दी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों से स्वागत किया। माना जा रहा है कि जल्द ही इन योजनाओं की प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर कार्य प्रारंभ कराया जाएगा।

महापौर रामू रोहरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उन्होंने शहरवासियों से अंबेडकर चौक से रुद्री तक फोरलेन सड़क निर्माण का भरोसा दिलाया था, जिस पर अब मुख्यमंत्री ने भी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में धमतरी लगातार विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

महापौर ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि छोटे शहरों को भी बड़े शहरों की तरह आधुनिक सुविधाएं मिलें। यही कारण है कि धमतरी में सड़क, पानी, पर्यटन और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने लगातार काम किया जा रहा है। आने वाले समय में ये परियोजनाएं धमतरी की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएंगी।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

● समय-सीमा के भीतर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने के दिए निर्देश

सूरजपुर। जिले में राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अनुविभागों एवं तहसीलों में लंबित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा समय-सीमा से बाहर कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।

कलेक्टर ने न्यायालयवार राजस्व मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख सुधार, भू-अर्जन, पट्टा वितरण एवं अभिलेख दुरुस्तीकरण सहित विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए। बैठक में सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों और मांगों का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर, सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि जिला मुख्यालय से बाहर के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

स्व प्रदीप सतपथी का जन्मदिन आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ मनाया गया

● आधार कार्डो को भी अपडेट रखने की दी गई समझाइश

सरायपाली। उत्कल ब्राह्मण समाज सरायपाली के पूर्व संरक्षक एवं सतपथी टाइपिंग के संस्थापक रहे स्वर्गीय प्रदीप सुखदेव सतपथी का जन्मदिवस उनके परिजनों द्वारा आंगनबाड़ी के बच्चों के बीच मनाया गया। बच्चों के प्रति उनके विशेष लगाव एवं आत्मीयता को ध्यान में रखते हुए सोमवार को उनका जन्मदिवस आंगनवाड़ी के नन्हे बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को मिष्ठान एवं फल वितरण कर खुशियाँ बाँटी गईं।

स्वर्गीय प्रदीप सुखदेव सतपथी का जीवन सदैव समाज कल्याण, गांधी पदयात्रा तथा क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के उत्थान हेतु समर्पित रहा। उनके विचार, कार्यशैली एवं

सामाजिक योगदान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं।

इस अवसर पर उनके पुत्र व आधार गाइड किशोर सतपथी द्वारा आमजन से विशेष अपील करते हुए कहा गया कि वर्तमान में सोशल मीडिया पर ईंधन की कमी से संबंधित भ्रामक फोटो एवं वीडियो साझा कर लोगों को भ्रमित किया जा रहा है, जिसके कारण अनावश्यक रूप से ईंधन भंडारण बढ़ रहा है तथा क्षेत्र में कृत्रिम कमी की स्थिति उत्पन्न हो रही है। जनता से अनुरोध किया गया कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, अनावश्यक ईंधन भंडारण से बचें एवं शासन-प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। सरकार प्रत्येक परिस्थिति के समाधान हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

साथ ही सभी नागरिकों से अपने आधार कार्ड को समय-समय पर अपडेट रखने तथा बच्चों का एम.बी.यू. अपडेट अनिवार्य रूप से करवाने की अपील भी की गई, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस पार्षद दल के नेतृत्व में नगर निगम दुर्ग का घेराव किया गया

दुर्ग। शहर जिला कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस पार्षद दल के नेतृत्व में नगर निगम दुर्ग का घेराव कर जनता की आवाज बुलंद की गई। शहर में गहराते जल संकट, बदहाल सफाई व्यवस्था, लंबित पेंशन, कचरा प्रबंधन में लापरवाही एवं विकास कार्यों में अनियमितताओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा स्वीकृत कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को वर्तमान सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना के चलते रोक दिया, जिसका खामियाजा आज दुर्ग की जनता भुगत रही है। हजारों कांग्रेसजनों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ जनहित के मुद्दों पर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ यह आंदोलन आयोजित कर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

ऑडिटोरियम भवन में आयोजित हुआ जनसमस्या निवारण शिविर

● प्राप्त 87 आवेदनों में 65 का त्वरित निराकरण हितग्राही-मूलक सामग्री का किया गया वितरण

बलरामपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत नगरपालिका परिषद बलरामपुर के ऑडिटोरियम भवन में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 87 आवेदन प्रस्तुत किए। इनमें से 65 आवेदनों का निराकरण किया गया, साथ ही शेष आवेदनों का भी शीघ्र निराकरण किया जाएगा। साथ ही जनजातीय गरिमा उत्सव जनभागीदारी अभियान का शुभारंभ

करते हुए जनभागीदारी सबसे दूर सबसे पहले की थीम पर 18 से 25 मई तक आयोजित होने वाले अभियान की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

शिविर में नगरपालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी सहित सभी वार्डों के पार्षद एवं जनप्रतिनिधि, मुख्य नगरपालिका अधिकारी दीपक एक्का सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

शिविर में राजस्व विभाग, क्रेडा, कौशल विकास, खाद्य विभाग, नगर पालिका, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आमजन की समस्याएं सुनी गई तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान भी किया गया।

इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। खाद्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई एवं अन्नप्राशन आयोजित कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक सरल एवं सुगम तरीके से पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है ।

पेट्रोल-डीजल संकट और महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

● ईंधन संकट से आमजन परेशान, आपूर्ति सामान्य नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

कांकेर। पेट्रोल-डीजल की किल्लत और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर शहर एवं ग्रामीण द्वारा नगर के पेट्रोल पंप के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष ने किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पेट्रोल-डीजल संकट तथा महंगाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते

हुए शहर अध्यक्ष यासीन कराणी एवं ग्रामीण अध्यक्ष लोमेन्द्र यादव ने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार लगातार पर्याप्त ईंधन उपलब्ध होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि जिले के कई पेट्रोल पंपों में पेट्रोल और डीजल खत्म हो चुका है। इससे आम लोगों के साथ-साथ मालवाहक वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

खाद-बीज वितरण, धान उठाव, पीएम आवास, जल संरक्षण और सुशासन तिहार की प्रगति की हुई समीक्षा

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों, जन शिकायतों तथा योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन शिकायत, मुख्यमंत्री जन चौपाल, पीएमओ पोर्टल और कलेक्टर कार्यालय को प्राप्त शिकायतों व मांगों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने खरीफ सीजन को देखते हुए खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। खाद-बीज वितरण की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित

अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही धान खरीदी के बाद शेष धान के उठाव की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी उपार्जन केंद्रों से धान उठाव कार्य शीघ्र पूर्ण कर इसकी जानकारी प्रस्तुत की जाए।

कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग से सड़कों और मरम्मत कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिले के जिन गांवों में मोबाइल नेटवर्क की सुविधा नहीं है, उसकी भी जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। बिजली विभाग को जनदर्शन में प्राप्त मांगों का शीघ्र निराकरण करने तथा क्रेडा विभाग को प्राथमिकता के आधार पर सोलर पंप उपलब्ध कराने को कहा गया।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान ब्लॉकवार एवं विषयवार विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों और प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को नियमित मेडिकल उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित समाधान शिविरों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में प्राप्त शिकायतों, मांगों और आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाला कार्यक्रम है और इसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

20 मई को राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद, केमिस्ट संघ ने प्रशासन को सौंपी अग्रिम सूचना

जनधारा समाचार

कोण्डागांव। जिला दवा विक्रेता संघ कोंडागांव ने 20 मई 2026 को प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद को लेकर कलेक्टर एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अग्रिम सूचना दी है। संघ ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों के समर्थन में प्रशासन से हस्तक्षेप और राज्य व केंद्र सरकार तक अनुशंसा भेजने की मांग की है।

संघ ने बताया कि वह छत्तीसगढ़ केमिस्ट एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन (सीसीडीए) की जिला इकाई है तथा राष्ट्रीय संगठन एआईओसीडी के आह्वान पर यह बंद आयोजित किया जा रहा है। संगठन का दावा है कि देशभर में लगभग 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट एवं औषधि

वितरक इससे जुड़े हुए हैं।

ज्ञापन में अवैध ई-फार्मेसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, 28 अगस्त 2018 की अधिसूचना जीएसआर 817 (ई) को वापस लेने तथा बड़े कॉरपोरेट संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग यानी अत्यधिक छूट आधारित मूल्य निर्धारण नीति पर रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही 26 मार्च 2020 की अधिसूचना जीएसआर 220 (ई) को भी वापस लेने की मांग उठाई गई है।

सरायपाली क्षेत्र में आखिर अवैध शराब निर्माण, भंडारण व विक्रय का कारोबार रुक क्यों नहीं रहा

महुआ व निर्माण सामग्रियों की आसान उपलब्धता ही सबसे बड़ा कारण

व्यापारियों, अधिकारियों, तस्करों व निर्माताओं की मिलीभगत से हो रहा संभव

सरायपाली। सरायपाली के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार पुलिस व आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही किए जाने के बावजूद आखिर सरायपाली नगर व ग्रामीण क्षेत्रो में अवैध रूप से महुआ शराब के निर्माण व विक्रय पर अंकुश आखिर क्यों नहीं लग पा रहा है। उसके पीछे सबसे बड़ा कारण खुले रूप में महुआ व शराब बनाये जाने की सामग्री आसानी से उपलब्ध हो जाना है। महुवा खरीदी बिक्री के लाइसेंस की वजह से गांव गांव में इन दुकानदारों द्वारा चिल्हर में महुआ की बिक्री का फायदा शराब बनाने वालों को मिल रहा है। यहां तक की कुछ महुआ व्यवसायियों द्वारा शराब निर्माण में प्रयुक्त होने वाले सामग्रियों की आसानी से उपलब्धता भी अवैध शराब निर्माणकर्ताओं को प्रोत्साहित कर रही है।

सरायपाली व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो में पिछ्ले कई वर्षों से अवैध महुवा शराब के निर्माण, विक्रय व भंडारण किये जाने की शिकायतें प्रतिदिन आ रही है। इस अवैध शराब निर्माण के चलते विगत दिनों

बलौदा में जहरीली शराब से 3 ग्रामीणों के साथ ही अन्य क्षेत्रों से भी जहरीली शराब सेवन से मृत्यु की खबर आ चुकी है। इस अवैध शराब के खिलाफ पुलिस व आबकारी विभाग निरंतर कार्यवाही भी कर रहा है व उन्हें सफलता भी मिल रही है। किंतु लगातार कार्यवाही के बाद भी यह अवैध व्यवसाय कम होने के बजाय और बढ़ रहा है व फलफूल भी रहा है। आखिर इस पर नियंत्रण क्यो नहीं हो पा रहा है ? इस पर ध्यान व सर्वे करें तो तस्वीर साफ हो जायेगी। इस ओर आबकारी व मंडी का ध्यान बिल्कुल भी नहीं के बराबर है या पैसों के लालच में आँख मुंद कर यह विभाग बैठा हुआ है। आबकारी विभाग व छापामार कार्रवाई करने गए एजेंसियों पर आरोप लगते रहें हैं कि वह मामला तो पकड़ती है और बाद में पार्टी से लेनदेन के हल्के प्रकरण तैयार कर आरोपियों को बचा लिया जाता है इस वजह से आरोपी को संरक्षण मिल जाने के कारण वह पहले से अधिक अवैध शराब का निर्माण करता है।

गाँव गाँव मे आखिर अवैध महुआ शराब निर्माण के लिए इन लोगो के पास महुआ आता कहाँ से है। इसकी जानकारी पुलिस, आबकारी व मंडी विभाग को रखनी चाहिएथी सबसे बड़ी समस्या है ।इस पे यदि यह विभाग संज्ञान में लाकर कार्यवाही करे तो 90 प्रतिशत समस्या का समाधान स्वतः हो जायेगा। सरायपाली व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रो मे महुवा व्यवसाय हेतु मंडी द्वारा व्यवसायियों को लायसेंस दिया जाता है। लायसेंस दिए जाने के बाद मंडी प्रशासन यह निगरानी नहीं करता कि इस लायसेंस का सदुपयोग हो रहा है या दुरुपयोग। यहां भी पैसों का खेल चलता है।

नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में काफी संख्या में लायसेंसधारी व्यापारी व विना लायसेंसधारी व्यापारी महुवा का वैध व अवैध विक्रय कर रहे हैं। इन व्यापारियों द्वारा प्रतिदिन ग्रामीण क्षेत्रों से मोटरसाइकिल व अन्य वाहनों से अपनी आवश्यकतानुसार 10 किलो से लेकर बोरा बोरा महुआ की खरीदी की जाती है। यही लोग गांव गांव जाकर खुले में ग्रामीण क्षेत्रों में शराब बनाने वालों को महुआ उपलब्ध कराते हैं। इन्ही महुआ से गाँव गाँव में अवैध शराब का निर्माण व विक्रय किया जा रहा है। महुआ निर्माण से सम्बंधित सभी सामान आसानी से उपलब्ध हो जाने के कारण शराब बनाने का काम आसान हो रहा है व धड़ल्ले से महुआ शराब का निर्माण व विक्रय किया जा रहा है।

अब सवाल यह है कि इस अवैध शराब निर्माण को रोक व नियंत्रित कैसे किया जाये। सबसे पहले एसडीएम, पुलिस, मंडी व आबकारी विभाग को मिलकर मंडी प्रशासन से उनसे क्षेत्र में लायसेंसधारी महुआ व्यापारियों की सूची लेकर सभी व्यापारियों की एक बैठक आयोजित की जानी चाहिए। इन लायसेंसधारी व्यवसायियों को यह आवश्यक रूप से हिदायत दी जाए कि वे जिन लोगों को भी महुआ थोक व चिल्हर में विक्रय कर रहे हैं उन महुवा खरीददारों का नाम, पता, प्रयोजन, मोबाइल नंबर व हस्तक्षर के साथ रजिस्टर संधारित करें। इस प्रक्रिया से यह स्पस्ट हो जाएगा कि कौन कौन थोक व चिल्हर में महुआ खरीद रहा है। इसकी जानकारी भी रजिस्टर में दर्ज नामो से हो सकेगी इससे आने वाले समय मे शिकायत मिलने पर छापामार कार्यवाही किये जाने में आसानी होगी। महुआ खरीदते समय जब यह सब प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी तभी से इन लोगों पर डर समा जाएगा की अब नाम व पता दर्ज किया जा रहा है के डर से महुआ की विक्री स्वतः ही कम होगी और जब महुआ कम विक्रय होगा तो अवैध शराब निर्माण पर भी लगाम लगेगी।

सहायक ग्रेड-03 भर्ती: दावा-आपत्ति निराकरण के बाद 29 मई को होगी कौशल परीक्षा : बेमेतरा। महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा में सहायक ग्रेड-03 के रिक्त 02 पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया के तहत दावा-आपत्तियों के निराकरण के बाद अंतिम मेरिट सूची जारी कर दी गई है। भर्ती में 01 पद अनुसूचित जाति एवं 01 पद अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
निविदा सूचना क्रमांक-WRS-R-09-26-27-OT-PEENING, दिनांक: 12/05/2026
कार्य का नामः- डब्ल्यूआरएस/रायपुर में खुली निविदा के माध्यम से "शॉट पीनिंग मशीन की आपूर्ति, स्थापना और चालू करना, साथ ही भवन/शेड की व्यवस्था" । **अनुमानित निविदा मूल्य- रू. 72,68,937.14/-** (रूपये बहत्तर लाख अड़सठ हजार नौ सौ सैंतीस और चौदह पैसे मात्र) जीएसटी @18% सहित ।
मात्रा और संविदात्मक अवधि- संलग्नक के अनुसार 7 (सात) महीनों की अवधि के लिए ।
बयाना राशि (रू)- रू. 1,45,400/- (एक लाख पैंतालीस हजार चार सौ रूपये मात्र), **निविदा समाप्ति तिथि और समय- 03/06/2026** को 15:00 बजे, **बिड प्रारंभ की तारीख- 20/05/2026, पात्रता मापदंड-** वेबसाइट पर देखा जा सकता है ।
इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जाएगा । निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
उप. मुख्य यांत्रिक अभियंता/वैरिशा
पीआर/आर/डब्ल्यूआरएस/एएन/66 द.पू.म.रेलवे रायपुर
South East Central Railway @secrail

हैदराबाद में संचालित हाईटेक ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़

मास्टरमाइंड समेत 13 आरोपी गिरफ्तार

जनधारा समाचार
भिलाई। आईपीएल सीजन के दौरान ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही दुर्ग पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हैदराबाद में संचालित हाईटेक ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए मास्टरमाइंड समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा हुआ है, जबकि म्यूल अकाउंट के जरिए पूरे सिंडिकेट के संचालन की पुष्टि हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने किया बड़ा खुलासा

पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि 16 मई को थाना छावनी और एसीसीयू टीम ने जावेद अख्तर एवं आभास जायसवाल को बैंक खातों और दस्तावेजों सहित पकड़ा था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी स्लम एरिया और जरूरतमंद लोगों को लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे।

इसके बाद पासबुक, एटीएम, सिम कार्ड और चेकबुक को 25 हजार रुपये प्रति खाते के हिसाब से कुरूद निवासी कुणाल वर्मा को बेच दिया जाता था। इन खातों का उपयोग ऑनलाइन आईपीएल सट्टे में करोड़ों रुपये के डिपॉजिट और विड्रॉल के लिए किया जाता था।

हैदराबाद के फ्लैटों से चल रहा था सट्टे का नेटवर्क

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी हैदराबाद के अल्फापुरम स्थित एसएस रेसिडेंसी और शमसाबाद की नक्षत्र सोसायटी से सैट स्पोर्ट्स बुक - क्रिकेट बुक नामक ऑनलाइन पैनल संचालित कर रहे थे। स्थानीय युवकों को वहां ले जाकर सट्टा ऑपरेट कराया जाता था। सिंडिकेट के पास बड़ी संख्या में बैंक खाते, एटीएम कार्ड, मोबाइल नंबर और फर्जी दस्तावेजों का जाल मिला है।

कुणाल वर्मा निकला पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड

पुलिस के मुताबिक कुरूद जामुल निवासी कुणाल वर्मा पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड है। वही ऑनलाइन पैनल खरीदकर म्यूल अकाउंट की व्यवस्था करता था। पुलिस अब उसके ऊपर के नेटवर्क और फाइनेंशियल चैनल की जांच कर रही है। मामले में संगठित अपराध की धाराएं जोड़ी गई हैं और सभी आरोपियों की संपत्ति का ब्यौरा भी खंगाला जा रहा है।

5 करोड़ के ट्रांजेक्शन और 63 साइबर शिकायतें

पुलिस जांच में अब तक विभिन्न बैंक खातों में लगभग 5 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन सामने आए हैं। यही नहीं, इन खातों से जुड़े करीब 63 साइबर शिकायतों की भी जानकारी मिली है। दुर्ग पुलिस का कहना है कि म्यूल अकाउंट उपलब्ध कराने वाले अन्य लोगों पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

09 लैपटॉप, 46 मोबाइल और लाखों की नगदी जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और नकदी बरामद की है। पुलिस ने इनके पास से 09 लैपटॉप, 46 मोबाइल फोन 23 पासबुक, 107 एटीएम कार्ड लगभग 20 सिम कार्ड,2 लाख 57 हजार रुपये नगद बरामद किया गया है।

आईपीएल सीजन में दुर्ग पुलिस की 14वीं बड़ी कार्रवाई

दुर्ग पुलिस ने बताया कि आईपीएल सीजन के दौरान ऑनलाइन सट्टे और साइबर अपराध पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। यह इस सीजन की 14वीं बड़ी कार्रवाई है। फिलहाल फरार आरोपियों की तलाश जारी है और पुलिस टीम को अन्य राज्यों के लिए रवाना किया गया है।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

विक्की कुमार साहू,अभिषेक भारती,गुफरान खान,राजकुमार पासवान,तुकेश्वर साहू,जेदखान,के श्रीनु शेख सद्दाम,विकास राय,विकास निषाद,रोहित चौहान,कुणाल वर्मा,प्रतीक पटेल शामिल है। इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

थाना छावनी में अपराध क्रमांक 320/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं सहित छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सुखनंदन राठौर मौजूद थे।

गायत्री परियोजना प्रभावितों के लिए बड़ी खुशखबरी

ग्राम पोड़ी के प्रभावित परिवारों मिलेंगे 158 रोजगार

सूरजपुर। जिले के तहसील सूरजपुर अंतर्गत केतका स्थित गायत्री भूमिगत परियोजना, विश्रामपुर एसईसीएल क्षेत्र के लिए जिला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना से प्रभावित भूमिस्वामियों एवं आश्रितों के पुनर्वास और रोजगार संबंधी विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान ग्राम पोड़ी की अधिग्रहित निजी भूमि से संबंधित भूमिस्वामियों एवं आश्रितों को कोल इंडिया पुनर्वास नीति 2012 के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। प्रभावित परिवारों को नीति के तहत निर्धारित रोजगार के दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन करने के लिए बैठक आयोजित की गई। जिसमें घटते क्रम में वरीयता सूची के विकल्प पर सहमति व्यक्त की गई। बैठक में लिए गए इस निर्णयों के आधार पर ही अब प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने की आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि गायत्री भूमिगत परियोजना के अंतर्गत कुल 288.209 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है, जिसमें 220.784 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है। परियोजना से ग्राम जोबगा, गेतरा और पोड़ी प्रभावित हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम पोड़ी में कुल 128.55 हेक्टेयर (317.65 एकड़) भूमि अधिग्रहित की गई है। मुआवजा निर्धारण के समय यहां 200 खातेदार थे, जबकि अधिग्रहण तिथि के समय इनकी संख्या 172 खातेदार रही।

हरदी के सुशासन शिविर में 6 महिला स्वसहायता समूह को 6-6 लाख का चेक वितरण किया गया

- हितग्राहियों को राशन कार्ड, उज्ज्वला गैस, कृषि आदान, पीएम आवास प्रमाण पत्र वितरित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर पदमिनी भोई साहू की अध्यक्षता में सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत हरदी के हाईस्कूल प्रांगण में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया। इसमें जिला पंचायत सदस्य लता लक्ष्मे, विनोद भारद्वाज सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित थे। लता लक्ष्मे ने पेयजल समस्या का निराकरण करने और विनोद भारद्वाज ने सभी विभागों के अधिकारियों को कहा कि पात्र हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ दिलाएं। इस क्लस्टर जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल गांवों के ग्रामीणों ने ग्राम पंचायतवार अपने आवेदन का पंजीयन कराया। शिविर में स्वास्थ्य, आयुष और पशुधन विभाग द्वारा उपचार की व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा कुल 30 लाख रूपये का प्रतीकात्मक चेक, 6 महिला स्वसहायता समूह को 6-6 लाख का वितरण किया गया, इसमें स्वसहायता समूह उज्ज्वला रेड़ा, गुरूवारी हरदी, खुशी चुरेला, मां शारदा अमेठी और स्वागत चुरेला शामिल है। इसी तरह राशन कार्ड, पीएम उज्ज्वला योजना, कृषि आदान, पीएम आवास ग्रामीण पूर्णता प्रमाण पत्र के साथ-साथ गर्भवती माताओं का गोदभराई रस्म एवं शिशुओं का अन्न प्रासन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी विभागों के अधिकारियों ने अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। इसमें कृषि, महिला एवं बाल विकास, पशुधन, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, विद्युत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी, रेशम पालन, श्रम विभाग आदि शामिल थे। इसी क्रम में लखपति दीदियों ने भी बिहान समूह से कैसे लखपति बनीं और कौन से काम से लखपति बने उनकी कहानी बयां की।

कलेक्टर एवं अधिकारी बस से पहुँचे हरदी सुशासन शिविर

पीएम नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर पेट्रोल डीजल ईंधन की बचत के लिए सोमवार को सुशासन तिहार शिविर हरदी में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू सहित जिले के अधिकारीगण सामूहिक रूप से बस से पहुंचे।

खबर प्रकाशन के बाद जागा क्रेडा विभाग, एक महीने बाद भी नहीं बना सौर जलप्रदाय मोटर

- खराब मोटर लेकर पहुंचे क्रेडा कर्मचारी, घंटों मशक्कत के बाद भी नहीं चला पंप, ग्रामीणों में भारी नाराजगी

सूरजपुर/प्रतापपुर। जिले के प्रतापपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत केवरा के परसापारा में पेयजल संकट को लेकर प्रकाशित खबर के बाद आखिरकार क्रेडा विभाग हरकत में आया, लेकिन विभाग की कार्यशैली ने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, लगभग एक महीने पहले खराब हुए सौर जलप्रदाय मोटर को मरम्मत के नाम पर विभाग अपने साथ ले गया था। लगातार पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को उम्मीद थी कि विभाग नया या पूरी तरह मरम्मत किया गया मोटर लगाएगा, जिससे गांव में पानी की समस्या दूर हो सकेगी। लेकिन सोमवार को विभागीय कर्मचारी जब मौके पर पहुंचे तो उनके पास वही पुराना खराब मोटर था। कर्मचारियों ने घंटों तक मोटर को चालू करने का प्रयास किया, लेकिन मोटर चालू नहीं हो सका। आखिरकार विभागीय कर्मचारी मोटर को वापस सूरजपुर लेकर लौट गए।

इस पूरे घटनाक्रम को देखकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि एक महीने तक मोटर विभाग के पास रहा, इसके बावजूद उसे ठीक नहीं किया जा सका। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर विभाग ने इतने लंबे समय तक मोटर को अपने पास रखने के बाद भी उसकी मरम्मत क्यों नहीं करवाई।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्रेडा विभाग की लापरवाही के कारण गांव में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। लोगों को मजबूरी में दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, वहीं कुछ परिवार तालाब और अन्य असुरक्षित जल स्त्रोतों का सहारा लेने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल नया मोटर लगाकर पेयजल व्यवस्था बहाल की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। अब देखना होगा कि लगातार सवालों के घेरे में आ रहे क्रेडा विभाग द्वारा ग्रामीणों की समस्या का स्थायी समाधान कब तक किया जाता है।

गौठान में पशुओ को गर्मी से राहत दिलाने ग्रीन नेट की व्यवस्था

जनधारा समाचार
भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन-1 नेहरू नगर अंतर्गत पशुओ की देखरेख के लिए गौठान स्थापित है। जहां नई उड़ान महिला समिति द्वारा पशुओ की देखरेख का कार्य किया जाता है और सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

निगम क्षेत्र के कोसानाला स्थिति गौठान में घूमन्तु पशुओ को पकड़कर रखा जाता है। पशुओ की देखरेख, चिकित्सा सुविधा समिति द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं नगर निगम भिलाई द्वारा पानी एवं हरा चरा की व्यवस्था उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे पशुओ को किसी प्रकार की परेशानी न हो। गौठान के अंदर पशुओ के लिए अलग से 2 शेड निर्माण किया जा रहा है, जिसमें से 1 शेड का कार्य पूर्ण हो चुका है और दुसरा शेड निर्माणाधीन है, जो जल्द पूर्ण कर लिया जाएगा। भीषण गर्मी को देखते हुए पशुओ को गर्मी से बचाने के लिए ग्रीन नेट लगाया गया है, जिससे पशुओ को गर्मी से राहत मिल सके। कुछ गौ सेवकों के द्वारा भी हरा चारा एवं ग्रीन नेट दान किया गया है। वर्तमान में पशुओ को सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही है। नगर पालिक निगम भिलाई नागरिको से अपील करती है कि अपनी स्वेच्छा के अनुसार पशुओ की सुविधा के लिए हरा चारा एवं अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान करते है।

खिलोरा में समाधान शिविर बना ग्रामीणों की उम्मीदों का केंद्र

बेमेतरा। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में विशाल समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया तथा अपनी समस्याओं और मांगों को प्रशासन के समक्ष रखा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। शिविर का माहौल पूरी तरह जनसेवा और जनसुनवाई केंद्रित रहा, जहाँ प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद देखने को मिला। कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण उस समय देखने को मिला, जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत आवास पूर्ण होने पर हितग्राहियों को उनके नए पक्के मकानों की चाबी और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। वर्षों से कच्चे मकान में जीवन यापन कर रहे ग्रामीणों के लिए यह पल किसी सपने के साकार होने से कम नहीं था। शिविर में ग्राम खिलोरा की निवासी श्रीमती कलिन्द्री बाई सहित तीन हितग्राहियों को मुख्य अतिथियों के हाथों आवास की चाबी सौंपी गई।

पेट्रोल-डीजल संकट व बढ़ती महंगाई के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस का हल्लाबोल

भाजपा सरकार के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

जगदलपुर। सोमवार को बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के निर्देश पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नानगुर अध्यक्ष फूलसिंह बघेल के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नानगुर के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल संकट व बढ़ती महंगाई के खिलाफ बिल्लौरी पेट्रोल पंप के समक्ष नारेबाजी करते हुए केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा भाजपा सरकार केवल बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने में लगी हुई है, जबकि आम जनता महंगाई से त्रस्त है।भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन खर्च बढ़ गया है।पेट्रोल डीजल बाधित आपूर्ति बढ़ती कीमतों एवं रसोई गैस सिलेंडर के दाम, खाद्य तेल, दाल, चावल, सब्जियों सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। महिलाओं का घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है और गरीब परिवारों के सामने दो वक्त की रोटी जुटाना भी कठिन हो गया है। और भाजपा सरकार में बैठे लोग सिर्फ अपनी झूठी वाहवाहीज्लूटाने और और प्रचार-प्रसार में व्यस्त हैं।

वहीं ब्लॉक अध्यक्ष नानगुर फूलसिंह बघेल ने बताया आज देश और प्रदेश की जनता महंगाई के बोझ तले दबी जा रही है। पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार आम आदमी की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मालभाड़ा बढ़ गया है, जिससे खाने-पीने की चीजें, सब्जियां और रोजमर्रा का हर सामान महंगा हो गया है।

ग्राम खिलोरा को विधायक दीपेश साहू की विकास सौगात

बेमेतरा। सुशासन तिहार के अवसर पर विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खिलोरा में आयोजित समाधान शिविर विकास और जनकल्याण का केंद्र बन गया। शिविर में क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू ने ग्रामवासियों को विभिन्न विकास कार्यों की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए करोड़ों नहीं बल्कि सीधे ग्रामीण जरूरतों से जुड़े ऐसे कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया, जिनसे गांव के लोगों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण जन, जनप्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। ग्राम खिलोरा में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में विधायक दीपेश साहू ने दो महत्वपूर्ण सीसी रोड निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें भोला के घर से पूरन के घर तक 5.20 लाख रुपए की लागत से निर्मित सीसी रोड तथा गयाराम के घर से मौली माता मंदिर तक 5 लाख रुपए की लागत से बने सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन शामिल है।ग्रामीणों ने लंबे समय से इन सड़कों की मांग की थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और आवागमन की समस्या से परेशान ग्रामीणों को अब राहत मिलेगी। सड़क निर्माण से गांव के भीतर आवागमन सुगम होने के साथ-साथ मंदिर और आवासीय क्षेत्र तक पहुंच भी आसान होगी।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में 20 मई को बंद रहेगी मेडिकल दुकानें

- बिना प्रिस्क्रिप्शन दवा बिक्री के विरोध में दंतेवाड़ा के दवा व्यापारी लामबंद

दंतेवाड़ा। ऑनलाइन माध्यम से हो रही दवाइयों की बिक्री के विरोध में दंतेवाड़ा जिले के दवा व्यापारी भी अपनी संस्थान बंद रख आंदोलन को समर्थन देंगे। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर जिले के मेडिकल संचालकों ने 20 मई को एक दिवसीय सांकेतिक बंद का निर्णय लिया है। इस दौरान दंतेवाड़ा शहर सहित जिलेभर की सभी मेडिकल दुकानें बंद रहेंगी।

औषधि संघ के अध्यक्ष विनोद मिश्रा ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए बिना पर्याप्त निगरानी के दवाइयों की बिक्री की जा रही है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। कई मामलों में बिना डॉक्टर के वैध प्रिस्क्रिप्शन के दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जो दवा नियंत्रण नियमों का खुला उल्लंघन है। सचिव गोपाल मंडल ने बताया कि दवाइयां सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं, बल्कि सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी होती हैं। ऐसे में ऑनलाइन माध्यम से अनियंत्रित बिक्री नकली, गलत अथवा एक्सपायरी दवाओं के प्रसार को बढ़ावा दे सकती है। इससे मरीजों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ऑनलाइन दवा कारोबार के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय मेडिकल व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। छोटे और मध्यम स्तर के मेडिकल संचालकों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति बन रही है। कई दुकानदारों की बिक्री लगातार घट रही है, जिससे उनके रोजगार पर भी खतरा मंडरा रहा है। विनोद मिश्रा ने कहा कि मेडिकल दुकानों में प्रशिक्षित फार्मासिस्ट मरीजों को दवा देने से पहले आवश्यक जानकारी और सावधानियां बताते हैं, जबकि ऑनलाइन बिक्री में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं होती। इससे गलत दवा सेवन और दुष्प्रभाव की संभावना बढ़ जाती है।

बोर खनन से 100 से अधिक लोग हो रहे लाभान्वित

बलरामपुर। प्रशासन की संवेदनशील और त्वरित पहल से ग्राम ओरंगा में बोर खनन कार्य से अब गांव में स्वच्छ पेयजल पहुंचने लगा है जिससे ग्राम के दूरस्थ बसाहटों के निवासियों को राहत मिली है।

भीषण गर्मी की तपती दोपहर और सूखते जल स्त्रोतों के बीच ग्राम पंचायत ओरंगा की दूरस्थ बसाहटें सेमरखोंचा, कोरहटीपारा, भागीडीहपारा और तुमवापारा कठिन दौर से गुजर रही थीं। पानी की तलाश अब ग्रामीणों की रोजमर्रा की सबसे बड़ी चिंता बन गई थी। सुबह होते ही कई किलोमीटर दूर तक पानी की तलाश में भटकना उनकी मजबूरी बन गई थी। लेकिन इसी बीच प्रशासन तक जब ग्रामीणों की समस्या पहुंची, तो तुरंत पहल शुरू हुई। अधिकारियों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्राथमिकता के आधार पर बोर खनन कार्य प्रारंभ कराया। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली अब लोगों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई के बाद गांव के लोगों ने राहत महसूस की है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें दूर-दूर तक भटकना नहीं पड़ता और घर के पास ही स्वच्छ पानी उपलब्ध हो रहा है।

जनपद सीईओ रामचंद्रपुर ने जानकारी दी है कि बोर खनन से 100 से अधिक ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है।

केसीजी जिले में 20 मई को बंद रहेंगी दवा दुकानें

ई-फार्मेसी और कॉरपोरेट छूट नीति के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन

- आपातकालीन सेवा के लिये जारी हुआ नंबर

खैरागढ़। ई-फार्मेसी और कॉरपोरेट छूट नीति के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत् केसीजी जिले में भी 20 मई बुधवार को समस्त दवा दुकानें पूर्णतः बंद रहेगी। हालांकि आम जनता के हित में नेक पहल करते हुये दवा दुकान संचालकों ने आपातकालीन सेवा के लिये केसीजी में भी कुछ हेल्पलाइन नंबर जारी किये है। गौरतलब है कि पूरे भारत देश के दवा विक्रेताओं और औषधि वितरकों ने बुधवार 20 मई 2026 को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का ऐलान किया है। इसी कड़ी में जिला दवा विक्रेता संघ, राजनांदगांव ने केसीजी जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष शर्मा को ज्ञापन सौंपकर बंद की अग्रिम सूचना दी है। गौरतलब है कि दवा विक्रेता संघ ने इसे केवल व्यापारिक नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य और छोटे दवा कारोबारियों के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा बताया है और संघ ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन छत्तीसगढ़ केमिस्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन (सीसीडीए) व राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर किया जा रहा है और संगठन के अनुसार देशभर के लगभग 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट्स और औषधि वितरक इस आंदोलन से जुड़े हुए हैं, जबकि उनके साथ प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 4 से 5 करोड़ लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सौंपे ज्ञापन में दवा विक्रेता संघ ने कहा कि केंद्र और राज्य स्तर पर कई बार निवेदन करने के बावजूद औषधि व्यापार व जनस्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मुद्दों का समाधान नहीं किया गया है इससे दवा वितरण प्रणाली पर लगातार गंभीर संकट गहराता जा रहा है।

आंदोलन की है 3 प्रमुख मांगें: दवा व्यापारियों ने तीन प्रमुख मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया है और इनमें अवैध ई-फार्मेसी संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, 28 अगस्त 2018 की अधिसूचना जीएसआर 817 (ई) को वापस लेने व 26 मार्च 2020 की अधिसूचना जीएसआर 220 (ई) को निरस्त करने की मांग शामिल है वही इसके अलावा बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग यानी अत्यधिक छूट आधारित मूल्य निर्धारण नीति पर प्रभावी रोक लगाने की भी मांग की गई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चांपा, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

चांपा, दिनांक 12/05/2026

ईश्तहार/उदघोषणा

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि :-

आवेदक कोमलप्रकाश देवांगन पिता स्व. मितन लाल निवासी बरछा पारा चांपा तहसील चांपा जिला जांजगीर-चांपा छ.ग. द्वारा चांपा स्थित भूमि नजूल शीट क्रमांक 05 सी भू-खण्ड 301/2 क्षेत्रफल 248 वर्गफिट भूमि है। जिस पर मकान निर्मित है, जो नजूल अभिलेख मितनलाल पिता पराऊराम के नाम से नजूल अभिलेख में दर्ज है। जिसमें मितनलाल की मृत्यु दिनांक 05.07.2018 को हो जाने फौती नामांतरण कराने सहपत्रों आवेदन पत्र धारा109, 110 अंतर्गत सहपत्रों सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति/दावा हो तो वे अपना दस्तावेजी आपत्ति/दावा दिनांक 28/05/2026 तक इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति उपस्थित हो कर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से आज दिनांक 12/05/2026 को जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
चांपा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चांपा, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

चांपा, दिनांक 12/05/2026

ईश्तहार/उदघोषणा

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि :-

आवेदक विजय कुमार सोनी पिता स्व. बिटावन प्रसाद सोनी निवासी सोनारपारा चांपा तहसील चांपा जिला जांजगीर-चांपा छ.ग. द्वारा चांपा स्थित भूमि नजूल शीट क्रमांक 05 बी भू-खण्ड 110/1 क्षेत्रफल 231 वर्गमीटर भूमि जिस पर मकान निर्मित है, जो नजूल अभिलेख में विजय कुमार सोनी पिता स्व. बिटावन प्रसाद सोनी के नाम से नजूल अभिलेख में दर्ज है। पट्टाघृति अधिनियम के तहत पट्टा जारी हुआ था। पट्टा को जारी हुए 30 वर्ष से अधिक हो चुका है। इसलिए आवेदक शासन के नियमानुसार पट्टे का नवीनीकरण करने के लिए आवेदन पत्र पेश किया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति/दावा हो तो वे अपना दस्तावेजी आपत्ति/दावा दिनांक 28/05/2026 तक इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति उपस्थित हो कर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से आज दिनांक 12/05/2026 को जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
चांपा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चांपा, जिला-जांजगीर चांपा (छ.ग.)

चांपा, दिनांक 14/05/2026

ईश्तहार/उदघोषणा

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि :-

आवेदिका श्रीमती कुमुद तिवारी पति स्व. संजीव तिवारी निवासी रेल्वे स्टेशन पारा चांपा तहसील चांपा जिला जांजगीर-चांपा छ.ग. द्वारा चांपा स्थित भूमि नजूल शीट क्रमांक 44 सी भू-खण्ड 15/3 क्षेत्रफल 23 वर्गमीटर भूमि है। जिस पर मकान निर्मित है, जो नजूल अभिलेख स्व. संजीव तिवारी पिता स्व. तुलसी प्रसाद तिवारी के नाम से नजूल अभिलेख में दर्ज है। जिसमें स्व. संजीव तिवारी की मृत्यु दिनांक 20.11.2025 को हो जाने फौती नामांतरण कराने सहपत्रों आवेदन पत्र धारा 109, 110 अंतर्गत सहपत्रों सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति/दावा हो तो वे अपना दस्तावेजी आपत्ति/दावा दिनांक 28/05/2026 तक इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति उपस्थित हो कर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से आज दिनांक 14/05/2026 को जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
चांपा

शुभेंदु सरकार के पांच बड़े फैसले

महिलाओं को 3000 रुपये की सहायता, सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा का दिया तोहफा

कोलकाता। बंगाल की शुभेंदु सरकार ने कैबिनेट बैठक में बड़े फैसले लिए हैं। बंगाल सरकार की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने बैठक के बाद सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की जानकारी दी। अग्निमित्रा पॉल ने बताया कि पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल ने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना की मंजूरी दी है। साथ ही सातवें वेतन आयोग के गठन को भी मंजूरी दे दी गई है।

शुभेंदु सरकार के पांच बड़े फैसले क्या हैं?

- बंगाल में अन्नपूर्णा योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को 1 जून से हर महीने 3,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।
- राज्य सरकार ने 1 जून से महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा को भी मंजूरी दे दी है।
- पॉल ने बताया कि राज्य कर्मचारियों, संबद्ध वैधानिक निकायों और शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के गठन को भी कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

- राज्य मंत्रिमंडल ने जून महीने से धार्मिक आधार पर समूहों को दी जाने वाली सरकारी सहायता बंद करने का भी फैसला किया है।
- नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले लोगों और मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करने वाले लोगों को अन्नपूर्णा योजना का लाभ दिया जाएगा।

पहली कैबिनेट बैठक में भी शुभेंदु सरकार ने लिए थे बड़े फैसले

- शुभेंदु सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में भी कई बड़े फैसले लिए थे, जिनमें स्कूलों में नौकरी के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों के लिए उम्र सीमा पांच साल बढ़ाने की मंजूरी देना भी शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान इसका वादा किया था और शुभेंदु सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में इसकी मंजूरी दे दी थी।
- साथ ही राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू करने की मंजूरी भी दी गई है। इस योजना को पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने लागू करने से मना कर दिया था। इस योजना के तहत केंद्र सरकार आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधा प्रदान करती है। अब बंगाल के लोग भी इस योजना का लाभ ले सकेंगे।
- शुभेंदु सरकार ने बांग्लादेश की सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन देने के फैसले को भी मंजूरी दी। बंगाल में घुसपैठ रोकने के लिहाज से सरकार का यह फैसला बेहद अहम है। सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन देने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई है और इसे 45 दिनों के भीतर पूरा किया जाना है।
- शुभेंदु सरकार ने बंगाल में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) को भी औपचारिक रूप से लागू करने का फैसला लिया है। पिछली ममता बनर्जी सरकार ने इसे लागू करने से मना कर दिया था।
- बंगाल सरकार ने जनगणना से संबंधित गृह मंत्रालय के जून 2025 के परिपत्र तत्काल लागू करने का भी आदेश दिया है, जिन्हें पिछली सरकार ने नजरअंदाज किया था।

पत्थर फेंके, एसी भी तोड़े, टीएमसी नेता के घर फूटा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली। हावड़ा के आमता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कश्मुली ग्राम पंचायत में सोमवार को ग्रामीणों के भारी आक्रोश के कारण कानून-व्यवस्था बिगड़ गई. स्थानीय कश्मुली ग्राम पंचायत के प्रमुख तरुण दलुई के आवास पर एक उग्र भीड़ ने अचानक धावा बोल दिया और परिसर में जमकर तोड़फोड़ की. गांव के गुस्साए लोगों ने प्रधान के घर को निशाना बनाते हुए संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया।

घटना की जानकारी मिलते ही जॉयपुर पुलिस थाने के अधिकारी और भारी पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने स्थिति को अपने कंट्रोल में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जॉब कार्ड में गबन का आरोप

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गांव वालों की इस नाराजगी की मुख्य वजह स्थानीय स्तर पर चल रहा वित्तीय भ्रष्टाचार है. ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रमुख तरुण दलुई ने सरकारी आवास योजना (हाउसिंग स्कीम) के तहत गरीबों के

लिए आवंटित किए गए फंड का गबन किया है.

इसके साथ ही, सरकारी योजनाओं से जुड़े 'जॉब कार्ड' की मजदूरी का पैसा भी लाभार्थियों तक नहीं पहुंचने दिया गया और उसे हड़प लिया गया. हक की कमाई और सरकारी मदद न मिलने से परेशान गांव वालों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने सामूहिक रूप से प्रधान के घर का घेराव कर हमला कर दिया.

इस पूरी घटना को लेकर हावड़ा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक सुबिरमल पाल ने फोन पर आधिकारिक पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि 'जॉब कार्ड' और उससे जुड़े भुगतान को लेकर स्थानीय लोगों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था. इसी विवाद के बढ़ने पर स्थानीय लोगों ने कानून अपने हाथ में लिया और पंचायत प्रमुख के आवास पर धावा बोल दिया.

पुलिस अधीक्षक सुबिरमल पाल ने आगे कहा कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है, इस हिंसा और तोड़फोड़ की घटना में शामिल दोषी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है।

वियतनाम और दक्षिण कोरिया दौरे पर राजनाथ सिंह

भारत की रक्षा साझेदारी को मिलेगी नई मजबूती

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को वियतनाम और दक्षिण कोरिया के आधिकारिक दौरे पर रवाना हुए। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत की रक्षा साझेदारी को मजबूत करना, रणनीतिक सैन्य सहयोग बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और शांति को बढ़ावा देना है। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि वे हनोई पहुंचकर इस यात्रा की शुरुआत करेंगे और दोनों देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा पर रहेगा फोकस

रक्षा मंत्री ने बताया कि इस यात्रा के दौरान उनका ध्यान विशेष रूप से रक्षा सहयोग, सैन्य साझेदारी और समुद्री सुरक्षा पर रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत, वियतनाम और दक्षिण कोरिया के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को और विस्तार देना चाहता है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां

बढ़ रही हैं और देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी में लगातार मजबूती

हाल ही में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी का अहम स्तंभ माना था। दोनों देशों ने रक्षा नीति संवाद, संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सहयोग, नौसेना बंदरगाह दौरे, रक्षा उत्पादन और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई थी। इसके अलावा भारत द्वारा दिए गए रक्षा ऋण लाइनों के तहत वियतनाम की सैन्य क्षमता को मजबूत करने की दिशा में भी प्रगति हुई है।

ईरान में सजा-ए-मौत का खौफनाक रिकॉर्ड! एक साल में ही 2 हजार से अधिक फांसी

टूटा 44 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दुनियाभर में सजा-ए-मौत (फांसी) के मामलों को लेकर एक बेहद डराने वाली और चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 के दौरान अकेले ईरान में ही कम से कम 2,159 लोगों को फांसी की सजा दी गई। यह आंकड़ा कितना खौफनाक है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ईरान में साल 1981 के बाद यानी पिछले 44 सालों में किसी भी एक साल के भीतर दी गई यह सबसे ज्यादा फांसी है। ईरान में साल 2024 के मुकाबले 2025 में फांसी के मामलों में दोगुने से भी ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड बढ़ोतरी और चीन का सीक्रेट

अगर पूरी दुनिया की बात करें, तो एमनेस्टी इंटरनेशनल ने साल 2025 में वैश्विक स्तर पर कम से कम 2,707

लोगों को फांसी दिए जाने की पुष्टि की है। यह संख्या साल 2024 की तुलना में दो-तिहाई से भी ज्यादा है। हालांकि, मानवाधिकार संगठन का कहना है कि इस वैश्विक आंकड़े में चीन के आंकड़े शामिल नहीं हैं। चीन को दुनिया में सबसे ज्यादा फांसी देने वाला देश माना जाता है, लेकिन वहां की सरकार मौत की सजा से जुड़े डेटा को स्टेट सीक्रेटज (सरकारी गोपनीयता) मानकर छिपाकर रखती है। एमनेस्टी का मानना है कि चीन जानबूझकर फांसी की खबरों को दबाता है ताकि वह जनता को यह संदेश दे सके कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा या स्थिरता के खिलाफ किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं करेगी। चीन के इन छिपे हुए हजारों मामलों को छोड़ दिया जाए, तो भी आधिकारिक तौर पर दर्ज 2,707 का यह आंकड़ा साल 1981 के बाद से दुनिया में सबसे बड़ा है, जिसने मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

इजरायल-अमेरिका से जंग का असर?

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि ईरान में फांसी के मामलों में यह चौंकाने वाली बढ़ोतरी तब देखी गई, जब वहां के हुक्मरानों ने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए मौत की सजा को एक राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। खासकर जून 2025 में इजरायल के साथ भड़की जंग के बाद ईरानी प्रशासन ने अपनी जनता की आवाज दबाने, असंतोष को कुचलने और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों को ताक पर रखने के लिए बड़े पैमाने पर लोगों को फंदे पर लटकाया।

बीमारी से तंग कैंसर मरीज ने अस्पताल में दी जान

ब्लेड से काटा खुद का गला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पीजीआई अस्पताल से एक दुखद घटना सामने आई है. अस्पताल में भर्ती एक मरीज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया. शख्स ने ब्लेड से अपना गला काटकर जान दे दी. घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, मृतक मरीज पिछले करीब एक महीने से अस्पताल में भर्ती था और वह लीवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था. बताया जा रहा है कि लंबे समय से चल रहे इलाज और आर्थिक परेशानियों के कारण वह काफी तनाव में था. हालांकि, इन बातों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. अस्पताल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. अधिकारियों का कहना है कि मामले के हर पहलू से जांच की जा रही है और परिस्थितियों को समझने के लिए संबंधित लोगों से पूछताछ भी की जाएगी।

फिलहाल पुलिस जांच रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है. इस घटना के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच भी चिंता का माहौल देखा गया. वहीं प्रशासन मामले से जुड़ी सभी परिस्थितियों की गंभीरता से पड़ताल कर रहा है।

वर्चस्व की जंग: NCP में सियासी खींचतान

अनुभवी नेताओं और युवा गुट के बीच फंसीं सुनेत्रा पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में इन दिनों पार्टी पर कब्जे को लेकर एक शांत लेकिन तीखी जंग चल रही है। इस विवाद के केंद्र में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री और पार्टी की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार हैं। बारामती उपचुनाव जीतने के बाद अब उनके सामने पार्टी के भीतर दो गुटों को संभालने की बड़ी चुनौती है।

एक पत्र के सामने आने के बाद उड़ीं खबरें

पार्टी के जानकार बताते हैं कि सुनेत्रा पवार अपने बेटे पार्थ पवार के युवा गुट और प्रफुल्ल पटेल व सुनील तटकरे जैसे अनुभवी नेताओं के बीच फंसी हुई हैं। यह विवाद तब खुलकर सामने आया जब सुनेत्रा पवार ने चुनाव आयोग को एक पत्र भेजा। इस पत्र में प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे के पदों का जिक्र नहीं किया गया था। जबकि छोटे

पदाधिकारियों के पद साफ लिखे थे, इन दो बड़े नेताओं के नाम के आगे जगह खाली छोड़ दी गई थी।

इस पत्र के लीक होने से पार्टी में फिर से फूट की खबरें उड़ने लगीं। हालांकि, सुनेत्रा पवार और उमेश पाटिल जैसे नेताओं ने इसे तकनीकी गलती बताया। लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह पार्थ पवार के नेतृत्व वाले युवा गुट की एक सोची-समझी चाल थी। इसका मकसद अनुभवी नेताओं को पार्टी पर पूरी तरह कब्जा करने से रोकना था।

सुनेत्रा पवार के सामने तीन बड़ी चुनौतियां

सुनेत्रा पवार के सामने अब तीन बड़ी चुनौतियां हैं। पहली चुनौती परिवार और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाना है। अगर वह दिग्गजों को किनारे करती हैं, तो पार्टी का ढांचा कमजोर हो सकता है। दूसरी चुनौती संसाधनों की कमी है। दिवंगत अजित पवार के पास वित्त मंत्रालय था, जिससे वह ग्रामीण क्षेत्रों के नेताओं को फंड दे सकते थे। सुनेत्रा के पास अभी आबकारी और खेल जैसे मंत्रालय हैं। ऐसे में जिला बैंकों और सहकारी संस्थाओं के नेताओं को अपने साथ जोड़े रखना उनके लिए मुश्किल होगा। तीसरी चुनौती शरद पवार के गुट से मिल रही टक्कर है। रोहित पवार जैसे विपक्षी नेता इस आंतरिक कलह का फायदा उठा रहे हैं। वे अफवाहें फैला रहे हैं कि अनुभवी नेता केवल अपने फायदे के लिए पवार परिवार का साथ दे रहे हैं।

पीएम मोदी का खास बताकर ठगी करने वाले को मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को किया रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपी कासिफ को जमानत दे दी, जबकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया था। काशिफ के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है, जिसमें आरोप है कि उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे केंद्रीय मंत्रियों के करीबी सहयोगी होने का ढोंग करके लोगों से पैसे ऐंठे हैं।

इलाहाबाद HC ने कर दिया था इनकार

बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें

पहले काशिफ को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। राहत देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह बात नोट की कि काशिफ पहले ही लगभग तीन साल जेल में बिता चुका है। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि हम इस आदेश को रद्द करने के पक्ष में हैं। इसका कारण यह है कि अपीलकर्ता पिछले तीन साल से जेल में बंद है।

जमानत के साथ लिया यह वादा

अदालत ने काशिफ से यह वादा भी लिया कि वह भविष्य में संवैधानिक अधिकारियों या सरकारी अधिकारियों के नामों का इस्तेमाल नहीं करेगा। अदालत ने उसे चल रही कार्यवाही में सहयोग करने का निर्देश दिया और यह स्पष्ट किया कि यदि वह किसी भी शर्त का उल्लंघन करता है या अपने वादे को तोड़ता है, तो प्रवर्तन निदेशालय (ED) उसकी जमानत रद्द करने की मांग कर सकता है।

धोखाधड़ी और जालसाजी का केस

ईडी का यह मामला अप्रैल 2023 में दर्ज एक ECIR से जुड़ा है, जो गौतम बुद्ध नगर के सूरजपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक FIR पर आधारित थी। इस FIR में धोखाधड़ी, जालसाजी और Information Technology Act के प्रावधानों सहित कई आरोप लगाए गए थे।

लखीमपुर खीरी में भीषण हादसा

ट्रक और मैजिक की भिड़ंत, दो भाइयों समेत 10 लोगों की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर-बहराइच नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। यह भीषण हादसा ट्रक और मैजिक गाड़ी की टक्कर से हुआ। मरने वाले सभी लोग मैजिक गाड़ी में सवार थे। हादसे के बाद ट्रक का चालक मौके से भाग गया।

सुबह आठ बजे हुआ हादसा

सुबह करीब आठ बजे हुए भीषण हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस फोर्स पहुंचा। बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को सीएचसी खमरिया में पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने नौ लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक घायल को ओयल अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई।

नौ मृतकों की हुई पहचान

बताया जा रहा है कि मैजिक गाड़ी में 10 लोग सवार थे। इन सभी की मौत हो गई। हादसे में मरने वाले नौ लोगों की शिनाख्त हो गई है। मैजिक लखीमपुर से सिसैया जा रही थी, जबकि ट्रक बहराइच की ओर से आ रहा था।

इन मृतकों की हुई शिनाख्त

- अदनान (15 वर्ष) पुत्र अकील खान निवासी मुस्लिमनगर रामापुर, कोतवाली सदर, खीरी।
- पप्पू (18 वर्ष) पुत्र दूलन गौतम निवासी देवदत्तपुर थाना खैरी घाट, बहराइच।
- पवन पुत्र संतोष निवासी मझरा थाना मूर्तिहा, जनपद बहराइच।
- सोहन (21 वर्ष) पुत्र संतोष निवासी मझरा, थाना मूर्तिहा, जनपद बहराइच। पवन और सोहन आपस में सगे भाई हैं।
- राजेश गोयल पुत्र मनिलाल निवासी महपुरवा थाना मिहींपुरवा, बहराइच।
- सहजराम (35 वर्ष) पुत्र छोटेलाल निवासी ककरहा मूर्तिहा, जनपद बहराइच।
- जयवीर सिंह पुत्र पेशकार सिंह निवासी मनगौढिया, जनपद बहराइच।
- गायत्री गुप्ता (44 वर्ष) रमेश चंद्र गुप्ता मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर बस स्टॉप सीतापुर थाना कोतवाली सदर, खीरी।
- जुलेखा 45 पत्नी हबीब, पलटूपुरवा थाना धौरहरा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली और घटनास्थल का भी मुआयना किया।

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये मुआवजा

मुख्यमंत्री योगी ने लखीमपुर सड़क हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाए।

प्रथम पेज का शेष

गुजरात जा रही कार से नौ करोड़ के ...

220 रुपए आंकी गई है। वहीं परिवहन में प्रयुक्त वोक्सवैगन कार की कीमत लगभग 10 लाख रुपए बताई गई। इस प्रकार कुल जप्त संपत्ति की कीमत 9 करोड़ 27 लाख 84 हजार 220 रुपए है। पुलिस ने वाहन चालक जयेश अकबरी (32 वर्ष), सुनीत कारेना (22 वर्ष) तथा रूशी अग्रावत (26 वर्ष), सभी निवासी राजकोट (गुजरात), से सोने के आभूषणों के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु धारा 94 बीएनएसएस के तहत नोटिस दिया गया दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर धारा 106 बीएनएसएस के तहत सोने के आभूषण एवं वाहन को जप्त कर अग्रिम कार्रवाई के लिए आयकर विभाग एवं राजस्व सूचना निदेशालय छत्तीसगढ़ को सूचना भेजी गई है।

सरगुजा में 95किलो चांदी और ...

प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि, आरोपियों के खिलाफ धारा 317(2), 317(3),3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

वीडी सतीशन केरलम सीएम बने

अध्यक्ष का चुनाव होगा। राज्यपाल का नीतिगत संबोधन 29 मई को निर्धारित है, और राज्य का बजट 5 जून तक पेश किए जाने की संभावना है।

शपथ ग्रहण के बाद सीएम सतीशन ने कैबिनेट की पहली बैठक की। इस दौरान कई बड़े फैसले किए गए। 15 जून से महिलाएं केएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। राज्य के बुजुर्गों के लिए एक विशेष विभाग बनाने की घोषणा की गई। आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 3,000 रुपए बढ़ाया गया है। 2023 में नव केरल यात्रा के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं पर हुए हमले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। राज्य की वित्तीय स्थिति और राजकोष पर एक 'श्वेत पत्र' जारी किया जाएगा।

केरलम के मंत्री पी. सी. विष्णुनाथ ने कहा कि यह एक गौरवपूर्ण क्षण है और एक बड़ी जिम्मेदारी है। विभागों का फैसला जल्द ही किया जाएगा। हमारे सभी कार्यकर्ता खुश हैं और यह उनकी कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि हमने चुनाव जीता।

पीएम मोदी की नॉर्वे यात्रा: 100...

और जीवंत लोकतंत्र की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं पिछले वर्ष नॉर्वे आने वाला था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण वह यात्रा स्थगित करनी पड़ी। उस कठिन समय में नॉर्वे ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत के साथ मजबूती से खड़े होकर सच्ची मित्रता का परिचय दिया। आज जब मैं नॉर्वे आया हूं, तो मैं उस एकजुटता के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने अपने संबोधन के दौरान दुनियाभर में जारी संघर्षों और युद्ध का जिक्र भी किया। पीएम मोदी ने कहा ,आज विश्व एक अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। यूक्रेन हो या वेस्ट एशिया, दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में, भारत और यूरोप, अपने संबंधों के एक नए स्वर्णिम युग में प्रवेश कर रहे है। पीएम मोदी ने भारत-यूरोपीय यूनियन फ्री-ट्रेड एग्रीमेंट का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, पिछले वर्ष, भारत और यूरोपियन फ्री ट्रैड एसोसिएशन ने, एक ऐतिहासिक ट्रैड एण्ड इकनॉमिक पार्ट्नर्शिप अग्रीमन्ट लागू किया। यह अग्रीमन्ट भारत और नॉर्वे के बीच, साझा विकास और प्रास्पेरिटी सुनिश्चित करने का ब्लू प्रिन्ट है। इस अग्रीमन्ट में, अगले पंद्रह वर्ष में भारत में, 100 बिलियन डॉलर इनवेस्टमेंट, और 10 लाख नौकरियां पैदा करने का लक्ष्य है। आज, हम दोनों ने, इस अग्रीमन्ट के वादों को क्रियान्वित के लिए, कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

योगी बोले- सड़क पर नमाज नहीं ...

जिक्र किया। कहा- बरेली में लोगों ने हाथ आजमाया था, ताकत भी देख ली। कानून सभी के लिए बराबर है। किसी को भी सड़क जाम करने या अव्यवस्था फैलाने की छूट नहीं दी जाएगी। दरअसल, यूपी में सितंबर 2025 में आई लव मोहम्मद को लेकर विवाद हुआ था। बरेली में मुस्लिम नेता मौलाना तौकीर रजा ने नमाज के बाद धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया था। पुलिस ने रोका तो पथराव हो गया था। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। योगी ने यूपी के विकास और निवेश का जिक्र किया। कहा- पहले प्रदेश की पहचान कट्टा और बम से होती थी, लेकिन अब यहां ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। नकारात्मक माहौल होगा तो 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' पैदा होगा। सकारात्मक माहौल होगा तो 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' बनेगा। यूपी में तेजी से निवेश आ रहा है। रोजगार बढ़ रहे हैं। यूपी जल्द 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनेगा।

सीएसएमसीएल ओवरटाइम घोटाले ...

के मुताबिक मैनपावर एजेंसियों को अलग-अलग मदों में अतिरिक्त भुगतान किया गया। इसमें -ओवरटाइम भुगतान : लगभग 101.20 करोड़ रुपए, बोनस भुगतान : लगभग 12.21 करोड़ रुपए, अतिरिक्त 4 दिवस कार्य भुगतान : लगभग 54.46 करोड़ रुपए, इन मदों पर सर्विस चार्ज : लगभग 15.11 करोड़ रुपए। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 182.98 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया।

इन एजेंसियों पर जांच की आंच: विवेचना में सुमीत फैसिलिटीज, प्राईमवन वर्कफोर्स, ए-टू-जेड इन्फ्रासर्विसेस, अलर्ट कमाण्डोज और ईगल इंटर सॉल्यूशन्स सहित अन्य मैनपावर एजेंसियों के माध्यम से भुगतान होना पाया गया। जांच में दस्तावेजों, कंपनी प्रतिनिधियों, सीएसएमसीएल अधिकारियों, दुकान स्तर के कर्मचारियों और नगद राशि के लेनदेन से जुड़े गवाहों के बयान दर्ज किए गए। इनमें यह तथ्य सामने आया कि कर्मचारियों के नाम पर निकाली गई राशि का बड़ा हिस्सा वास्तविक भुगतान के बजाय कथित कमीशन व्यवस्था में खपाया गया।

पेपर लीक मामले में 10वीं गिरफ्तारी

आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है। पेपर लीक मामले में सीबीआई अब तक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर समेत 10 गिरफ्तारियां कर चुकी हैं। मोटेगांवकर के अलावा अब तक मनीषा गुरुनाथ मांधरे, प्रो. पी.वी. कुलकर्णी, मांगीलाल बीवाल, विकास बीवाल, दिनेश बीवाल, यश यादव, शुभम खैरनार, मनीषा वाघमारे और धनंजय लोखंडे की गिरफ्तारी हो चुकी है।

तिरछी नज़र से

जिस दिन देश ने सलाह सीने से लगा ली...!

प्रभात दत्त झा

इस देश में दो चीज़ें हमेशा मुफ़्त मिलती हैं।

एक– हवा।

दूसरी – सलाह।

और अजब संयोग है कि दोनों में से किसी का भी पेट नहीं भरता। फ़र्क बस इतना है कि हवा चुपचाप आती है– सलाह माइक लेकर।

तो हुआ यह कि ऊपर से एक फ़रमान आया 'सोना कम खरीदो।' साथ में कुछ और सलाहें भी थीं– वदेशी चीज़ें कम लो, सादगी अपनाओ, बचत करो, आत्मनिर्भर बनो।

बड़ी प्यारी सलाहें थीं। एकदम नि:शुल्क। बिल्कुल मुफ़्त।

और इस देश की भोली–भाली जनता ने–जो सदियों से ''जो हुक्म मेरे आका'' की परम्परा में पली–बढ़ी है – सलाह मान ली।

बस यहीं से कहानी शुरू होती है।

सुबह–सुबह रामलाल उठे। चाय बनाने गए। दिमाग में घंटी बजी 'बाहर की चीज़ें कम लो।' चाय की पत्ती बाहर से आती है। चीनी बाहर से आती है। दूध... दूध तो गाय का है – देसी! रामलाल ने चाय छोड़ी, गाय का कच्चा दूध पिया और देशभक्ति की डकार ली।

पत्नी ने पूछा – 'नाश्ता?'

रामलाल बोले – 'सलाह आई है – कम खाओ। हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

पत्नी ने कहा– 'आत्मनिर्भरता से बच्चों का पेट भरेगा?'

रामलाल चुप हो गए। सलाह में इसका जवाब नहीं था।

मित्रों, यह रामलाल कोई एक आदमी नहीं है। यह वो करोड़ों इंसान है जो महीने की पहली तारीख को तनख्वाह गिनता है और दसवीं तारीख तक हिसाब लगाता है कि अब कैसे काम चलेगा। जिसकी पत्नी सब्ज़ी वाले से दो रुपये कम करवाने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा देती है। जिसका बेटा सरकारी नौकरी के फ़ॉर्म भरते–भरते बूढ़ा हो रहा है। जिसकी बेटी की शादी में 'दो तोला सोना' जुटाने के लिए बाप ने तीन साल से नई शर्ट नहीं खरीदी।

उस आदमी को सोना कम खरीदने की सलाह देना–यह वैसा ही है जैसे किसी प्यासे को समझाया जाए कि 'पानी कम पियो, नदियाँ सूख रही हैं।'

बाज़ार में सुनार बैठा है। दुकान खाली है। सलाह का असर है। ग्राहक नहीं आ रहे।

पड़ोस की साड़ी की दुकान भी सूनी है–'**सादगी अपनाओ**' जो कहा था।

कपड़े वाले ने तख्ती लगाई– 'हम भी सलाह मान रहे हैं – कम बेचेंगे।'

ग्राहक ने पढ़ा, घबराया, लौट गया।

शादी का सीज़न आया।

दुल्हन की माँ ने कहा– 'इस बार सोना नहीं लेंगे।'

दूल्हे के घरवाले खुश।

दुल्हन रो पड़ी।

बाप ने समझाया– 'बेटा, देश बड़ा है।'

बेटी बोली– 'देश बड़ा है तो देश की शादी करो– मेरी क्यों कर रहे हो!'

पंडित जी ने घोषणा की– 'इस बार मंगलसूत्र में सोना नहीं, देशभक्ति पिरोएंगे।'

वर पक्ष ने ताली बजाई।

वधू पक्ष ने जूते उठाए।

बारात बीच में से निकल गई।

अस्पताल में डॉक्टर साहब भी सलाह के रंग में रंगे थे।

मरीज़ पहुँचा– 'बुखार है।'

डॉक्टर बोले– 'दवाई कम खाओ। शरीर को खुद लड़ने दो। आत्मनिर्भर बनो।'

मरीज़– 'और न लड़ पाया तो?'

डॉक्टर– 'तो जनसंख्या की समस्या अपने आप हल।'

मरीज़ बुखार में भी भाग खड़ा हुआ।

बैंक में रामलाल पहुँचे–'लोन चाहिए।'

मैनेजर बोला– 'सलाह आई है , बचत करो।'

रामलाल बोले–'बचत के लिए कमाई हो तो!'

मैनेजर–'उसके लिए अगली सलाह आएगी। अभी इंतज़ार करो।'

रामलाल इंतज़ार में बैठ गए।

अभी तक बैठे हैं !

रात को रामलाल लेटे। पत्नी ने धीरे से पूछा– 'खाना कम था आज। कुछ बोलना था?'

रामलाल बोले– 'नहीं जी। सलाह मान रहे हैं। देशभक्त हैं हम।'

पत्नी ने करवट ली। अँधेरे में बुदबुदाई–

''जिस देश में सलाह मुफ़्त हो और रोटी महँगी–वहाँ देशभक्ति का मतलब है भूखे पेट मुस्कुराते रहो।''

रामलाल की आँखें बंद हो गईं।

नींद में भी होंठ हिल रहे थे।

शायद कोई नई सलाह आ रही थी, सपने भी कम देखो, बिजली बचती है।

''इस देश की असली ताक़त यह नहीं कि यहाँ सलाह देने वाले बहुत हैं – असली ताक़त यह है कि यहाँ सहने वाले और भी ज़्यादा हैं। और जब तक यह सहनशक्ति है–सलाहें आती रहेंगी, माइक गूँजता रहेगा, और रामलाल... रामलाल बस मुस्कुराता रहेगा।''

क्योंकि रोना तो उसे भी आता है– पर आँसुओं पर भी शायद एक दिन सलाह आ जाए '**कम रोओ, पानी बचाओ।**'

देवेंद्रनगर, बिलासपुर (छ.ग.)

रुपया, तेल और वैश्विक तूफानः रणनीतिक प्रबंधन की जरूरत

प्रभात दत्त झा

कल्पना कीजिए, आप पेट्रोल पंप पर खड़े हैं और बोर्ड पर लिखा है - 'पेट्रोल रू. 110.77 प्रति लीटर'। कुछ साल पहले रू. 70-75 में मिलने वाला ईंधन आज बहुत महंगा हो गया है। क्यों? क्योंकि दूर मध्य पूर्व में तूफान उठा है, ईरान-इजरायल-अमेरिका तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने की आशंका और कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। मई 2026 में ब्रेंट क्रूड 110-111 प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। भारत जैसे तेल आयातक देश के लिए यह 'वैश्विक तूफान'घरेलू अर्थव्यवस्था को हिला रहा है। लेकिन सवाल यह है - हम इस तूफान से कैसे बचें? सिर्फ छाता लेकर नहीं, बल्कि रणनीतिक तैयारी से।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। हम अपनी जरूरत का लगभग 88-91% कच्चा तेल विदेश से मंगाते हैं। फरवरी 2026 में तो यह निर्भरता 91% तक पहुंच गई। पश्चिम एशिया (सऊदी, इराक, UAE आदि) से आधे से ज्यादा आयात होता है। जब होर्मुज जलडमरूमध्य (जिससे दुनिया का 20% तेल गुजरता है) पर संकट आता है, तो कीमतें आसमान छूती हैं। 2026 की शुरुआत में तेल 60-70 के आसपास था, लेकिन युद्ध और आपूर्ति बाधा ने इसे 110+ कर दिया। नतीजा? हमारा आयात बिल बढ़ता है, रुपया कमजोर होता है और महंगाई का खतरा मंडराता है।

रुपया इस तूफान में कैसे टिका है?

मई 2026 में एक डॉलर की कीमत रू. 95-96 के आसपास है। 16 मई को यह रू. 96.03 तक पहुंच गया ङ्क साल का उच्चतम स्तर। फिर भी, यह ''क्रैश'' नहीं हुआ। वजह? RBI का सतर्क प्रबंधन और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार। मई 2026 में भारत के फॉरेक्स रिजर्व 697 बिलियन (लगभग रू. 58 लाख करोड़) के करीब हैं। RBI ने जरूरत पड़ने पर डॉलर बेचकर रुपए को संभाला।

सामान्य पाठक सोच सकता है - रुपया गिरा तो क्या हुआ? असर हर जगह है। आयात महंगा हो जाता है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, यहां तक कि दवाइयां भी। निर्यातकों को फायदा होता है, लेकिन आम आदमी की जेब पर बोझ। सरकार ने अभी पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ाईं, बल्कि तेल कंपनियों और सब्सिडी से बोझ उठाया। लेकिन RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने साफ कहा -अगर संकट लंबा चला तो कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी।

क्या चुनौतियां हैं?

- **महंगाई का दबाव**: तेल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट, खाद्य और हर चीज की कीमत बढ़ती है। अप्रैल 2026 में CPI महंगाई 3.5% थी, लेकिन जोखिम ऊपर है। RBI ने FY27 के लिए 4.6% महंगाई का अनुमान रखा है।
- **करंट अकाउंट डेफिसिट**: ज्यादा तेल आयात से विदेशी मुद्रा का बहाव बढ़ता है।
- वैश्विक मंदी का खतराः अगर तेल 120+ गया तो पूरी दुनिया प्रभावित होगी-विकास दर घटेगी, ब्याज दरें बढ़ेंगी।

फिर भी उम्मीद की किरणें हैं

भारत ने पिछले सालों में काफी तैयारी की है। रूस, वेनेजुएला और अन्य स्रोतों से आयात बढ़ाया। मार्च 2026 तक 40 देशों से तेल मंगाया जा रहा है। रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (SPR) भरा जा रहा है। ईंधन मिश्रण (इथेनॉल ब्लेंडिंग) 20% तक पहुंच गया, जो सालाना 4-5 करोड़ बैरल आयात बचाता है। सोलर, पवन और ग्रीन हाइड्रोजन पर जोर है। PLI स्कीम्स इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर भी हम योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में ईंधन बचत, सोने की खरीद कम करने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट इस्तेमाल की अपील की। महाराष्ट्र के CM फडणवीस इंडिगो की इकोनॉमी क्लास में यात्रा कर उदाहरण पेश कर चुके हैं। छोटे-छोटे बदलाव- AC कम इस्तेमाल, LED बल्ब -सामूहिक रूप से बड़ा फर्क ला सकते हैं।

रणनीतिक प्रबंधन क्या होना चाहिए?

- **दीर्घकालिक**: घरेलू तेल-गैस उत्पादन बढ़ाएं (Oil India, ONGC को और सपोर्ट)। नवीकरणीय ऊर्जा को तेजी से अपनाएं। EV इंफ्रास्ट्रक्चर बनाएं।
- **मध्यावधि**: डायवर्सिफिकेशन जारी रखें। SPR को और मजबूत करें।
- **अल्पावधि**: RBI का हस्तक्षेप, सब्सिडी प्रबंधन और महंगाई नियंत्रण।

यह तूफान हमें याद दिलाता है कि ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है। 1991 के विदेशी मुद्रा संकट से हमने सबक लिया था। आज फिर वही स्थिति नहीं आने देंगे। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बुनियाद पर खड़ी है-डिजिटल इकोनॉमी, सेवाएं, युवा जनसंख्या। सही नीतियों और आमजन के सहयोग से हम न केवल इस तूफान से गुजरेंगे, बल्कि और मजबूत होकर निकलेंगे।

आखिर में, तेल की कीमतें एक दिन गिरेंगी। लेकिन निर्भरता कम करने की यात्रा कभी नहीं रुकनी चाहिए। आज का संकट कल का अवसर बन सकता है-अगर हम रणनीतिक रूप से सोचें और कार्य करें।

(स्रोत: RBI डेटा, PPAC, विश्व बैंक/IMF अनुमान, मई 2026 बाजार रिपोर्ट्स)

प्रतियोगी परीक्षा में सफलता का नया मंत्र

Smart Preparation ही कुंजी

प्रतियोगी परीक्षाओं का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब रट्टा लगाकर, पुराने नोट्स के सहारे सफलता पाना लगभग असंभव हो गया है। आज वही उम्मीदवार सफल हो रहे हैं, जिनकी तैयारी Concept Clarity, नियमित अभ्यास और सही रणनीति पर टिकी होती है। पहले तथ्यात्मक प्रश्न पूछे जाते थे, अब विश्लेषणात्मक (Analytical) और अवधारणा-आधारित प्रश्नों का बोलबाला है। अब सिर्फ 'क्या' नहीं, बल्कि 'क्यों' और 'कैसे' समझना अनिवार्य है।

समझदारी से पढ़ाई, बस रटने से नहीं

आज के परीक्षा कक्ष में वही छात्र सफल होता है, जिसकी बुनियाद मजबूत हो। उदाहरण के लिए, ज्यामिति का एक प्रश्नः यदि आयत के प्रत्येक भुजा के मध्य-बिंदुओं को मिलाया जाए, तो कौन-सी आकृति बनेगी? इसे हल करने के लिए फॉर्मूला याद होना काफी नहीं, आपको ज्यामिति के मूल सिद्धांत समझने होंगे। यही 'डीप स्टडी' आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

समय की बर्बादी सबसे बड़ी दुश्मन

अधिकतर छात्र शुरुआत तो कर लेते हैं, परंतु निरंतरता (Consistency) नहीं बना पाते। मोबाइल, सोशल मीडिया और बिना उद्देश्य का समय उनकी तैयारी को कमजोर कर देता है। याद रखिए, आज बर्बाद किया हर पल कल का अवसर छीन लेता है। सफल और असफल छात्रों का सबसे बड़ा अंतर 'नियमितता' ही होता है।

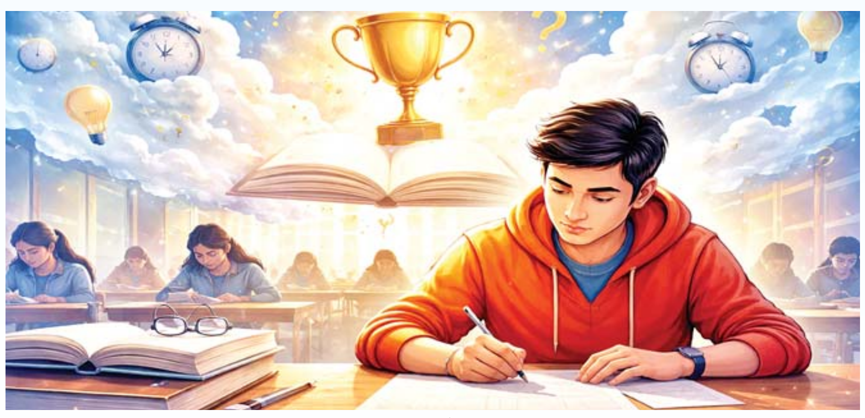

सफलता के लिए अपनाएँ ये ठोस रणनीतियाँ

1. निश्चित समय-सारणी (Schedule) - हर दिन का पढ़ाई का समय पहले से तय करें।
2. कमजोर विषयों पर जोर दें - जिस विषय से बचते हैं, उसे ही सर्वोच्च प्राथमिकता दें।
3. रिवीजन और मॉक टेस्ट - बिना रिवीजन ज्ञान अधूरा है। मॉक टेस्ट से गति, सटीकता और समय प्रबंधन सुधरता है।
4. पिछले वर्षों के प्रश्न (PYQs) हल करें - इससे परीक्षा पैटर्न समझने में सबसे अधिक सहायता मिलती है।

सही किताबों का चयन = आधी सफलता

बाजार में नई भर्ती के साथ ढेरों किताबें आ जाती हैं, लेकिन हर किताब विश्वसनीय नहीं होती। हमेशा Standard Books और विश्वसनीय स्टडी मटीरियल को ही प्राथमिकता दें। ऐसा कंटेंट चुनें जो अवधारणा स्पष्ट करे, न कि उलझाएं।

गणित और अंग्रेजी को न करें नजरअंदाज

लगभग हर परीक्षा में Mathematics और Basic English निर्णायक भूमिका निभाते हैं। कई प्रतिभाशाली छात्र इन दोनों में कमजोरी के कारण पिछड़ जाते हैं। प्रतिदिन गणित अभ्यास करें, शब्दावली बढ़ाएँ और पढ़ने की आदत विकसित करें। कमजोरी से भागने से नहीं, बल्कि उस पर काम करने से मिलती है जीत।

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों के लिए विशेष संदेश

यदि आप शिक्षक भर्ती (TET, B.Ed, D.El.Ed) की तैयारी कर रहे हैं, तो अपनी पूरी ऊर्जा फोकस में लगाएँ। यह प्रतियोगिता अन्य भर्तियों से अलग है। आने वाले महीने सुनहरे अवसर हैं - लक्ष्य साफ रखें, पूरा सिलेबस चरणबद्ध पूरा करें, रोज रिवीजन करें और नियमित मॉक टेस्ट दें।

सफलता का अंतिम सत्य

सरकारी नौकरी केवल सपने देखने वालों को नहीं, बल्कि उन्हें मिलती है जो अनुशासित रहते हैं, लगातार मेहनत करते हैं और प्रतिदिन अपना बेहतर संस्करण बनाने का प्रयास करते हैं। जिस दिन परिणाम की PDF में आपका नाम होगा, वह दिन आज की हर छोटी-बड़ी मेहनत को सार्थक कर देगा।

Jobskind Education Group आपकी इस यात्रा में बदलते परीक्षा पैटर्न की जानकारी, गुणवत्तापूर्ण MCQs, PYQs का संग्रह और सही रणनीति देकर आपकी सफलता की दिशा को प्रकाशवान बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

- Sure Success with Right Effort - यही सफलता का नया मंत्र है।

अंकित कुमार मिश्रा,
बिलासपुर , छत्तीसगढ़, (परीक्षा विशेषज्ञ, 'जॉब्स काइंड एजुकेशन' बिलासपुर के संस्थापक)

विशेष रिपोर्ट

राख के ढेर से उड़ी विज्ञान की उड़ान!

बिलासपुर। जिसे लोग बिजली संयंत्र की राख का तालाब समझते थे, वही ह्ङ्कक्क सीपत की ऐश डाइक आज पूरी दुनिया के पक्षी वैज्ञानिकों के लिए चर्चा का विषय बन गई है। बिलासपुर के तीन युवा शोधकर्ताओं – राहुल गुप्ता, रत्नेश गुप्ता और हिमांशु गुप्ता – ने यहाँ ऐसे दुर्लभ पक्षियों की उपस्थिति और प्रजनन दर्ज की है, जो पहले कभी छत्तीसगढ़ में इस रूप में नहीं देखे गए थे। उनके दो शोध लेख प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका Zoological Reports में एक साथ प्रकाशित हुए हैं – यह बिलासपुर और समूचे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है।

पहली खोज – 6 साल बाद लौटा आर्कटिक का मेहमान

पहले शोध लेख की कहानी बेहद रोमांचक है। आर्कटिक वृत्त में जन्म लेने वाला एक दुर्लभ पक्षी -ग्रेटर व्हाइट फ्रंटेड गूज (Anser albifrons)- छत्तीसगढ़ में 6 साल की अनुपस्थिति के बाद एक बार फिर दिखा। और इस बार सिर्फ एक नहीं, बल्कि तीन पक्षी एक साथ।

28 दिसंबर 2025 से 22 फरवरी 2026 के बीच-पूरे दो महीने - ये तीनों पक्षी NTPC सीपत की ऐश डाइक पर टिके रहे। इससे पहले 2019 में रायपुर में केवल एक पक्षी देखा गया था। इस बार की सूचना उससे 140 किलोमीटर उत्तर में बिलासपुर जिले में दर्ज की गई - जो यह संकेत देती है कि मध्य भारत से होकर इन पक्षियों का प्रवास मार्ग बदल रहा है।

यह पक्षी पहचानने में आसान है - भूरे पंख, माथे पर सफेद धब्बा, चोंच गुलाबी-सफेद और छाती पर काले धब्बे। 66 से 86 सेंटीमीटर लंबाई का यह पक्षी अपनी तीखी आवाज से भी पहचाना जाता है। इसकी पूरी पूर्वी एशियाई आबादी ढाई लाख से अधिक है।

खास बात: यह छत्तीसगढ़ में इस प्रजाति का पहला बहु-व्यक्तिगत शीतकालीन प्रवास रिकॉर्ड है-एक ऐतिहासिक दस्तावेज़।

दूसरी खोज–राख के तालाब में प्रजनन का चमत्कार

दूसरे शोध लेख में शोधकर्ताओं ने एक और अचंभित करने वाली खोज की। उसी ऐश डाइक पर तीन पक्षी प्रजातियाँ सफलतापूर्वक प्रजनन कर रही हैं-और यह किसी जंगल या प्राकृतिक जलाशय में नहीं, बल्कि एक औद्योगिक संयंत्र के राखड़ तालाब में हो रहा है।

ये तीन प्रजातियाँ हैं : ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट (Himantopus himantopus), जिसकी लंबी गुलाबी टाँगें और काले-सफेद पंख इसे झुंड में भी अलग पहचाने जाने योग्य बनाते हैं; स्मॉल प्रेटिंकोल (Glareola lactea), जो भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया जाने वाला छोटा किंतु चपल पक्षी है; और ब्लैक-ब्रेस्टेड वीवर (Ploceus benghalensis), जो अपने जटिल घोंसलों के लिए जाना जाता है।

इन पक्षियों का इस स्थान पर प्रजनन करना इसलिए विशेष है क्योंकि ऊँचाई पर बनी यह ऐश डाइक बाहरी हस्तक्षेप से अपेक्षाकृत मुक्त है, जिससे यह पक्षियों के लिए एक अनजाना सुरक्षित आश्रय बन गई है। विज्ञान की भाषा में इसे औद्योगिक उप-उत्पाद की अनायास पारिस्थितिकीय भूमिका कहते हैं।

उल्लेखनीयः ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट की नेस्टिंग इससे पहले 150 किमी दक्षिण में धमतरी (महानदी बेसिन, 2021) में दर्ज थी- अब बिलासपुर में भी।

बिलासपुर की गौरवशाली उपलब्धि

यह पहला अवसर है जब बिलासपुर के स्थानीय शोधकर्ताओं के एक साथ दो लेख एक ही अंतरराष्ट्रीय जर्नल के एक ही अंक में प्रकाशित हुए हों। राहुल गुप्ता (Paramount Green Energies, करोना चौक, सदर बाजार, बिलासपुर), रत्नेश गुप्ता (AVM ट्रेडिंग कंपनी, विनोबा नगर, बिलासपुर) और हिमांशु गुप्ता (नवजीवन कैंसर हॉस्पिटल, अंबिकापुर) ने यह सिद्ध कर दिया है कि समर्पण और प्रकृति–प्रेम हो तो अंतरराष्ट्रीय विज्ञान में योगदान देना असंभव नहीं। NTPC सीपत की ऐश डाइक अब केवल एक औद्योगिक संरचना नहीं–यह एक जीवित पारिस्थितिकीय प्रयोगशाला है। और इन तीन शोधकर्ताओं ने इसे पूरी दुनिया के सामने रखा है। बिलासपुर की इस अनूठी खोज पर आज की जनधारा पूरे शोध दल को हार्दिक बधाई और अभिनंदन देता है।

अनुसंधान पद्धति–कैमरे से खिंचे विज्ञान के सूत्र

शोधकर्ताओं ने Nikon Pv100 और Nikon D5600 कैमरों में 70-300mm लेंस लगाकर सुरक्षित दूरी से पक्षियों की तस्वीरें और व्यवहार संबंधी आँकड़े एकत्र किए, ताकि पक्षियों की दिनचर्या में कोई बाधा न आए। इस वैज्ञानिक सावधानी ने उनके शोध को और अधिक विश्वसनीय बनाया।

जलवायु परिवर्तन का संकेत– बदल रहे हैं पक्षियों के रास्ते

इस शोध का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है –जलवायु परिवर्तन के कारण पक्षियों के प्रवास मार्ग बदल रहे हैं। आर्कटिक से आने वाला ग्रेटर व्हाइट फ्रंटेड गूज अब मध्य भारत तक पहुँच रहा है और यहाँ लंबे समय तक रुक भी रहा है। यह बताता है कि बिलासपुर और उसके आसपास का क्षेत्र प्रवासी पक्षियों के लिए एक उभरता हुआ शीतकालीन पड़ाव बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, औद्योगिक ऐश डाइक का पारिस्थितिकीय महत्व यह दर्शाता है कि यदि मानव गतिविधियों से प्राकृतिक पर्यावास नष्ट होते हैं, तो पक्षी नए और अप्रत्याशित स्थानों में अपना जीवन ढालने की क्षमता रखते हैं। यह जानकारी भविष्य में पक्षी संरक्षण नीतियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगी।

बजरंग शर्मा
बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ

राजधानी में कैनाल रोड के लिए 1300 घरों को तोड़ने की तैयारी

● पीड़ित परिवारों ने किया निगम का घेराव, कहा- बगैर नोटिस किया जा रहा सर्वे

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुरुमुख नगर पचपेड़ी नाका से भाटागांव तक कैनाल रोड 2.0 बनाने का प्लान है, जिसके लिए कई घरों को तोड़ने की तैयारी है। बेघर होने से बचने के लिए पीड़ित परिवार ने आज निगम का घेराव किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें 80 फीट रोड नहीं चाहिए और ना ही हम अपना घर छोड़ेंगे।

क्या है पूरा मामला ?: दरअसल, गुरुमुख नगर पचपेड़ी नाका से भाटागांव तक कैनाल रोड बनाने का प्लान है। 30 फीट का जगह होने के बावजूद 80 फीट का रोड बनाने का प्रावधान रखा गया है। ऐसे में रोड के बीच में आने वाले कई घरों को तोड़ने की तैयारी की जा रही है।

पीड़ित परिवार ने किया नगर निगम का घेराव: इसी को लेकर आज पीड़ित परिवार ने नगर निगम का घेराव किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विस्थापन नियम का पालन नहीं किया गया और अगले 40 साल से बसे परिवारों को बेघर करने की साज़िश की जा रही है। रोड के लिए 30 फिट का जगह होने के बावजूद 80 फीट का बनाने का प्रावधान रखा गया है।

नहीं चाहिए रोड, ना ही छोड़ेंगे घर: वहीं उन्होंने आगे कहा कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर 1300 परिवारों को बेघर किया जा रहा है। बगैर नोटिस सर्वे किया जा रहा है और तोड़ने की तैयारी हो रही है। उनका कहना है कि हमें 80 फ़ीट का रोड नहीं चाहिए और ना ही हम अपना घर छोड़ेंगे।

रायपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक से लूट

मोबाइल छीनकर भागा बदमाश, 8 घंटे के भीतर दबोचा गया लुटेरा

रायपुर। रायपुर में बीजेपी नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक मॉर्निंग वॉक के दौरान मोबाइल लूट का शिकार हो गए। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पीडब्ल्यूडी ब्रिज के पास बाइक सवार बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया।

सोमवार सुबह जब कौशिक पैदल चल रहे थे, तभी झपटमार उनके हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि वे संभल भी नहीं सके, रायपुर पुलिस ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष से लूट की इस वारदात की पुष्टि की है। इस मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा कि 'आप डायल 112 को झंडी दिखाते रहिए, उधर धरम लाल कौशिक जी का मोबाइल छीनकर चोर 9-2-11 हो गए। उन्होंने आगे लिखा- सोचिए जरा, जब देश के गृहमंत्री अमित

शाह जी छत्तीसगढ़ में हैं, उस समय 'मॉर्निंग वॉक' के दौरान ऐसी घटना कथित 'सुशासन' पर तमाचा है।'

रेकी के बाद लूट: पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बदमाश बाइक पर सवार थे और वारदात को अंजाम देने के बाद तेजी से मौके से भाग निकले। पुलिस को शक है कि आरोपियों ने पहले रेकी की होगी। फिलहाल पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

8 घंटे के भीतर दबोचा गया लुटेरा: भाजपा के वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक से जुड़ी लूट की घटना में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को 8 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी मणिचंद ध्रुव को चूनाभट्टी इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल दोपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार मणिचंद ध्रुव ने ही वारदात को अंजाम दिया था। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस ने कमिश्नरेट सिस्टम पर उठाए सवाल: घटना की जानकारी होने के बाद कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने रायपुर कमिश्नरेट सिस्टम की वर्किंग पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, कि बीजेपी नेताओं के साथ वारदात हो रही है। हाई अलर्ट के बीच शहर में वारदात हुई है। कमिश्नरी लागू होने के बाद लगातार अपराध बढ़ रहा है।

सुशासन तिहार में चाकूबाजी : सरपंच के पेट में आईं चोटें

डोंगरगढ़। डोंगरगढ़ के ग्राम पलांदूर में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान अचानक चाकूबाजी हो गई। चाकूबाजी में सरपंच घायल हो गया और उनके पेट में चोट आई है। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

मिली जानकारी के अनुसार, सुशासन तिहार कार्यक्रम में भाषण चल रहा था। इसी दौरान आरोपी जितेन्द्र यादव ने अचानक हमला कर दिया। चाकूबाजी में सरपंच घायल हो गया और उनके पेट में चोट आई है। इस घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों और मौजूद लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया।

तेज रफ्तार कार ने दो युवकों को कुचला, शव रख चक्काजाम

● नेशनल हाईवे 130 में विरोध प्रदर्शन, आरोपी की गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग

सरगुजा। नेशनल हाईवे 130, अंबिकापुर-बिलासपुर रोड में शहर से लगे सांडबार बेरियर के पास बीती शाम तेज रफ्तार में कार ने सड़क किनारे खड़े दो युवकों को कुचल दिया और करीब 20 फुट तक घसीट लिया। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। सोमवार को परिवारजनों के साथ सांडबार के लोगों ने सड़क पर शव रखकर करीब दो घंटे तक चक्काजाम किया। मुआवजा और आरोपियों के गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त किया गया।

मामला मणिपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, सुंदरपुर निवासी अनिल कुमार गढ़ेवाल (25 वर्ष) बीती शाम शो रूम से वापस घर लौटने के लिए 7.30 बजे निकला। वह सांडबार में नेशनल हाईवे के किनारे मो. तस्लीम के दुकान में कार के टायरों में हवा डलवाने के लिए रूका था। मो. तस्लीम का भतीजा कमरान (20 वर्ष) पिता मो. नसीम हवा डालने के लिए पहुंचा था।

तेज रफ्तार कार ने कुचलते हुए घसीटा, मौत: अनिल कुमार गढ़ेवाल और कमरान सड़क किनारे खड़े थे, उसी समय लखनपुर से अंबिकापुर की ओर तेज रफ्तार में आ रही कार ने दोनों को चपेट में ले लिया और करीब 100 फुट तक घसीट लिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सांडबार के लोगों ने मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद तेज रफ्तार में कार का चालक कार लेकर फरार हो गया। कोई गाड़ी का नंबर भी नहीं देख सका।

चुनावी मैदान में उतरा हत्या का आरोपी

बीजेपी नेता के मर्डर के बाद खाली थी सीट, जेल में बंद आरोपी ने भरा नामांकन

कटघोरा। कोरबा जिले से राजनीति का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे प्रदेश में हलचल मचा दी है। जिस व्यक्ति पर भाजपा नेता की हत्या का आरोप है, वही अब जेल से निकलकर उसी सीट पर चुनाव लड़ने मैदान में उतर गया है, जो हत्या के बाद खाली हुई थी।

मामला पोड़ी उपरोड़ा जनपद पंचायत क्षेत्र के बिझरा सीट का है। हत्या के आरोपी मुस्ताक अहमद को सोमवार को बिलासपुर जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच नामांकन दाखिल कराने लाया गया। हथकड़ियों में पुलिस सुरक्षा के बीच पहुंचे मुस्ताक ने जनपद सदस्य पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

23 दिसंबर को हुई थी भाजपा नेता की हत्या: बताया जा रहा है कि 23 दिसंबर को ग्राम केशलपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अक्षय गर्ग की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। उन पर कुल्हाड़ी और चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया था, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश प्रमुख वजह थी। मामले में मुस्ताक अहमद को मुख्य आरोपी बनाते हुए गिरफ्तार किया गया था, जो फिलहाल जेल में बंद है।

हत्या के बाद खाली सीट पर आरोपी की दावेदारी: भाजपा नेता अक्षय गर्ग की हत्या के बाद बिझरा जनपद पंचायत सीट खाली हो गई थी। निर्वाचन आयोग ने यहां उपचुनाव की घोषणा की है। नामांकन के आखिरी दिन अचानक जेल वैन पहुंचने से इलाके में हलचल मच गई। लोग तब हैरान रह गए, जब हत्या के आरोपी मुस्ताक अहमद ने उसी सीट से चुनाव लड़ने के लिए अपना पर्चा भर दिया, जो अक्षय गर्ग की मौत के बाद खाली हुई थी।

इलाके में बढ़ाई गई सुरक्षा: इस घटनाक्रम के बाद बिझरा और आसपास के क्षेत्रों में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

प्रेमिका के सामने टोकने का खौफनाक बदला

● चाचा दरवाजा खोलो कहकर डीएसपी के भाई को घर में घुसकर मारा चाकू

बिलासपुर। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। बन्नाक चौक स्थित सरस्वती स्टील के मालिक और डीएसपी बद्री नाथ मिश्रा के भाई पशुपतिनाथ (गुड्डू) मिश्रा के घर में घुसकर कुछ बदमाशों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। खून से लथपथ ठेकेदार को गंभीर हालत में अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दुस्साहसिक घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

घटना के पीछे की जो कहानी निकलकर सामने आई है, वह बेहद चौंकाने वाली है। पुलिस के मुताबिक, यह पूरा विवाद प्रेमिका के सामने डांट और ईगो हर्ट होने का है।

प्रेमिका के सामने टोकना पड़ा महंगा: पुलिस जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उसके अनुसार सरस्वती स्टील में काम करने वाले एक कर्मचारी को मालिक गुड्डू मिश्रा ने वहीं रहने के लिए कमरा दिया था। रविवार को कर्मचारी अपनी पत्नी के साथ बाजार गया हुआ था और कमरे की चाबी अपने एक दोस्त को दे गया था।

वह दोस्त अपनी मंगेतर/प्रेमिका को लेकर उस सूने कमरे में पहुंच गया। जब मालिक गुड्डू मिश्रा वहां पहुंचे और उन्होंने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखा, तो उन्होंने कड़ी आपत्ति जताई। मिश्रा ने युवक को फटकार लगाते हुए कहा, यहाँ इस प्रकार की गलत हरकतें नहीं चलेंगी। उस वक्त तो युवक अब नहीं आएंगे कहकर अपनी प्रेमिका के साथ चला गया, लेकिन लड़की के सामने हुई इस बेइज्जती से उसका ईगो बुरी तरह आहत हो गया। इसी आक्रोश में आकर उसने बदला लेने की खौफनाक साजिश रच डाली।

स्वामी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि. के लिए प्रकाशक मुद्रक सुभाष मिश्रा के द्वारा मिशन मीडिया प्रा.लि., रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं बंद टॉकीज के सामने, सदर वार्ड नं. 10, जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक- सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक-भालचंद्र जोशी, स्थानीय संपादक विजय सिंह* आरएनआई रजि. नं.- 52143/91 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।